

# HRA Signus The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITE

सं॰ 38] No. 381 नई दिस्ती, शनिवार, सितम्बर 20, 1986 (भावपद 29, 1908) NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 20, 1986 (BHADRA 29, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के क्य में रखा जा सके

## भाग III—खण्ड । PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 अगस्त 1986

सं० ए० 12025 (म् №2/86-प्रशा०-3--राष्ट्रपिति, वित्त मंत्रालय में कार्यरत के० स० से० संवर्ग के तदर्थ अनुभाग अधिकारी श्री एम० एल० खन्ना का नामांकन संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग की वरिष्ठता कोटा के प्रति अनुभाग श्रधिकारी ग्रेड की 1985 की चयन सूची में होने के परिणामस्वरूप उन्हें 1 अगस्त, 1986 पूर्वाह्न से संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर नियक्त करते हैं।

2. इनकी नियुक्ति दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित सीठ डब्ल्यू० पी० सं० 1194/78 दिनांक 4-8-80 के अन्तिम निर्णय एवं परिणाम के अध्यधीन होगी ।

> एम० पी० जैन अवर सचिव (का० प्रा०) संघ लोक सेवा आयोग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशासन सुधार, लोकशिकायत तथा पेंशत मंत्रालय

(कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

, नई दिल्ली-110003, दिनांक 29 अगस्त 1986

सं० 19021/13/82-प्रशा०-5-प्रत्यावर्तन होने पर श्री सी० जनार्धन, भा० पु० सेवा० (आ० प्र०-1972), पुलिस अधीक्षक, के० अ० ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, हैदराब शाखा की सेवाएं दिनांक 31 जुलाई 1986 अपराह्म से आन्ध्र प्रदेश सरकार को सौंपी जाती हैं।

सं० ए०-19035/2/82-प्र०शा०-5--निवर्तन होने पर श्री मोहन लाल सबलोक ने दिनांक 31 जुलाई 1986 अपराह्न से कार्यालय अधीक्षक, के० अ० ब्यूरो, विशेष एकक, नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया ।

> धर्मपाल भल्ला प्रशासन अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेदण ब्यूरो

#### गृह मंद्रालय

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनाँक 29 जुलाई 1986

सं० 11/5/84-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 11/10/76-प्रशा०-I (खण्ड-II) दिनांक 24-6-83 के अनुक्रम में श्री डी०पी० खोबरगड़े, सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) को प्रौन्नति द्वारा, उपिनदेशक जनगणना कार्य के पद पर जनगणना कार्यालय मेघालय, शिलांग में दिनांक 28-2-87 तक की ग्रीर अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णत: अस्थायी ग्रीर तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

## श्री खोबरगड़ें का मुख्यालय शिलांग में होगा।

सं० 11/5/84-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस् कार्यालय की अधिसूचना सं० 11/102/79-प्रशा० I(2) दिनांक 19-5-84 के अनुक्रम में निम्नलिखित सहायक निदेशक जनगणना कार्य को उनके नामों के समक्ष दिशित कार्यालयों में उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर प्रौक्षति द्वारा, दिनांक 28-2-87 तक की भ्रौर अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थायी भ्रौर तद्यं आधार पर, विद्यमान शतौं पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

ऋ० सं० अधिकारी का नाम कार्यालय जहां कार्यरत हैं

सर्वश्री---

1. जी ०डी ०भट्ट जनगणना कार्यालय, चण्डीगढ़, चण्डीगढ़ 2. एस ० एल ० बहल जनगणना कार्यालय, हरियाणा, चण्डीगढ़

#### दिनांक 25 अगस्त 1986

सं० 11/12/82-प्रशा०---पुनरीक्षक (रिब्यू) विभागीय प्रोन्नित समिति की सिफ़ारिशों के आधार पर राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय, आंद्र प्रदेश, हैदराबाद में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) श्री चि० पुरनचन्द्र राव को 30 मार्च, 1979 से अस्थायी क्षमता में नियमित आधार पर पदोन्नित द्वारा उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर नियुक्त करते हैं। सहायक निदेशक श्रीर उप निदेशक, जगनणना कार्य के संबंधित ग्रेड की वरिष्ठता सूची में श्री राव का स्थान श्री जे० के० पटेल श्रीर श्री आर० के० पुरी उप निदेशक, जनगणना कार्य के बीच में होगा।

## श्री राव का मुख्यालय हैदराबाद रहेगा ।

सं० 11/5/84-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 11/7/83-प्रशा० 1, तारीख 19 दिसम्बर 1983 के अनुक्रम में, श्री एस० के० स्वेन, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) को प्रोन्नति द्वारा, उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर जनगणना निदेशालय, उड़ीसा, भूवने-स्वर में दिनांक 3 दिसम्बर 1984 से 28 फरवरी 1987 तक की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णत: अस्थायी ग्रौर तद्यें आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> उनका मुख्यालय भुवनेश्वर में रहेगा ।
>  वी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

## वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विमाग) प्रतिभृति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 25 अगस्त 1986

सं० 7 (60)/4007—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7 (60)/1424 दिनांक 19/5/1986 के तारतम्य में श्री ह्वी० एम० परदेशी की रु० 650—30—740—35—810—द० अ०—35—880—40—1000—द० अ०—40—1200 के वेतनमान में सहायक मुख्य नियंत्रण अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियंक्त की अवधि दिनांक 31—12—1986 या इस पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इसमें से जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है ।

सं० एम-17/4008—इस कार्यालय की अधिसूचना कमांक एम-17/1692 दिनांक 26-30/5/1986 के तारतम्य में श्री ए० आर० अडवानी की र० 650-30-740-35-810-द०अ-35-880-40-1000-द० अ०-40-1200 के 1200 के वेतनमान में सहायक अभियन्ता (यांत्रिकी) के पद पर की गयी तदर्थ नियुक्ति की अविधि दिनांक 4-7-86 तक बढ़ाई जाती है ।

सं० 7 (65)/4009—इस कार्यालय की अधिसूचना कमांक सी-7/7881—दिनांक 1/1/1986 के तारतम्य में श्री ह्वी० सी० तिवारी की रु० 840-40-1000—द० अ०-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सुरक्षा अधिकारी के पद पर की गयी तदर्थ नियुक्ति की अवधि दिनांक 26-12-1986 या जब तक संघ लीक सेवा आयोग द्वारा चुना गया उम्मीदवार उक्त पद का भार ग्रहण नही करता, इसमें से जो भी पहलें हो, तक बढ़ाई जाती है

सं० एम-6/4010--इस कार्यालय की अधिसूचना कमांक एम-6/1783 दिनांक 30-5-86 के तारतम्य में श्री बी० एल० शर्मा की ६० 650-30-740-35-810-द० अ०-35-880-40-1000-द० अ०-40-1200 के वेतनमान में सहायक अभियन्ता के पद पर की गयी त्रदर्थ नियुक्ति की अविध दिनांक 31-8-1986 तक या जब हक संघ लोक

सेवा आयोग द्वारा चुना हुआ उम्मीदवार अभियन्ता (याहिक) का पदः भार नहीं सम्भाल लेता, इसमें से जो भी पहले हो, तक बढ़ाई जाती है।

सं० 7 (64)/4011---श्री एस० के० आनन्छ, फोरमेन (उत्पादन) को ४० 840-40-1000--द० अ०--40--1200 के वेतनमान में सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर दिनांक 19-5--1986 से नियमित रूप से निय्कृत किया जाता है।

वेदोवर्षकी अवधि तक परिवीक्षांधीन रहेंगे।

श० रा० पाठक महाप्रबन्धक

## भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 अगस्त 1986

सं० 20 वा० ले० प०/31-74-स्वस्य लेखापरीक्षा तथा पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा-1 नई दिल्ली के कार्यालय में कार्यरत श्री एस० आर० अमर व श्री एल० एन० रावन, लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-7-1986 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

के० पी० लक्ष्मण राव सङ्ायक नियंत्रक—महालेखापरीक्षक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार (ले॰ प॰) कर्नाटक बंगलोर, दिनांक 31 जुलाई 1986 कार्यालय आदेश

सं० म० ले० (ले० प०) 1/प्रशासन 1/ए-1/1/86-87/239—महालेखाकार (ले० प०) निम्निक्षित अनुभाग अधिकारियों को सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में रू० 650—30-740-35-880-द० रो०- 40-1040 वेतनमान में पूर्णतः अस्थायी रूप में, आगामी आदेश तक, उनके विरुठों के दावों को प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, उनसे सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के कार्यभार ग्रहण करने के दिन से सहर्ष पदोन्नति दे रहे हैं।

- (1) श्री के० संपंगिरामाचारी
- (2) श्री डी० वी० अक्षणाचल राव

सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में उनके पदोक्षति होने के उपरांत उच्चतम ग्रेष्ठ में वेतनमान निर्धारण करने का विकल्प को स्वामी संकलन (I/II संस्करण) में मूल नियम 22 (सो) के नीचे भारत सरकार के निर्णय (15), (जी० आई० एम० एच० ए० कार्मिक तथा प्र० सु० विभाग के कार्यालय जापन सं० एफ 7-1-80 प्र० पी० 1 दिनांक 26, सितम्बर 1981) के अनुसार वे उनके पदोक्सित होने के एक महीने के अन्दर देना चाहिए ।

ह०/- भ्रपठनीय उप महालेखाकार (प्र)

कार्यालय, महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम, म० प्र० ग्वातियर, दिनांक 22 अगस्त 1986

सं०/प्रणासन II/समूह-1/पदोष्ट्रित/ले० प० अ०/116—महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम ने निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान रू० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में उनके नाम के आगे धर्माए गए कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से आगामी आदेश तक पदोन्नत किया है :--

क्रमांक नाम	स्थाई ऋमांक	कार्यभार ग्रह्ण करने का दिनांक व पदोक्नति
सर्वेश्री	····	
1, प्रेमप्रकाश	01/386	26 <b>-6-8</b> 6 पूर्वाह्म
2. के०एल०सरोज	1216	26-6-86 पूर्वाह्म
3. ही ० एम० राठोर	393	2-7-86 पूर्वीह्न
4. कृष्ण दयाल	1403	11-7-86 पूर्वाह्न

(प्राधिकार: महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम के आदेश दिनांक 25-6-1986)

> आर० सी० गुप्ता उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्राक्य

भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा आर्डनेंस फैक्टरी **बो**र्ड

कलकत्ता-1, दिनांक 28 अगस्त 1986

सं० 53/जी86—श्री बी० मुन्दरम, स्थानापन्न सहायक कर्मशाला प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी कीर मैन) दिनांक 30 जुन, 1986/अपराह्न, से स्थेच्छापूर्यक सेवा निवृत हुए।

> एम० ए० ३:ल**हन** सं**गुक्**र निदेशक/जी

#### श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा श्रीरश्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय

बम गई-400 022, दिनांक 25 अगस्त 1986

सं० 17/(4/78-स्थापना--अधिविधिता को आयु पर पहुंब हर श्रो डॉ० डी० श्रीवास्तवा प्रणासनिया अधिकारी, कारखाना जलाह जा श्रार श्रम विज्ञान के अधीतस्थ कार्यालय क्षेत्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र कानपुर से दिनांक 1 अगस्त 1986 (पूर्वाह्र ) से जरकारी जिस्से निवत हो गए।

> एस० बीच हेग&पाटिल ःपमहानिदेशक

## वाणिज्य मंक्रालय (वाणिज्य विभाग)

वाणिज्यिक जानकारी एवं ग्रंकसंकलन महानिदेशालय, कलकत्ता, दिनांक 18 अगस्त 1986

स० एस्ट-1/1 (1)/85—इस निवेशालय की अधिसूचना स० एस्ट-1/1 (1)/85/2772-2777 दिनांक 3-6-86 को अनवर्ती में श्री कुमुद रंजन विश्वास, स्थ्त्यी अधीक्षक, वाणि- ज्यिक जानकारी एवं अंकसंकलन महानिदेशालय, कलकसा को, 15-8-86 से अगले तीन महीनों की अबधि हेतू यंत सारणीयन अधिकारी, (मशीन टेबुलेशन अफसर) के पद पर, सदर्य आधार पर बने रहने की अनुमति दी जाती है।

नियुक्ति की शर्ते पूर्ववत बनी रहेंगी।

एस० आर० सेनगुप्ता वरिष्ठ उपमहानिदेशक

#### वस्त्र मंद्रालय

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 28 अगस्त 1986

सं० 34/20/85-प्रशा० 1--राष्ट्रपति, द्धा० ज्योतिन्त्र जैन को 2000-125/-2-2250 रु० के वेतनमान में राष्ट्रीय हस्तिशिष्प एवं हथकरघा संग्रहालय, विकास आयुक्त (हस्त-शिष्प) कार्यालय में 1 जुलाई, 1986 से अगले आवेशों तक विरिष्ठ निदेशक के रूप में नियमित तौर पर नियुक्त करते हैं।

2 डा० जैन 1-7-1986 से एक वर्ष<sub>त</sub> की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगे ।

> प्रकीर कुमार दत्ता विकास अयुक्त (हस्तशिल्प)

उद्योग मंत्रालय
भौद्योगिक विकास विभाग
विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नर्द्र दिस्ली, विनांक 21 अगस्त 1986

सं० 12 (684)/86—प्रशा० (रा०) खण्ड-2--राष्ट्रपति, सहायक निदेशक ग्रेड-1 (सामान्य प्रशासन प्रभाग) श्री आर० आर० फौ दार की नियुक्ति, विकास आयुक्त (खु उद्योग) के कार्यालय में 6-8-1986 से उप निदेशक (साधान्य प्रशासन प्रभाग) के पद पर, अगले आदेश जारी होने तक है लिए करते हैं।

सी शसी शराय उप निदेशन (प्रशासन)

खाद्य ग्रोर नागरिक पूर्ति मझालय (नागरिक पूर्ति विभाग)

कःस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशलय नर्ष्ट दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1983

सं० ए-12023/1/84-स्था०---का० ए० गधवन को 25 जुलाई 1986 (पूर्वाह्म) से बनस्पति, वनस्पा सेल तथा वसा निदेशालय, खाद्य और नागरिक पूर्ति मतालय में अस्थायी नियमित आधार पर रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में निरीक्षक (वनस्पति) के पद पर अगले आदेश सक नियुक्त किया जाता है ।

के० एम० सा**ह**नी मुख्य निदेशक

## इस्पात भ्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 26 अगस्त 1986

सं० 587 9की/ए-32013 (एस० ग्रो०)/86/19ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भंडार अधीक्षक (तकनीकी), श्री दिलीप कुमार मुखर्जी को भंडार अधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 द० के वेतनमान के वेतन पर, अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 14-7-86 (पूर्वाह्म) से पदोक्षति पर नियुक्त कर रहे हैं।

#### दिनांक 28 अगस्त 1986

सं 5903बी/ए-19011 (1-ए० आर०)/85-19ए---राष्ट्रपति जी श्री ए० रमैया को, भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 700-40-900-द ० रो०-40-1100-50-1300 र० के न्यूनतम बेतन में, स्थाना-पन्न क्षमता में आगामी अदेश होने तक, 14-7-86 के पूर्वाहर से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 5918बी/ए-19011 (1-एस० के० पी०)/85-19ए--राष्ट्रपति जी श्री संजय कुमार पट्टनायक को भूबैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 ए० के न्यूनतम वेतनमान में, स्थानापन क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 2-7-86 के पूर्याह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 593 अवी/ए-19011 (1-वाई० जें० आर०)/84-19वी--भारतीम भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (बनिष्ठ) श्री वाई० ज्योतिंदर रेड्डी ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद का कार्यभार, 13-6-86 (श्रमराह्म) से त्यागपन्न पर छोड़ दिया ।

> अमित कुणारी निदेशक (सार्मिक)

#### भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलबन्ता-12, दिनांक 28 अगस्त 198

सं ० 30-53/85-स्था०/डा अमल फ्रुष्ण कर्मकर, तकनीकी सहायक, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, कलकत्ता को पूर्वी प्रावेशिक शाखा, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, शिलांग में २० 650— 1200 के वेतममान में, सहायक प्राणिविज्ञानी (समूह ख) के पद पर 31 जुलाई 1986 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश तक अस्थायी रूप में नियुक्त किया गया ।

> एस० आर० भट्टाचर्जी वरिष्ठ प्रणासनिक अधिकारी भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

## सूचना श्रौर प्रसारण संवालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-400 026, दिनांक 26 अगस्त 1986
सं० ए० 20012/14/75-ई-1--श्रीमती एस० पी०
साडलकर स्थामी सहायक अनुरक्षण अभियन्ता, फिल्म प्रभाग
बम्बई को ए० 650-30-740-35-810-ए० रो०~35880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेसनमान में
ए० 650 के मासिक वेतन पर दिनांक 14 अगस्त 1986 के
पूर्वाह्न संस्थानापन्न अनुरक्षण अभियन्ता के पद पर तद्दर्थ आधार
पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 28 अगस्त 1986

सं० ए-32014/1/86-प्रार० सी:०--विभागीय पदोन्निः सिमिति की संस्तुित पर, मुख्य निर्माता , फिल्म प्रभाग ने श्री एस० जी:० माने, स्थायीवत् सहायक केमरा मैन, फिल्म प्रभाग, बम्बई का विनाक 21-8-1986 के पूर्वाह्म से लेकर अगला आदेश होने तक रुपए 650-30-740-35-880-द० रोः- 40-960 के वेतनमान में रुपए 650/- प्रतिमाह के वेतन पर फिल्म प्रभाग, बम्बई में कैमरा मैन नियुक्त किया है ।

एन० एन० शर्मा प्रशासनिक अधिकारी **इस्ते मध्य**िनमिता

कृषि मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाव, दिनांक 25 अगस्त 198.6

सं० ए०-19023/2/86-प्र०- -- विभागीय पद्रोक्षिति समिति को सिफारिणों के प्राधार पर कृषि विपणन सलाहकार, भारत सन्कार ने श्री एस० सी० शाह, सहायक विपणन विकास अधिकारी को बम्बई में विपणन विकास अधिकारी (सी० एस० आर०) के पद पर 18-6-86 (पूर्वाह्म) से नियुक्त किया है।

विपणान विकास अधिकारी (सी० एस० आर०) के रूप में उनकी नियुक्ति की तिथि से वे 2 वर्ष के लिए परिवीक्षा अवधि पर रहेंगे । उनकी परिवीक्षा अवधि को सक्षमः प्राधिकारी के विवेक से बहाया जा सकता है।

> जै० कृष्णा निदेशक, प्रशासन **कृते** कृषि विपणन सलाहकार भार**त स**रकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग) संशोधन

·बम्बई--400085, दिनांक 7 अयस्त 1986

सं० पी० ए/81 (3)/85 आर--4---इस अनुसंधान केन्द्र की दिनांक 3 फरवरी : 1986 की समसंख्यक राजपत्न अधिस्वना में कम सं० 15 पद भंकित श्री के०के० शारंगपाणी की कैशानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० पद पर नियुक्ति की तिथि 2 अगस्त 1985 (पूर्वाह्म) पढी जाए ।

> सी० जी० सुकुमारन उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400 085, दिनांक 26 अगस्त 1986

सं० जी/578/डब्ल्यू० एम० डी०/स्था० 11/3524--- श्री माविला रामन गोपाल ने वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड (एस० दी०)पद का पदभार 31-7-86 अपराह्म को श्रीधवर्षिता होने पर छोड़ दिया ।

के० वेंकट कुष्णम उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना नरौरा, दिनांक 29 अगस्त 1986

% न० प० वि० प०/भर्ती/11 (6)/86/एस/14971—
अधिस्चना सं० न० प० वि० प०/प्रणा०/II (6)/86/एस०/
10859— दिनांक 29 जुलाई 1986 के द्वारा अधिःस्चितश्री भोजम प्रकाश की, तदये आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी
के पद पर की गयी नियुक्ति अगस्त 26, 1986 के अपराह्म से समाप्त की जाती है ।

> समीर .हुक्कू मुख्य प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाय-500762, दिनांक 9 अगस्त 1086

सं । ना ० हैं । स । का ० प्र ० प । | 0703 | 0527 — हः कार्यालय की अधिसूचन सं । ना ० ई० स । | का ० प्र ० प । | 0703 | 100, दिनांक मई ३४, 1986 के कम में सहायक लेखा अधिकारी श्री जें ० सू नारायण राव की रु० 840 — 40 — 1000 — द० रो० — 40 — 1200 के वेतनमान में स्थानापन्न लेखा आ कारी — II के रूप में कार्य आधार पर नियुक्ति को दिनांक 16 — 8 — 8 6 पर्यंत या आग मी आदेशों पर्यंत, इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, आग बढ़ाया गता है ।

#### दिनांक 23 अगस्त 1986

संव नाव ईव सव/काव प्रव भ/0703/1607— इस कार्यालय की अधिक्ष्मना संख्या : नाव ईव सव/काव प्रव भ/0703/1095, दिनांक 04, मई 1986 के क्रम में लेखा सहायक श्री पुव राव प्रभाकरन की रूपए 650—30—740—35—880—दव रोव—40—960 के वेसनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को दिनांक 22—11—1986 पर्यना अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्वचित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

गोपाल सिंह प्रबन्धक, कामिक व प्रशासन

## राजस्थान परमाणु बिजलीघर] अणुणक्ति,दिनांक 22 जुलाई 86

सं रापिबा | भर्ती | भर० 86 | स्यं | 121 — राजस्थान परमाणु बिजली घर के मुख्य अधीक्षक, इस बिजली घर के निम्न कर्मेणा- रियों को दिनांक एक फरवरी 1986 पूर्वाह्म से आगामी आदेश तक अस्थायी तौर पर वैज्ञानिक अधिकारी | भ्रेड "एस० बी०" पर पर स्वातापत्र रूप से नियुक्त | क्रूकरते हैं :---

वतमान पद	पदाजसपरानयुक्त किया गया
	<u>ه ک. و خشو استوالی استوالی ا</u> کرد
<b>वैज्ञा</b> मिक	वैज्ञानिक अधिकारी
सहायक (सी)	) ग्रेड "एस० की०"
,,	11
"	"
11	**
11	1)
"	n
n	n
	वैज्ञामिक सहायक (सी ) '' ''

हपरोक्त अधिकारियों ने वैज्ञानिक अधिकारी/ग्रेड "एस० बी॰" पद का कार्यभार दिनांक 1 फरवरी 1986 के पूर्वाह्न को संगल लिया है।

> एस० झयम्बकनाथ प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

## भारी पानी परियोणनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 25 अगस्त 1986

सं० 05012/भ2/भी० पी०—भारी पाली परियोजनाभी के प्रधान कार्यकारी, श्री एन० गंगाधरन नायां, सहायक कार्मिक अधिक री, भारी पानी संयंत्र (बड़ौदा) हो इसी संयंत्र में के अहे मेहता, अस तथा कल्याण अधिकारी जिन्हें पद स्याग

वेमे पर उत्पुक्त कर दिया गया था के स्थान पर 3 दिसम्बर 1985 (पूर्वा०) से 30 जनवरी 1986 (अप) तक के लिए स्थानापक श्रम तथा कल्याण अधिकारी नियुक्त करते हैं। श्रीमती के०पी० कल्याणीशुट्टी प्रशासन ग्रधिकारी

#### अन्तरिक्ष विभाग

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

तिरवनन्तपुरम-695022, दिनांक 13 अगस्त 1986

सं० वी० एस० एस० सी०/स्था०/एफ/1/(17)—नियंत्रक, वी० एस० एस० सी०, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र में श्री एम० श्रीनिवास शर्मा को पदोक्षति में सहायक क्षय अधिकारी के पद पर द० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960/- द० के वेतनमान में अगस्त, 4, 1986 के पूर्वाल से स्थानापन रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

कें जी नायर प्रशासन अधिकारी—II (स्था०) इन्ते नियंत्रक—थी० एस० एस० सी०

## विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 18 अगस्त 1986

सं० ए-38019/11/83-स्था० 1--भारत मांसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित सहायक मांसम विज्ञानी अपने नामो के सामने दी गयी तारीख को वार्धक्य आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए:--

ऋ० सं० नाम	निषुत्तन विनांक
सर्वेश्री	
1∙ ए० बी० सरकार	31-5-1986
2 ए० ए० पीरूमल	30-6-1986
3. एस० वी० <b>वैद्य</b>	30-6-1986

अर्जुन देव सहायक मौसम विज्ञान (राजपन्निः स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

#### नगर विमानन विभाग

निवेशक नागर विमानन सुरक्षा भौर पदेन अपर महानिवेशक नागर विमानन का नार्यालय नई विल्ली—110003, दिनांक 25 अगस्त 1986

सं० ती० ए० एस० 4/1/86—एच० क्यू०--- निदेशक नागर विमानन सुरक्षा एवं पदेन अपर महानि शक नागर विमानम निम्नलिखिस दो अधिकारियों को वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी

के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त करते हैं:				
नाम	कार्यारंभ तिथि	प्रतिनियुक्ति समाप्ति की तिथि		
सर्वेश्री के० एन० शर्मा कमाडेंट	8-8-86	7-8-89		
एत० के ० सक्सेना सहायक कमार्डेट	22-7-86	21-7-89		

इनकी पोस्टिंग दिल्ली स्थित नागर विमानन सुरक्षा मुख्यालय में की जाती हैं।

> द्वारका नाथ उपनिदेशक (प्रशासन)

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली; दिनांक 13 अगस्त 1986

सं० सी० ए० 31013/1/85-ई० डब्ल्यू०—राष्ट्रपति, श्रीपी० राजेन्द्रन, (इस समय राष्ट्रीय विमान पसन प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर) को दिनांक 9-12-84 से नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक (उपस्कर) के पद पर स्थायी क्षमता में नियुक्त करते हैं।

एम० **भट्टाचार्जी** उपनिवेशक, प्रशासन

## प्रकृष वार्षं दी एन पुरा : -----

भावभर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 7 भगस्त 1986

निर्वेश सं० डि॰ आर० नं॰ 1156/85—86——यतः मुझे, आर० भारदाण,

बारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसके इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-के के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विसका उचित वाधार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 1104, 1109, 1106 भौर 1111 है तथा जो पिलरने विलेज में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रार पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रदीन, दिनांक 20-1-86

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफक्ष से, एसे व्ययमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं बाँड बंतरक (बंतरकाँ) और अंतरिती (बंतरितियाँ) को बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्मामित्रक अव्ययम से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्क्रिक कन से क्रिक्ट नहीं किया गया है है—

- (क) अच्छएण के इन्द्रं किसी जान की बावसं, स्वयस्य अधिरियण के अधीय कार दोने के बन्तरक के दायित्व में किसी करने या उत्तवे बचने में सुविधा के किस्; और/बा
- (का) एती किसी माय या किसी भग वा अन्य आस्तियों का, जिन्हें जारतीय अस्य-अस्य अभिनियम, 19? (1922 का 11) का उपता अभिनियम, या भगकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिल्ह;

जतः जन, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण पें, की, अवस अभिनिधम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभीवृ:--- शिमती हीराबाई झार० भोबे श्री उदय आर० भोबे श्रीमती सुमन यू० भोबें नरूल बारडेज, गोबा

(अन्तरक)

2: मैसर्स कामत रियल इस्टेट एफ /1, इन्दिरा अपार्टमेंटस, कैंटीनो मलबु कर्क रोष, पणजी गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वीतव सञ्यक्ति के अर्थन के तियू कार्यवाहिकों करता हो।

उपत र्रापित की नर्जन के संबंध में कोई भी बाह्मप ह—

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनशि या तत्संबंधी व्यक्तियों पढ़ सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अचीच बाद के समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों के से सिक्षी व्यक्ति वृत्राक्त;
- (च) इस स्थान के समयन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिलक कियी कन्य व्यक्ति वृजारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्वर्धकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों बीए पदाँ का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, दही जर्थ होगा जो उस जध्याय में दिया गया है?

#### वनुसूची

(दस्तावेज सं० 806/85-86 तारीख 20-1-1986) प्रापर्टी नोन एज सनिषम सिचुएटिड एट पिलरने विलेज सब डिस्ट्रिक्ट हिल्स डिस्ट्रिक्ट आफ गोवा रिवेन्खु आफिस नं० 1104; 1109, 1106 घौर 1111 फाईल नं० 737 आफ 1952।

> आर० भारक्षाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 7-8-1986

प्रकल बार्ष ह टॉ<sub>ल</sub> पुन ह पुत्र हम------

भागकर नर्धितियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के स्थीन हुसना

#### भाउत बडकाड

## कार्यांचय , तहायच वायकर वायुक्त (निडांक्किक)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1986

निर्दोग सं० डि॰ आर०/1157/85-86/37 ई:—-यत: मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या 1104, 1109, 1106 ग्रौर 1111 है तथा जो पीलरने विलेज में स्थित हैं ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1986

का पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्नोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्यों से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री अईनुंटा झम्मुलि बोबो एण्ड श्रीमती नीराबाई वईनुंटाबोबो नेरल बारडेण, गोवा।

(अन्तरक )

 कामत रीयल इस्टेट एक 1, इन्दिरा अपार्टमेंटस केटीनों अलबु कर्क रोष्ट पणजी गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यनाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क्ष) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्छोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, जहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 807/85-86 तारीख 20-1-1986) प्रापर्टी नोन एज सानिलम सिचवेटेड एट पिलरने विलेज सब हिल्स डिस्ट्रिट आफ गोवा रिवेन्यु आफिस नं० 1101, 1109, 1106 और 1111 फाइल नं० 737 आफ

आर० भारद्वाज म**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

ता**रीख: 7-8-198**6

मोहर

प्ररूप बाह्", टी. एन. एस.-----

## बार्कड मरिपीय्यम्, 1961 (1961 का 43) की धाउर 269-क् र्री) के स्वीद स्वता

भारत सरकार

## कायमिय, सहायक नायकार भागृक्त (निर्द्रीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 अगस्त, 1986

निवण सं० राज/सहा आ अर्जन/2693:——यतः मुझे सूधीर चन्द्रा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परशास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र वाचार मृज्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो उदयपुर (तह० गिर्वा), में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूर्वा में भीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्भा अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4 दिसम्बर, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कान के सरवमान प्रतिकास को जिए अंतरित की गहें हैं जौर मुक्ते वह निश्वास करने का कारण हैं कि युधापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्त्र, उसके श्ववमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल के बन्द्रह्म प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरित्यों) को बीच एसे अन्तरक के लिए तथ पाया यया कस निन्तिक्ति उद्वोदय से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिकार में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई फिसी बाय की बाबत, उबक वीधिनवय से बधीन कर बीने के बन्तरक के वावित्य में कमी करने या उससे अवने में स्विधः के लिए; बौर/या
- (ख) एंसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनका आधीनसमा के सम-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

नतः नभः, उनतं विधिनियमं की धारा 269-ग के अमृतरण में, में उनते विधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीतः, निम्हतिशित व्यक्तियों, अर्थात् हु----  श्रीमती मधु बाई पत्नी स्व० अमृत लाल सूखवाल एवं नर्वदाशंकर पुन्न स्व० श्री श्रमृतलाल सुखवाल, श्रह्मपाल उदयपुर।

(अन्तरक)

2. आतन्द बोदिया पुत्र के० एल० बोदिया श्रीमती मीरा बोदिया पत्नी श्री अनन्द बोदिया श्रीमती उषा बोदिया पत्नी श्री पी० एस० बोदिया श्री गरवीत कुमार पुत्र श्री मदन लाल, श्री शान्ती लाल मणी पुत्र श्री सरदारमल एवं श्री चुन्नीलाल पुत्र श्री नेन चन्दन जी परवाल निवासी उदयपुर।

की यह स्थान आपी करने पूर्वीक्स सम्पत्ति थे वर्णन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

दक्त सम्मत्ति को कार्जन के संबंध में कीई भी नार्शय प्र--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिन या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की शबित, जो भी अविभ बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकातन की दारिक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबबुध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकीये।

श्वकाकि रणः - इसमं प्रयुक्त चल्वों और पदों का, को उक्त कांध-दिवस वी कथाय 20-क में पर्शिमाणित ही, वहीं वर्ष होगा, को उस क्थमाय में विवा गया ही।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 8 बीघा बिस्वा स्थित वह० गिर्वा जिला उदयपुर जो उप पंजियक उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 3393 दिनांक 3-12-85 पर पंजिबद्ध विकर पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 13-8-1986

## प्रथम वार्षः दीः प्रनः प्रवः ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत बड्रकार्

## कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं राज ० / सहा ० आ जंन / 2694 — श्रत: मुझें, सुधी र चन्दा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान न० 1464 है तथा जो जोहरी बाजार, जयपुर में स्थित है (भौर इससे उपाधन्न अनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दारीख 4-12-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मृत्य से कम के अवमान प्रतिकत के लिए अंतरित की कई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापृवांक्त तंपरित का अवित बाबार पूर्य, उसके क्यमान प्रतिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतर्क (बंतर्क) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतर्ज के सिए तय पाया प्रया प्रतिक कस निम्नसिवत उद्वेश्य से उक्त बंतरण निचित्त में बास्तविक रूप से क्थित नहीं क्रिया क्या है क्ष्म

- (कः) जन्तरथ से हुइ किसी नाम की बाबता, धनक अधिनियम में बचीन कर दोने के अन्तरक में यानित्य में कमी करने या स्टब्से न्यने में सुनिधा हरें थिए; बौर्ट/का
- (क) एसी किसी नाय वा किसी पण या जन्म जास्तियों की, जिन्हों आएसीय जाब-कर जिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अक्ष अव , उच्छ अधिनियम की भारा 269-न की अवृत्तरण कों , मीं , स्वत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन , निम्नलिकित व्यक्तिकों , आर्थात स्वक्त

(1) मन्दिर श्री जगदीशजी महाराज रामगढ़ (सीकर), राजस्थान चेरिटेंबल ट्रस्ट द्वारा श्री बालिकशन पोद्धार, मेनेजिंग ट्रस्टी।

(अन्तरक)

(2) श्री राधेश्याम अग्रवाल पुत्न स्व० श्री मालीराम अग्रवाल, एँ-65, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्चन, को किए कार्यवाहियां करता हूं 1/

वनत सम्मिट्टिंस के वर्जन ही संबंध के क्रोड़ शी बाह्मेंच क्र-

- (क) यह सूचना के त्याचन में प्रकार की तारीक हैं 45 विन की जनकि ना तरध्वन्यी व्यक्तियों प्रश्न सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, को भी वर्षा नवा में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाएं;
- (न) इस ब्यान के राज्यम में प्रकाशन की वारीस से 45 दिन के भौतु उक्त स्थानर स्थारित में हित्यम्थ स्थित नृत्य काक्ति स्वारा नभोहस्तास्त्री के शक्ष निर्धत में किए या स्कॉने।

स्थलाकरणः — इसमें प्रयुक्त पन्नों और पनों का, को सक्त विभीनयम दें बध्यान 20-क में परिभाषिण ही, वही अर्थ होगा, को उस अध्यान में दिवा गना ही।

#### अनुसूची

मकान न० 1464, परनानियों का रास्ता, जोहरी बाजार, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋ० सं० 3123 दिनांक 4-12-1985 पर पंजीबद्ध विऋय पक्ष में और विस्तृत कप से विवरणित है।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

सार्चि : 13-E-1986

मोहर

## মুক্ত কাৰ্ত্ত হাঁতি বুকত বুক্ত-স্থান্ত

## नानकर निधिनियम्,। 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-व (1) हो नधीन स्वता

#### हरक सहस्रार

## कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दनांक 13 अगस्त 1986 निर्देश सं० राज०/सहा०आ०अर्जन/2695——असः मुझे, सूथीर चन्द्रा,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मुख्य 100,000/- रा. से अधिक ही

म्रांर जिसकी मं० केलवा हाउस, उदयपुर र तथा जो उदयपुर में स्थित है (ग्रांर इसमें उपाबड़ अनुसूची में ग्रांर पूर्णस्प से विणित है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दयपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-12-1985

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का बंद्ध प्रतिकत से विभक्त है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरित (वंतरितियों) के बीच ऐसे वंतरण के लिए तय पास चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विविक्त में बास्तिक रूप से किंशित नहीं किया गया है हि—

- (क) ब्रह्मरण ते हुई किसी नाम की बावत्, उपव विधितियम के वधीन कह देने की बन्तदुष्क की बावित्य में कमी कहने ना उसके नजने में कृतिका को बिक्; बीड/मा
- (क) एसी फिसी जाय वा किसी धन या अन्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय जाय-कर जॉधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त जिम्हें नयम. या धन-कर जॉधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किस्त गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा जै लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत हिन्स

(1) श्रीमित वन्द्र कंवर पत्नि दौलत सिंह ठाकुर, केलवा हाउस, सरदारपुरा, उदयपुर।

(अन्सरक)

(2) मेसर्स एयर ट्रेड एण्ड दूरस प्रा० लि०, 18, न्यू मेरीन, लाईन्स, माकर भवन नं० 2, बम्बई-20 (अन्तरिती)

की वह सूचना चारी करने पूर्वीच्य चंप्रिय के वर्षन् के दिख्य कार्यवाहियां शुरू करता हुँ।

उक्त तुम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषांप है---

- (क) इस स्वान के रावपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की नविध, को भी मंबिए बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाहराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी बन्य स्थक्ति द्वारा संधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किस का सर्वेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

आवासीय मकान, केलवा हाउस, सरदारपुरा; उधयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा ऋम सं० 3427 दिनांक 7-12-85 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में ग्रीर विरतृत रूप से वर्णित है

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सज्ञायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

सारीख: 13-8-1986

## धार्म नाष्ट्री हो .पन .पन .-----

भायकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-ड (1) के मधीन स्वता

#### BIST BEST

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 अगस्त 1986 निदेश सं० राज०/सहा०आ०अर्जन/2696——अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) निसं इसमें इसके परचात् 'उनते निथिनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269-स के अथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर संपत्ति, जिसका उज्जित बाज़ार मृस्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हुँ

भौर जि. ति सं े प्लाट नं े 5, भिवमार्ग है तथा जो बनीपार्क, जयपुर में स्थित हैं (औं र इससे उपायद्ध प्रनुसूची में भार पूर्ण क्ष्म से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तिहित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कहने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से मिथक है और बन्तरक (बन्तरकों), और बन्त-रिती (बन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरक की प्राप्त तय वाया गुंचा प्रतिफल निम्निनिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिलित वे बारतिक क्य से कीवत नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण वं हुई किसी नाय की नावत उनक अभिनियम के बचीन कर दोने के बंतपुक की ग्रावित्य में कृषी कुड़ने ना बचले नजने में तुनिधा के तिक; अप्रि/शः
- (क्र) एति किसी नाय या निश्ती भन या नम्य नास्तियाँ का, जिन्हें आरतीय नायकर सिथिन्युम 1922 (1922 ना 11) या उनत अधिनियम, बा भनकर निश्तियम, बा भनकर निश्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया या या जिल्ला जाना चाहिए वा क्रियाने जी हरीवथा के निर्णः

अत: अब, उक्त जीभीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त जीधीनयम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् [——

- (1) श्री अरुण कुमार खंगटा पुत्र जगमोहनलाल खंगटा निव्यव्याड जिब्न्झुनझुनू, वर्तमान जयपुर स्थमं एवं बहैंसियत मुख्त्यार आम श्री जगमोहन खंगटा पुत्र बिलासरायजी खंगटा निव्, व्यगड, जिला-झुनझुनू। (अन्तरक)
- (2) श्री बालिकशन सोमानी, श्री द्वारकादास सोमानी, श्री मनमोहन सोमानी एवटश्री रामगोपालजी सोमानी तथा श्री बद्री नारायणजी सोमानी निवासी—सोमानी चुरूको का रास्ता, जयपुर ।

(अन्त रिताी

का यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के सूर्यन के निष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वान की तामील से 30 दिन की वविध , जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतन उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास कि वित्त में कि ए जा सकोंगे।

स्वय्यक्तिरण्ड-- इसमें प्रयुक्त सम्बर्ध और धर्यों का हा जो उससे अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभावित हैं, वहीं क्यें होगा को उस सध्याय में विधा गया है।

#### जनसूची:

प्लाट नं ० बी-5, शिव मार्ग, बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम० सं० 3089 दिनांक 2-12-1985 पर पंजीबद्ध विकय पक्ष में ग्रींग विस्तृत रूप से विवरणित है।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 13-8-1986

## प्रकष् बार्षः दीः एतः एक्टन-----

## बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-कु (1) के अधीन सूचना

#### सारत सरकार

## कार्यासक, तक्कायक भाषकर बाव्यतः (निर्शालक)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० राज०/सहा०आ० अर्जन/2697—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का आरुण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उन्तित बाजार मुख्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वीणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1985

की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के परयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तृविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जुलारण से हुइ किसी जाय की बाबत उपल अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिक में वायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अस्य ना किसी अन या बन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर नीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मा या धन-कर निर्मा की सिराम, या धन-कर निर्मा किसी प्राप्त की निर्मा या धन-कर निर्मा किसी प्राप्त प्रकट महीं किया यन भा या किसा जाना भाषिए का, किमाने में सुविका के सिरा;

वतः, नव, उक्त विधिनयमं की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्म्तालिखतं व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) निरंजन लाल आदित्य, हरिलाल आदित्य, केणव आदित्य, जनार्दन आदित्य, एवं सुन्दरलाल आदित्य, पुत्रान श्री गुलाब शमजी निवासी—9 ए, विवेकानान्द मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित कमलेश डंगायच पित्न हिरमोहन डंगायच, संदीप डंगायच एवं श्री अतुल डंगायच पुन्न हिरमोहन डंगायचिनवासी—चौड़ा रास्ता, जयपुर । (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित क्षे अर्थन में सिए कार्यगाहियां करता हुई ।

#### उक्त संपत्ति में बर्धन के संबंध में कोई भी ज अप ह---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो। के भीतर ध्वोंक्त क्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकर्ग।

स्पष्कितकाः — इसमें प्रयुक्त घट्टों और प्रदों का, जो उनस् कायकार जिल्ला के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया नया हैं।

#### भ्रन् सूची

ण्लाट नं० 2, गोबिन्द मार्ग, पुलिस मेमोरियरल के पास, जयपुर, जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋभ० सं० 3575 दिनांक 31-12-1985 पर पंजीबद्ध विऋष पक्ष में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज, जयपुर

तारीख: 14-8-1986

श्रारूप जा**ई .टी.एन.एास**् क सुरुक्त जुल्ला

आथकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/ए०आर०-3/ 12-85/ 379--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

क्योर जिसकी सं० डी-1/12 है तथा जा बसन्त बिहार, नई दिल्ली, में स्थित है (फ्रांर इससे उपाबद्ध अनुभूची में फ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजिन्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय र्राजस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाषार धून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक ह° और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित्त में वास्तविक रूप से कथित वसी कया गया है 🖫 🛶

- (क) जन्तरक से हुइ किसी बाय की बाबता, उक्त अधिनियम को अधान कर दोने के अन्तरक कं दायिश्य में कमी कर्ने या उत्तरी स्थने में स्विधः रुं लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आहिस्तर्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 जो 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुनिधा भी तिष्:

जतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को जनुसरव 👬, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

- (1) प्राजिन्द्र सिंह, निवासी-बी-146, गनेश ' नई दिल्ली-18, गुरदेव सिंह डक्ट्यू जैंड-54, संत नगर, नई दिल्ली । रुकवार्डन लीडर नरेन्द्र सिंह 7/2, न्यू प्राजेक्ट एयर फोर्स, स्टेशन, गोरखपुर। (अन्तरकः)
- श्री प्रीतम सिंह बी-1299, इंन्द्रा नगर लखनऊ । (2) चितरंजन कपूर और श्रीमती दीपा कपूर, 24, दी माल; दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उन्तः सम्मत्ति की बर्जन की संबंध में कोई भी बासपे हू---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की वविभ, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों गे।

स्पष्टीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त बर्धिर्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही दर्श होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है 😘

#### अनुसुची

डी-1/12, वसंत बिहार, नई दिल्ली-1100571 क्षेत्रफल 400 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारी**ख:** 14-8-1986

परूप बार्ष ु टी. एव. एव ् अन्तर्भाष्ट्रा

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुमना

#### भारत शरकार

नार्वावय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-3/ 12-85/2--अत: मुझे, प्रशोक कक्कड़

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंप्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मूख्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिमकी सं० I-16, है तथा जो महारानी बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाना गया प्रतिफल, निम्नतिविद्य उच्चेश्य से उच्च अन्तरण कि किया गया है मि

- (क) अस्तरण संहूदं किसी आय की शवत, तक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के लिए;

खल अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरक कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारः (1) के अधीन, निम्न[संविद्य, व्यक्तियाँ], वर्षात् क्---

- (1) अजय प्रताप सिंह, 28, कैनिंग लैन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) पुष्पा गुजराल, 16, फिरोज गांधी रोड, लाजपत-नगर, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को अह तुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाधीप ८---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की वंशी या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वंशी, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां व्यक्तियां से किसी व्यक्तियां व्यक्तियां से किसी व्यक्तियां व्यक्तियां से किसी व्यक्तियां व्यक्तियां से किसी व्यक्तियां से किसी व्यक्तियां व्यक्तियां से किसी व्यक्तियां व्यक्तियां से किसी व्यक्तियां व्यक्तियां से किसी किसी व्यक्तियां से किसी विक्तियां से किसी किसी विक्तियां से किसी
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रनुसूची

1-16, महारानी बाग, नई दिल्ली (पुराना डी-30), 500 वर्ग गर्ज, लीज होल्ड।

अणोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अप्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

सारीख: 12-8-1986

## प्रकप बाई है द्वि प्रकृ एक व्यवस्थान

## नावकर वरिपीनवस्त 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ए (1) के क्पीन सुप्रता

#### FIZE SPAIN

## काबीसय , सहायक शायकर शायकत (निर्देशिक)

अर्जन रेंज, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-3/ 1-86/2ए--- अतः मर्झे, अशोक कक्कड,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उनत विधिनियम' कहा पया हैं), की धारा 269-श के वधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पर्दत, विद्युका सजित वाचार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बी-21, एन्०डी०एस० ई०, भाग-2 है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसुची में श्रीर पूर्ण-रूप वर्णित है), रिल्ज्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजर्ड्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1986

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयं मान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष्ट् तय पाया ज्या अदिकास, जिल्लासिय उद्योग से उस्त बन्दरण निर्मित में बास्तिक रूप से कांचित वहाँ किना गया है —

- (क) नंतरण भी हुई जिसी जान की धानत<sub>ा</sub> छन्छ निधित्वम् के संधीन कर दोने को नंतरक के वायित्य में कभी कहने ना सम्बंधे बजने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (क) इसी किसी बाब वा किसी वन वा बन्य कारितारी का, जिन्हों भारतीय बायकाड अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त विधिनयम, या धन-कार विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना जाहिए था, डिज्याने में सुविधा के लिए;

बस्तः जब, स्वतः क्विनियमं की भारा 269-मं में स्तृतरम् वो, वो, अस्त वीभीनयमं की भारा 269-स की स्पभारा (1) में मार्थन, निक्तिसियां क्वियमों, वर्षाः स्थान 3—246 GI/86 (1) अशोक भुमार अहुणा सूपुत भगवान दास प्रहुणा, निवासी बी-21, साउच एक्सटेंशन, भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सुनीता कटारिया पहिन राम चन्द कटारिया, निवासी --वी-46, साउथ एक्सटेंशन, भाग-2, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्वाग बारी करके पूर्वोक्त सम्मृतिस् के वृत्रीम् के जिए कार्यवाहियां करता धूर्वः।

उन्ह बुव्यस्ति में बर्जन के बव्यस्थ में कोई थीं बाह्येय 🖦

- (क) हुड सुमा के राजपण में प्रकाशन की हारींच के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी भूवित वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय स्वादः
- (क) इस स्वना में एकप्त में प्रकाशन की तार्लीय से 45 दिन के भीत्र उनत स्थावर सम्पत्ति में दितनकृष्ट किसी बन्न व्यक्ति इवारा, नभोइस्ताकरी के नाव निवित में किसे का सकेंचे ।

रनव्यक्तिरभ हे— इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त जीवतिन्दा, को जभ्याय 20-क में पहिरक्षाविस हैं⊘ नहीं जर्म होना को उस जभ्याय में विना नवा हैं॥

## वन्स्ची

प्रापर्टी नं० बी-21, तादादी 250 वर्गगज, साउथ एक्स-टेंशन, भाग-2, फी होल्ड प्रापर्टी बनी हुई है।

> अशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2; नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1986

प्ररूप माई.टी.एन.एस.-==---

आयकर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्मृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायकत (निरोक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

निवेश सं० आई० ए० सी/एक्यू०/2/एस-आए०-3/ 1-86/3—अत: मुझे, अशोक कवकड़,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें गरकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भौर जिसकी सं० डी-6, केटगरी नं० 1, भ्रुप बी, कार्सिदी कालोनी,
है तथा जो नई दिल्ली में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूची में
भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार कृष्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध——

- (1) श्री कें पि भिन्ना, सुपुत्र डा० आई० टी० मिन्ना, श्रीर भिसेज कमला मिन्ना पत्नि कें पी० मिन्ना, निवासी—बी-77, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। (अम्सरक)
- (2) ए० आई० सी० (प्लास्टिक) प्रा० लि०, बी-30, मायापुरी, फेंस-I, नई दिल्ली द्वारा कायरेक्टर आणा जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्यं किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

प्रापर्टी नं ० डी--6, केटगिरी 1, ग्रुप बी, शादादी 800 वर्ग गण कालिदी कालोनी, नई दिल्ली, फी-होल्ड ।

> अभोक कक्कड़, सक्षम अधिकारी, सहायक् आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अ अर्जन रेंग-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखा : 12-8-1986

## क्ष्म कार्यक स्थित प्रस्का एक क्रमन्तराज्य

## भाषणाड निधिनियम ् 1961 (1961 का 43) की पाद्धा 269≈ग (1) जो नाभीय सुक्रमा

#### RIER SERVE

## कार्याचय, बद्दावक मायकार मायुक्त (विक्र**ाधक)**

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रगस्त 1986 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एयू०/2/एक्स० श्रार-3/2-86/3ए---ग्रतः मुझे, श्रशोक कक्कड़,

हातकार विधिष्यंत, 1961 (1961 का 43) रिष्यं इसके इसके पश्चातः 'उन्त वृधिनियंत' कहा गया हैं), की भारा 269-व के विधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विश्वक उत्तित वाचार मूक्य 1,00000/-रू. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं० सी-69, है तथा जो साउथ एक्सटेंशन-2, नई दिल्जो में स्थित है (भीर इससे उपाबद श्रनुसूची में शौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1998 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1986

की पृत्रों के संपत्ति के समित वाजार मुख्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गृह

है और मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से पूसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे बंत-एण को निए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से दक्त बंतरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया क्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के स्थान केंद्र दाने के बन्तरुक के दावित्य में कनी करने ना उससे नवने में सुनिया है जिए; बीड/सा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय सामकर निंपनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निंपनियम, सा धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना वाहिए वा, कियाने में नुविधा ने जिए।

नतः वन, उनत विभिनियम की भारा 269-न से बनुसर्भ में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीग, निन्निविधित स्थानतर्यों। वर्षात् करू (1) श्री जी० एस० बानवालकर सुपुत्र एस० ए० बानवालकर निवासी--सी-69, साउथ एक्सटेन्शन, भाग-2, नई दिस्ली ।

(अन्सरक)

(2) बगरोदिया मशीनरी प्रा० लिमिटेड ई० डी०-81 टैगोर गार्डन, नई विल्ली द्वारा डायरेक्टर नन्द किशोर बगरोदिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के वर्षन के किंदू कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पन्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोड़ भी साझेद ए----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जगींच वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो और जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिश व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का सकेंगे।

स्वाकिरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदी का, जो अक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

#### अन्स्ची

निगल स्ोरी बिल्डिंग सं० मी-69, गाउथ एक्षप्रदेशत-2, नई दिल्ली प्राट सादादी 482.2 वर्ग गण फीहे हेल्ड।

> श्रमोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त अयुक्त (केरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-8-1986

## मका सम्बद्धाः स्वर्थः स्वर

आधकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की नाम 269-न (1) में नगीन क्वा

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्द्धाक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई धिल्ली
नई धिल्ली, दिनांक 12 अगस्त, 1986
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०2/37ईई/3-86/4ग्रतः मुझे, श्रशोक कक्कड़,
आयकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की बारा

कायकर आवानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की बारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- छ. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० सं० आयकर है तथा जो बांगलों नं० 39 है, है तथा जो रिंग रोड, लाजपत नगर 3 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई विल्ली में भारतीय रिजर ट्रें, वरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्थ 1986, को पूर्वोंकत कम्मृतित के उचित बाबार मृत्य से कम के अवमान प्रतिपत के विषय अस्तरित को गई है और मुक्के यह विक्वाल करने का कारण है कि अथापूर्वोंकत सम्मित का उचित बाबार मृत्य के कर्ममान प्रतिपत का विषय वापार मृत्य के अवमान प्रतिपत का वापार मृत्य के क्यमान प्रतिपत का वापार मृत्य है किया मार्थ है कि अथापूर्वोंकत सम्मित का उचित वापार मृत्य के क्यमान प्रतिपत्न का वापार मृत्य का म

- (क)) मन्तरण से हुए जिसी नाग भी, बलहा, जनह वीर्यानयम् से अधीन कर वोचे के अन्तरक के सन्दिक्त में कनी करने ना उन्हों नक्षणे के सुविधा के जिहा और/पा
- (क) होती फिली थाय वा किली थाय वा काम वाकिसी की किली भारतीय धानकर निर्मानकने 1922 (1922 का 11) वा उच्छा विधित्यन वा भय-नर बहैधनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरियी कुनारा प्रकट नः∏िकमा प्रया भा वा किया जाना लाहिए था, कुनाने ने सुनिधा की कुना

नतः वन, उनतं निनियन की भारा 269-मं के अनुस्तरम हो, न', उनतं विभिनियन की भारा 269-मं 'डी उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री निरंजन सिंह सुपुत्र जयसिंह एण्ड जनरल एटोरनी मिसिज केंगर कोर लोकल द्वारा मेहताब सिंह सुपुत्र भगत जसवन्त सिंह निवासी—23, पार्क एरिया, करोल बाग, नर्ड दिल्ली ।
- (ग्रन्तरक)
  (2) जे ० एस० फ रनिशिष प्रा० लिमि० पूसा रोड, नई
  दिल्ली द्वारा डायरेक्टर मिसेस लिलता खंडेवालान
  परनी जगदीश खंडेलवालान 2 मधु खंडेवालान
  परनी सुभाष खण्डेवालान
  निवासी—12/11, वीक करोलबाग,
  नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अन्तर्भ के जिल्ला कार्यवाहियां करवा हुं।

तमत सन्पत्ति के सर्वन के सञ्चन्य में कोई भी वालेप ए---

- (क) इस मुचना के राज्यक में प्रकाशन की सारीक है 45 दिन की अविधिया संस्थिती व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्थित, जो नी स्थित में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त स्थितवा में सिक्षी कथित हुनाया;
- (व) इसस्याम के राज्यम में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवपूर्व किसी कन्य व्यक्ति इयारा वभोद्दस्ताक्षरी के शंच सिक्षित में किए वा सकांगे।

स्पन्नविकरण है— इसमें प्रयुक्त सुन्दों कीर पूर्वों का, जो सनस नौधीनयुम, को सभ्याय 20-क में पिकाविक हैं, नहीं सुन्दें होता जो सस सुभ्याय में विका स्वाही है

## **अनुसू**ची

बांग्लों नं 39, रिग रोड, लाजपत नगर-3, नई विस्ली नादादी 800 वर्ग गज 1 ढाई स्टोरी बिल्डिंग, लीज होल

> भ्रमोक **संक्रह** सं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजम रेंज-2, नई दिल्ली

बारी**ख**: 12-8-1986

## शक्त वार्ष्य <u>र्थाः प्रव</u>ास

## नार्का विभिन्निम्, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म् (1) के मुपीन सूचना

#### 124 1243

## कार्यांचय , सहायक भारकर नागुक्त (निरक्षिण)

श्रजन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-86/4ए--अतः मुझे, अशोक कक्कड़,

भागकर निर्मित्तम्, 1981 (1981 का 43) (विश्वे इस्ते इस्ते प्रमात् 'उन्ते निर्मित्तम्' कहा नवा है), को भाक् 269-व के नपीन स्थान प्राधिकारों को वह निर्मास करने का भारत है कि स्थानर सम्परित, विश्वक स्वितः वाकार नृज्य 1,00,000/- रा. से निर्मित है

श्रीर जिसकी सं० प्रापर्टी सं० 10, है सथा जो ब्लाक ई, साउथ एक्सटेंशन, मार्किट में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूव रूप से विणत है), श्रायकर श्रधिकारी के कार्यालय भाग-2 नई दिल्ली श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली में भारतीय नियम 1961 के श्रधीन दिनांक मार्च 1986,

को पूर्वोक्त सम्मित को उप्तित बाजार मूक्य से कम से कम प्रथमान भारतफल को जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्मित्त के उण्जित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्युह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों), और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गमा प्रतिफल निम्मिसित उज्देश्य से उक्त अंतरण कि बित में श्वतिक इप से कृषित वहीं किया गया है

- ्रिक्ष्मी स्वाह्यम् से हार्षः निकार्षः ताम को वानवाः। काव वित्रित्वतः के स्वीषः काञ्च योगे के स्वाह्यकः के वादित्व को काणी काउने का व्यव्ये काणे के स्वीपना वे (तपः) सीडि/वा
- (व) पूंची किसी बाय या किसी थन मा बन्य बास्तियां का, विन्हें भारतीय बाद-कर ब्रांधित्यम्, 1922 (1922 का 11), वा उन्तर ब्रांधित्यम्, वा बन्-कर ब्रांधित्यम्, वा बन्-कर ब्रांधित्यम्, वा बन्-कर ब्रांधित्यम्, वा बन्-कर ब्रांधित्यम्, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ बंदरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया खावा खाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण ग, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्योक्तियों, अर्थात् ः---

- (1) श्री के० के० भटला (एच० यू० एफ०) द्वारा दीपक भटला सुपुत्र केवल कृष्ण भटला निवासी---एम-20, लाजपत नगर-3, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कैलाश रानी परनी आई० सी० खुरानी निवासी--56, गोल्फ लिक नई दिफली: (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्जन के नियु कार्वनाहियां करता हूं ।

जनत सम्मरित के नर्जन के सम्मन्य में कोई भी नामांच ह—

- (क) रह त्या के राज्यन में प्रकारन की शारील कें
  45 दिन की जनिथ या तत्संत्री व्यक्तियों यह
  सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, को भी
  मृत्यि वाद में समान्य होती हो, के भी बुद पूर्वोक्य
  व्यक्तियों में से किसी क्वित ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीबा के 45 दिन के भीतर उच्त स्थानर संपत्ति में [हुदबब्ध किसी वस्य व्यक्ति ब्यारा नपोहस्ताक्षर] के पाड़ विविद्य में [किए वा सुकेंगे।]

स्त्रष्टितयमः प्रयुक्त कव्यों वृष्टि पर्यों का, जो उक्त कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा वा उस कंच्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

प्रापर्टी मं० 10, ब्लाक है, सादादी 250 वर्ग एक साउथ एक्सटेंशन मार्किट भाग-2, नई दिल्ली । एक्सटेंशन की होल्ड ।

> ग्रशोः कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-8-1986

मोहर 🗯

## THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T

भागकर विभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-द (1) भी विभीन सुन्तवा

#### STATE AND DESIGNATION OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IN COLUMN TO PERSON NAMED IN COLUMN TO P

## कार्यांतव, सहायक नामकर नायुक्त (निहाँकर्ण) श्रर्थान रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 ग्रगस्त 1986

नायकर मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें इसमें प्रथात् 'उन्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स में नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चात कर्ने का कारन हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित् वाकार मूल्य 1,00,000/- रा. से मधिक हैं

भीर जिसकी सं० ई-23, है तथा जो पंचशील पार्क, नई दिल्ली-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूव रूप से विजत है), श्रायकर श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में स्थित है के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्मस्ति के उपित बाजार मृश्य से कम के क्यमान शित्रकत के लिए मन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मृश्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्ममान प्रतिफल का पण्ड प्रतिकात से अधिक है और मन्तरक (अंतरकों) और जन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के किए तब सना ब्या प्रति-क्ष्म विक्रितिष्ठ क्ष्मदेश्य से स्था बुन्दरण विविद्ध में वास्त्रिक क्ष्म से क्षित्र वहाँ क्षिता क्या है क्र

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- ्क) एसी किसी आय या किसी धन ता अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, श्रिंपाने में सुविधा को निष्

वत अव , उस्त अर्थिनियम की भारा 269-ण भी अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधास (1) के क्षीर, निम्नतिथित अस्तिवाँ⊒ अपाँठ 8---

- (1) श्री सुभाष बयला कर्ता

  मेसर्स सुभाष बयला एच० यू० एफ० मीर आन
  बिहाफ श्रीमती सुषमा बयला जनरल एटोरनी एम०
  एल० गाबा, ई-23, पंचगील पार्क, नई दिल्ली ।
  (मन्तरक)
- (2) श्री श्याम सुन्दर झुनझुनवाला श्रोर विद्धावती झुनझुनवाला । 17, हालीवुड, रोड, हांगकांग । वर्तमान पता 6, पृथ्वीराजरोड, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

स्त वह दूसना बाडी कड़ने पूस्तित दश्तित से नूर्यन से ज़िल् कार्यवाहियां करता हुं।

## उन्द राम्पित् में नुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत् ---

- '(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में दित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयन के अध्याय 20-क में परिभाविश हु<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अपूर्वी

प्लाट म० ई-23, पंचशील पार्क, नई दिल्ली । क्षेत्रफल 311 वर्ष गण ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम आधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) श्रजेंन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 14--8--1986

## दक्त मार्च छ स्ति प्रस्त प्रस्त क व सकत

## बान्बल व्रिनेत्वन त 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन बुक्ता

#### FIRST CYCLE

## कार्यां जय , सहायक भागचर भागुमत (जिंदीक्षण) अर्जेन रेंजं-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/ 1/37 ईई/ 1-86/2564-अतः मुझें, आर० पी० राजेश,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त अभिनियम कहा नवा हों), को कार्य 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका जिस्त नाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

स्रीर जिसकी सं० है तथा जो स्पेश मं० 3 छटवां खण्ड ब्लाक ई, नेहरू पलैस में स्थित है (धार इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनाक जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मृभ्ने यह विक्लास करने का कारण है कि यथापृषींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बात्यस विकासिक उद्देश्य से क्या क्यांस्य विशिष्ट में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा देश क्रिं/वा
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जावकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अन्तर जिथिनियम, वा धृष्-कु अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जी प्रजोजनार्थ जन्दिरती व्वास् प्रकट नहीं किया चवा था था किया जाना जाहिद था, जियाने वें ज्यिया के जिए;

(1) नेहरू पलैस होटलस लिमि० इरोस सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंगन, नई दिल्ली—14

(अन्तरक)

(2) श्री गगन खोसला सुपुत्र सुरिन्दर पाल खोसला सिविल लाइंस, मुरादाश्राद ।

(अन्सरिती)

को सह ब्रुवना वारी करके नुवस्ति। ब्रुव्सिन के श्रवन के हिन्द कार्यनाहिनों करना होता)

## उन्त बुन्नीस के भूपन के सम्बन्ध में कार्य भी बाबोद हु---

- (क) इस व्यक्त के राज्यभ में अक्तान की तारील के 45 दिन की नविश्व ना तत्त्रस्वन्त्री व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की नविश्व, जो भी जबिंग नाद में समाध्य होती हो, के भीतार पूर्वों नच स्थितियों में से किसी स्थित द्वास;
- (क) इस भूकता के राजपन में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी सम्य व्यक्तित क्ष्माचा कभोहरतासदी के प्रध लिखित में किए जा सकेगें।

स्थळीकारण हिन्स के अध्यास 20 को प्राप्त के अध्यास 20 को परिभाषित हैं । अही अर्थ होना जी उस सम्यास में दिशा गया है।

## अनुसूची

स्पेश सं० 3 छटवां खण्ड ब्लाक ई, होटल कम कर्माशयल कम्पलैक्स, नेहरू पलैस, नई दिल्ली । क्षेत्रफल 810 वर्ग फीट ।

> आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-8-86

मोइर :

नतः वन उस्त अधिनियन की भाष 269-ग से सम्बद्ध मो, मी, अस्त स्थितियम् की भाष 269-म की उपभाष (1) से स्थीन, निम्नईनियस स्थिति, प्रमण द—

## 

#### नारव सरकार

## कार्यावय, तहायक वायकर वायुक्त (विरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-86/ 2565—अतः प्रक्ते आर० पी० राजेश,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के विभी तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- © से विभिक्त है

भीर जिसकी सं० स्पेश सं० 1, है तथा जो छटवां खण्ड ब्लाक ई, होटल कम कमिश्रयल काम्पलेक्स, नेहरू पलेस, में स्थित हैं (भीरोइससे उपाधद अनुसुची में पूर्व रूपमसे विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्षा अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, के अधीन दिनांक, 1961 जनवरी 1986.

को प्रवेकित सम्पत्ति को उचित बाबार मून्य से कम को स्वयमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्वेच्य से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिक क्य से कथित नहीं किया नया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के बंतरक को शांदिरण के कमी करने या उससे अभने में स्टुनिधा को सिद्द; बांद्र/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

बाह्य जन , उस्त विभिन्निम की भारा 269-ग के बनुसरण  $\mathbf{a}_{\mathcal{B}}$  जैन्द्र जनत की भिन्निम की भारा 269-म की अपभारा (1) के बचीन , निम्निलिकित व्यक्तियों , अर्थात् :—

(1) नेहरू पर्लंस होटल्स लिमिटेड । इरोस सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मिस भवाना खोसला माइनर सूपुत्र केवल कृष्ण खोसला सिविल लाइन्स, मुरादाबाद ।

(अन्तरिकी)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 विन की जविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीत प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यासः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीक से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

श्यक्तीकरणः ----इसमें प्रयुक्त ज्ञक्यों जीर पर्यों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

स्पेश सं० 1 छटवां खण्ड ब्लाक ई, लगभग क्षेत्र 810 वर्गं फीट होटस्स कम कमिशयल काम्पलैक्स, नेहरू पलैस, नई दिल्ली ।

> आर० पी० राजेंग [सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,दिल्ली, नर्श दिल्ली-110002

दिनांक : 14-8-1986

## शरूप सार्<sup>र</sup>्टी. एनः एस<sub>ल</sub> -----

जायकार जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुभारा

#### ALL CAMP

## कार्यासय, सहायक मायकर आयुक्त (निर्काण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

নির্গি **मं**० সাহিতি দৃৎ मিতি/দৃষ্যুত/1/37ईई/1—86/ 2581——अत: **मूले**, आर्णपी० गजेश,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' फहा गया हैं), की भाय 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का करणे हैं कि स्थानर तम्पीरत, जिन्ना उचित बाबार भूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं० स्पेश सं० 2, छटवां खण्ड ब्लाक ई, है तथा जो ने ३ रूपलेस में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंजि 1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जनवरी 1986,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरम निविद्य में बान्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के खंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- ्क, एसी कियो नाय मा धन मा जन्य शास्तियाँ करो, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनिकास, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियस, या धनकार अधिनियस, 1957 (1957 का 27). के श्रोचनार्थ अन्तिरिती व्यासा प्रकट नशी किया नवा भाषा किया बाना वाहिए था, किवानो धी

 (1) नेहस्य पलेस होटल्य लिमि०
 इरोस निनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेणन, नर्ष दिल्ला ।

(अन्तरकः)

(2) स्टालर्बत एक्सपोर्ट प्रा० लिमि० 12 ई, बन्दना 11, टालस्टाय मार्गे, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षोप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की छनिष, को भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रथा का, जो उक्त विधानियम, से बच्याम 20-का में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस कच्याम में दिया गया है

#### अनुस्धी

स्पेश नं ० 2, छटवां खण्ड, ब्लाक ई, होटल्स कम कमण्यिल काम्पलेक्स, नेहरू पलेस, नई दिल्ली । क्षेत्रफल लगभग 1222 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-8-1986

#### क्ष्मण्डलका स्वयत् सम्बद्धान्तः व्यान्यका स्वयत् वया स्वयत् स्वयत् स्वयत् । स्वयत् स्वयत् स्वयत् स्वयत् स्वयत् प्रदेशकृषार्षः स्वति । एतः पृष्ठाः वन्त्रचनस्य स्वयत् ।

## नायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 14 अगस्त 1986 निदेश सं० अ।ई० ए० सी०/एक्यू०/1/37/ईई1-86 2582—अत: मझे, अगर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित शाकार मृस्व  $1,00,\bar{0}0\bar{0}$ /- रह. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० स्पेण मं० 4, है नथा जो छटवां खण्ड ज्लाक ई, नेहरू प्लेस, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाधद अनुमुखी में पूर्व रूप से विणित्त हैं), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्ज न रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जनवरी 1986.

को पूर्वोक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को बश्यभान प्रतिफन को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार अक्य, उसके बेश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफन का अन्तर प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को निए तब पाया गया प्रतिफन, निम्नसिचित स्व्योध्य से उच्त अन्तरण किश्मिन में बास्तोबक रूप से कवित नहीं किया गया है कुन

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विभा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तिक्षें को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए;

(1) नेहरू पलेस होटल्स लिमि०। इरोस मिनेमा बिल्डिंग जंगपुरा एक्सटेशन नद्र दिल्ली:

(अन्तरक)

(2) विवेक खोसला सुपुत्र राजिन्दर पाल खोसला एम-4, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली । (अन्धरिती)

क्षों यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के पिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उन्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सकेंगे।

स्पाक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँर पदों का, वा उपते अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, शही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा वया हाँ।

#### अनुष्ची

स्पेश सं० 4, छटवा खण्ड ब्लाक ई, होटल कम कमशियल काम्पलेशम, नेहरू पलेश, नई दिल्ली लगभग 810 वर्ग फ़ीट

> आर० पी० राजेंश हुँसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1-दिल्ली, नई दिल्ली-110002

जल: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अंगुतरण थें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की जंगभारा (1) के अधीत, जिम्लिकित व्यक्तियों, अर्थात ■—

दिनांक : 14-8-1986

प्र<del>क्</del>ष बाह्यं डी, पुन*ु* पुरु<u>द्ध-----</u>

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-प (1) के नभीन सुख्या

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 श्रगस्त, 1986

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु० 1/37/ईई1-86/607—प्रतः मुझे प्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं प्रीर जितकी सं० तं० तिमा खण्ड ब्लाक ई, नेहरू पलेस में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विषति हैं) प्रायकर श्रिधकारी के कार्यालय अर्जन रेंग-1,नई विल्लो में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1986 को प्रांवत सम्पत्ति के जिल्ला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम के दश्यमान प्रतिरूत के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण हैं कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति क उचित वाजार

प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा

क लिए; और/या

मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का

पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अंतरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुद्धरण में, मैं., अक्त अधिनियम की भारा 269-म क्री उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिश्वित व्यक्तियों, स्थात् हम्म

- गंहर पलेस होटल्स लिमि॰ इरोस सिनैमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंगन, नई दिल्ली ।
  - (अन्तरक)
- (2) मिसेस सुधा श्रम्रवाल पत्नी वी० के० श्रम्रवाल, 403, भ्रामावीप, 9 हेली इरो, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना पारी करके पूर्वों ता सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्द सम्पृतित् के वर्षन के सम्बन्ध में करेड़ें भी बाक्षेत्र ---

- (क) इस व्याग के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से विक्ती व्यक्ति धुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिसित में किये का सकेंगे

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

स्पेस नं० 2, तिसरा खण्ड, ब्लाक ई क्षेत्रफ़ल 1038 वर्ग फ़ीट, होटल्स कम कर्माशियल काम्पलेक्स, नेहर पलेस नई दिल्ली।

> ग्नार० पी० राजेम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-1, दिल्ली, नई दिल्ली

विनांक: 14-8-1986

प्रकृष कार्यः **टी** , एक् <u>.</u> एक <u>.</u> भारतान

बायकर वॉभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के विभीन सुवना

#### भारत बहुक्ह

कार्यानय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

प्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 प्रगस्त 1986

निर्देश नं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/37ईई/1-86/ 2609--श्रतः मुझे ग्रार०पी० राजेश,

कायकर निभिनियम्, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसमें इसमें प्रकात् 'उक्त निभिनियम', कहा गया है, की भाषा 269-ध के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० स्पेस सं० 3 है तथा जो सांतवां बलाक ई, नेहरू प्लेस में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनु-सूची म श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीयकर श्रीधकारी के कार्यालय श्राचन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्राधकर श्रीध-नियम के अधीन तारीय जनवरी, 1986

को प्रवेक्त स्टमान के उम्रित बाजार मून्य से कम के स्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि विद्या गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि विद्या में कार्या कार्य

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी मान को बाबत उक्त अधि-निषम के सभीन कर दोनें को अन्तरक को दासित्य में कमी करने या उत्तते वचने में सुविधा को क्षिए; अटि√वा
- (वा) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 र्1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अनिस्ती द्वारा प्रकार नहा थिएका गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में. सूविधा वी किया;

वतः अवः, उक्त वर्षिनियम की धारा 269-ग को वस्तरक कें, में उक्त वर्षिनियम को धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) नेहर प्लेस होटल्स लिमि० इरोस सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन, न**र्ट** दिल्ली ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री बलराज सिंह हसन सिंह श्रौर श्रनफोड सिंह , सुपुत्र श्री एस० एस० हरदर्शन सिंह, बी-162, ईस्ट श्राफ केलाण, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का सह स्थान जारी करके प्रशेवत सम्मत्ति के वर्णन के ह कार्यवाहियां गुरू करता हु।

उक्त सम्पन्ति को सर्पत को सम्बन्ध में कार्य भी आक्षेप :---

- (क) इत सूत्रना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की नविभ या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की वसिभ, को भी नविभ शद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसा व्यक्ति ब्रांश;
- (क) इस सूचना को राज्यव में प्रकाशन को तारीच अ 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुनारा अभेड्रशाक्षरी अ पास लिखन मा फिए श सकान ।

स्थव्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्य अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं सूर्य होता उत स्थ्याय में विकः गया है।

#### नन्स्ची

स्पेस नं० 3, सातवां खण्ड, ब्लाक ई, क्षेत्रफल 1066 वर्ग फोट, होटल्म कम कर्माणयल काम्पलैक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> गार० पी० राजेश भक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजे-1, नई दिल्ली

दिनांक : 14-8-1986

प्ररूप बाह्य, टी., एत्., एर , ५----

मायकर निपितियसः, 1961 (1961 का 43) की अपरा 269-अ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

## कार्याक्ष्, सहायक बायकर बाबुक्त (विद्रक्षिक)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०-/1/37ईई/1-86/ 2612--श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेण

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन तकाय प्रीधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसक तं विल्ती से बी-14 है तथा जो देवकी टावर, 6 तहर प्लेन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनु- पुचा में श्रीर पूर्ण रूप से विल्ती है) श्रायकर श्रीधकारी के वार्यालय प्रजीत रेंग-1, नई दिल्लों में श्रायकर श्रीधिनयम के अधीन; तारीख जनवरी 1986

की पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान द्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्क यह दिश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार पून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल के एंद्रह प्रतिक्षत से बिक्क है और अंतरिकी और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम याया गया प्रतिक्त कल निक्कि विद्या प्रयोग के विद्या से उक्त बंतरण कि ध्रिक्ष में वास्तिवक रूप में किथा नहीं किया नवा है के

- (क) अन्वरण में हुइ किशी जाम की वावत, उक्त मधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरकः के ब्रायित्य में कमी करने वा उससे बचने में भूविधा के लिए; बौर/वा
- (क) एसी किसी बाय या विज्ञा धन या अन्य कास्तिया को, जिन्हों भारतीय बाय-कर लिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनल अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया असा असा का किया असा असा असा किया की स्थान के स्वार्थ

भवः सन, उपत सींगीयम की पादा 269-म के अनुबहुण हो, भा, उपत सींपनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के संधीतः, निम्नलिकित व्यक्तियों क सर्वात् ह— (1) मैसर्स प्रगति कंसट्रक्शन कम्पनी देखिका टावर, चौथा खण्ड, शीवला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रगति कंसद्भशत कं० प्रगति टावर, चीथा खण्ड, शीतला हाउस, 73-74 नेहरू प्लेम, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को मह स्थाना जारी करके पृथींक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच स् 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यिक्सयों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवड व्यविस्तर्यों में ने किसी क्यिक्स द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वाश अप्रोहस्ताक्षरी के करा निश्चित में किए का सकेंगे।

ाध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया

## अनुसूची

फ्लैंट नं० बी-1 से बी-14 तक देविका टावर, 6, नेहरु फ्लेम, नई दिल्ली ।

श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 14-8-1986

प्रक्ष मार्डी, टी, एव , एव . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### नारत सरकार

## कार्याचय, बहारक नामक र नायुक्त (निर्याजन)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1→86/ 2618--म्रतः मुझे म्रार०पी० राजेश

वानकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें इसमें परवास् 'उक्त किथिनियम' कहा नवा हैं), की वारा 263-क के ज्योन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विश्वका उविश्व वाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकसं० 901 है तथा जो देविका टावर 6, नेहर पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर मे विणित है) ग्रायकर गधिकारी के कार्यालय ग्रजन रेंग-1, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधितयम 1908 (1908 (1909 का 16) के ग्रधीन नारीख जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शृतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वधापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के समूह प्रतिशत से बिधक है बार बन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तम हारा गरा प्रतिफल, विम्नलिखित उच्चेश्य से उच्च अन्तरण किसित में बास्तियक कुप से किश्यन नहीं किशा गया है:---

- (क) वंदरण वे हुई कियी नाम की नामत्, उनस् विधिनियम के बंधीन कर दोने के नन्तरक के शामित्य में कमी ऋदुने या उनसे बड़ने में बृतिया के सिए; बहि/बा
- (च) एती किसी नाम या किसी भन या नन्य नास्तियों की जिन्हें भारतीय नामका निविद्यानियमः, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियमः, या भन-कर निधिनियमः, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ नम्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाता चाहिए था, कियाने में समिका से लिए:

कतः अस, अवत वीयीनवस्य की भारा 269-न से वस्तरण मो, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निरामितिक व्यक्तिकों, वयति :—

- (1) प्रगति कन्सट्रक्शन कम्पनी चौथा खण्ड, शीतला हाउस, (देविका टावर) 73-74, नेहरु पलेस, नई दिल्ली । (ग्रन्सरक)
- (2) श्रोमदन लाल टुकराल एण्ड मिसेस इंद् टूकराल, एस-121, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली। (ग्रन्सरिती)

को यह त्याना पारी करकी पूर्वोक्त सम्मृत्ति को अर्थन को जिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### क्ष क्य बंधनित के बर्बन के बंबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीज से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, वो भी क्षणि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मेश हितजब्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अभोहस्ताक्री के पास सिचित में किए जा सकति।

स्यक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, को उपन विभिन्तिम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होया औं उस अध्याय में दिया वया हैं.!

#### वर्ष्या

फ्लैट नं० 901, देविका टावर, 6, नेहरु प्लैस, नई विल्ली।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्चायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली

विनांक: 14-8-1986

प्रकृप काइ .टी.एन.एस. -----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन मुकता

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 ग्रगस्त, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी/एक्य,०/1/37ईई/1~86/ 2641—अतः मुझे, आर० पी राजेश

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य १,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1506 है तथा जो 38, नेहरुपलेंस, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद ग्रतुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणित हैं) ग्रांगकर ग्रिधकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नर्ष दिस्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी, 1986

को प्रेमित सम्परित के उचित बाजार बृत्य से कम के द्रवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास मारते जा कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार प्रत्ये, उसके द्रवसान प्रतिफल से एसे द्रवसान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिरित्यें के बीच के एसे अन्तरम के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय .की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्य में कभी करने या उत्तरों बच्च में साकिया के लिए; बार / बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्व अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चारिए था, किया में स्विका वैश्विष्

जतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थातः :--

(1) अरंसल प्रोपट्रीज एण्ड इडस्ड्रीज प्रा० लि० 115, अरंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग नई दिल्ली।

(फ्रन्नरक)

(2) ऋक्षव कृमाण, 9, ए.स. विश्वा अपार्टमेंटस, 3. शंकराचार्य मार्ग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

का वह सूचना बादी करके पृथांक्त मंपरित की अजन क किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के कर्चन के संबंध में कोई भी बाक्रेय:--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्वान की तामील से 30 दिन की वविधा, को और अविधा नांद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेशन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (श) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्तिः में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के शक्त निश्ति में किए जा सकारी।

स्वत्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वाँ का, जो उन्स विभिन्नयम के बध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्जैट नं० 1506, 38, नेहरू पलैस, नई दिल्ली क्षे**त्रफ**ल 592 वर्ग मीटर ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 14-8-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्रत (निरक्षिण)  $\pi$ जान रें3-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 ध्रगस्त, 1986

निदेश सं० भाई-2/37ईई/28203/85-86--म्ब्रत म् हो, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 53 है तथा जो स्वर्ना बिल्डि 👣 मान्ताऋत, (प), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायक ग्रानुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करा**ररामा** श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम श्राध-कारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 9-12-1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का यंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में मृथिधा के लिए:

मत: अव, उन्तर बॉभिनियम, कौ धारा 269-म को सन्सरक गें, में, उन्तर बिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— ्या भीता कावेरी कारपीरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीलंबान कृष्णन ।

(ग्रन्निंग्ती)

कां यह सूचना जारों करके पृत्रीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उन्स्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध के काहि भी बाक्षेत्र 👉 ~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्दाकरणः — इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदौँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

फ्लैंट नं० 53, जो पांचवी मंजिल, स्वर्ना बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं० 378 से 381, चेपल लेन, मान्ताकुंज (प), बम्बई 400054 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा की क्रम स० ग्र $\mathbf{\hat{z}}-2/37\mathbf{\hat{z}}\mathbf{\hat{z}}/28203/85-86$  ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर शायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 11-8-1986

## प्रारूप आहुर्.टी.एन.एस्.======

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/28454/85-86-म्प्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- र. स आधक हैं

प्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 62 नमता अपार्टमेंट, खार, बम्बई
52 में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) प्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16-12-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 5---246 G/86

(1) श्री गो**बिन्द तंदीराम मृखभौ**र श्रीमती सल्टी० **सी**गल ।

(ग्रसरक)

(2) श्रीमती श्यामला कुंमार हर्वे।

(श्रन्तरिती)

की यह बुक्त बार्टी करने पूर्वीक्य बुक्तीरक के मुर्जद से जिल्ह कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीच से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्सूची

फ्लंट नं० 62, जो छठवी मंजिल, नम्रता म्रपार्टमेंट,प्लाट नं० 470,सोलावा रोड , खार,बम्बई 400052 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि फ्रेंम सं० ग्राप्ट-2/37ईई/28454/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-12-1985 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिका**री** [सहायक घ्रायकर द्यायुक्त (नि**रीक्षण)** ध्रजीन रेंज−2**, बम्ब**ई

दिनांक : 11-8-1986

प्ररूप मार्ड .टी . एन . एस . -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां स्य , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 भगस्त, 1986

निवेशः सं धर्म-2/37ईई/28660/85-86--धतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैटस स्वर्ना 2, सान्ताकुज, (प), बम्बई -54 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं) भीर जिसका करारनामा श्रायकर भिविनयम की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रीधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 23-12-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचिर बाजार मूल्य से कम के इश्यमार प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उव्योध्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्य विधानयम, या धन-कर विधानयम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निकृतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मसर्सं कावेरी कारपोरेशन।

(ब्रन्सरक)

(2) श्री घनस्याम रामचंद मछीजा, श्रीमती घनस्याम मखीजा शीर श्री रामचद बौलतराम मखीजा।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बस प्रची

तल मंजिल श्रीर पहली मंजिल पर फ्लैंटस, जो स्वर्मा 2, चपल लेन, साम्ताऋुज, (4), बम्बई-400054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं0ग्रई-2/37ईई/28660-85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन <sup>लेज</sup>-2 वस्बई

विनोक: 11-8-1986,

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरुक्तिण)

अर्जन रेंज 2, धम्बाई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्ता 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/28791/85-86-अत: मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अभिनिवन, 1961 (1961 का 43) है किये इसने इसने इसने विवाद (उपन विभिन्ध के बाद दिन), की धाक 269-क् के बचीन सक्षम प्रतिभक्तारी को यह विवयस करने का बारन है कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्का उपने बाजार क्रूब्स 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० व्लाट नं० 722/2, बारहवां रोड खार, बम्बई में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत हैं) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, खा के अधीन बम्बई स्थित सझम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, शारीखा 26-12-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाचार व्यूच्च से कम् के क्याजात वित्रका के सिए वंतरित की गई है और नुष्ठे वह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त कंप्यत्ति का उचित वाचार नृस्य उसके क्रथमान प्रतिकत्त से, इसे क्रवजान प्रतिकत्त का वन्त्रह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्धरिती (अन्तरित्रियों) के बीच एसे अन्तरम के लिए तब् पावा नया प्रतिकत्त , निस्तिविव उत्देव से बन्त बन्तरम जिविव से बास्तविक रूप से क्रिक्ट महीं निष्या वसा है क्र

- (क) बन्तुरुक् से हुई किसी बाय की बावत, अक्स ब्रिशित्व्य के ब्रिशिय कहा बोचे के बन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (थ) देशी किसी बाव या किसी धन वा बंग्व वास्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, बा प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नाहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, शिपाने में सुविधा वी हिस्प;

कतः अकः, अकः। विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण पं में. बक्त व्यधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री मोहनदास टी आहूजा और ्अर्जनदास टी० आहुजा।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स महेश बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस त्यान के रायपण में प्रकाशण की दार्थीय से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचवा की संस्थीत से 30 पिन की वर्णीय, की की क्यीय कार में स्वाप्त होती हों, से बीक्टर पूर्वीका व्यक्तियों में से विकास व्यक्तिया कुलाव;
- (व) इक स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए जा सकोंगे।

श्रृष्टिक क्रम र --- इसमें प्रस्पत कर्मा और वर्षा का, जो अपत श्रीभीनवर्ष, के सभाव 20-क वे परिभावित ही, नहुरै वर्ष होगा को उस अध्यास में दिवा गमा है।

#### अन्सुची

जमीन का हिस्सा जिसका प्याटनं० 722/2, टी०पी० एस० 3, सी०टी० एस० नं० ई-407, बारहवां रोड, खार बम्बई हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० %ई-2/37ईई/2879।/ 85-86 फ्राँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-12-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण भाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख** : 11-8-1986

मोहर ३

## बहुष बाहु<sup>\*</sup>्र हो<sub>डि</sub> पुन<sub>ा</sub> पुन्<sub>रव</sub>्यानन

श्रावक्त मधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के बुधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्याजन,, तहायक वायकार वायकत (विक्रीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त; 1986

निर्वेस सं० अई-2/37ईई/28256/85-86-अत: मुझे, लक्ष्मण दास

नावकर निभिन्यम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके प्रचात् 'सकत् निभिन्यम' कहा प्या है), की बारा 269-कृ के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काउन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाबाह मृल्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

मीर जिसकी सं० सर्वे नं० 11-ए, सी० टी० एस० नं० 213, मंधेरी (पु०), बम्बई में स्थित हैं (मीर इससे उपाबद अनुसूची में मीर पूर्ण रूप संविषत हैं) मीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, कारीख 12-12-1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिचत से विश्व है और अंतरक (बंहरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल मिम्मलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कश्य नहीं किया गया है :--

- क्षिश्रण से हुई किसी बाद की बावत, उनस अवितियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कसी करने या उससे ब्राने में सुविधा में निए; और/वा
- (क) एसी किसी अब या किसी पन या जन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिजियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिजियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंग्रीरित ब्वारा वृक्ट नहुं किया न्या या वा किया जाना आहिए जा, क्यिन में सुविका में स्विका में सुविका में स्वितः

ब्राप्त करा, उक्त विधिनियन की पास 269-मृ में वन्तरण वें में , वक्त विधिनियम की भारा 269-म की स्पधारा (1) वें भरीम्, निम्मिनिकट क्रियस्थों मुस्टिक क्रम्म

- (1) मैसर्स काकड हाउसिंग कारपोरेशन । (अन्तरक)
- (2) रसीला नवीनचन्द्र जसवा ग्रौर परेश नवीनचन्द्र जसवा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां सूक करता हुं 1.

उनका सम्माति को मर्जन को संबंध में कोई भी नाओप ध--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की बर्बीं या तत्संबंधी स्थानस्यों पूस सूत्र्या की तानील से 30 दिन की ब्रांडीं, जो भी बर्बीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स स्थानत्यों में से किसी स्थानत द्वारा;
- '(च)' इस सूचमा के राजपन में प्रकाशन की तारीच ने 45 बिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी औ पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

रचव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्योका, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौत वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया भया हैं.

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 11-ए, हिस्सा नं० 3, प्लाट नं० 11-6, सी. टी० एस० नं० 213, गुंडवली विलेंज श्रंधरी (पु), बम्बई है।

अनुसूची ौंसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/28256/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1985 की रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 11-8-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ण (1) के अधीन सुणना

#### भारत सरकार

#### कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1986

निदेश सं० अई--2/37ईई/28455/85-86--अतः मुझे, लक्ष्मण वास

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं प्लैट नं 61, नम्प्रता अपार्टमेंट, खार, बम्बई में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिशस्ट्री है, तारीख 16-12-1985

को पूर्वोक्स संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए जतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार शृक्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल का दृश्य प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निस्तिविक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिश्वित में बास्तिक रूप से क्षिट नहीं किया गया है ■

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणेजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिका के सिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री महेश गोबिन्द मुखी।

(अन्तरक)

(2) श्री कुमार आर० हर्वे।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संवत्ति को अर्जन के सिए कार्यवाहिया क<u>र</u>ता हूं।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धन् सूची

फ्लैंट नं० 61, जो छठवी मंजिल, नम्प्रता अपार्टमेंट, प्लाट नं० 470, सोलवा रोड खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं श्रई-2/37ईई/23455/ 85-86 थ्रीए जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नि निक्षण) अर्जन रेंज-2 धम्बर्ड

दिनांक : 11-3-1986

#### प्रचम अंबर् हो . एन . एन ुनवानकारका

# वानकर लिपिनवन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के नभीन भूचना

#### शहर रहना

## कार्यानय, बहारक नायकर नायुक्त (निर्मानक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/28884/85-86---अत: मुझें, लक्ष्मण दास

नायकर गीभिनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके कर्माए जिन्दा जीभिनयम' कहा गमा हाँ), की भाषा 269-च के नभीन समाम प्राप्तिकारी को यह विकास करने का कारण हाँ कि स्थानप्त सम्बद्धित विश्वका शिक्षित वाचार मूख्य 1,00,600/- का वे माँभिक हाँ

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 17, रीट्रीट सोसायटी सान्ताकुंज (प), बम्बई 54 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारब नामा भायकर भिर्धानयम 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 27-12-1985

- ्रिक्ष् क्लारण हो हुए। क्रिक्ष नाम की वाक्ष्<sub>त्र</sub> क्रम्ब अधिरिक्ष के वधीन कार दोने के क्लाइक की दावित्य में क्ली क्लाने मा स्वत्ने म्लाने में लुनिया के विद्यु; बीच/वा
- (को एची फिसी नाव वा किसी धन का शान्य नारिसवीं को, धिन्दी भारतीय नायकर निध नयन, 1922 (1922 को 11) या उक्त निधिनिया, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 को 27) ने प्रवोधनार्थ बनाडिसी ब्लाब प्रकट नहीं किया परा था वा किया ग्राह्म शाहिए था, जिनाने में ब्रिविश में बिक्;

(1) श्री असानंद शद्राम मेंकर ग्रीर श्रीमती गोपीबाई असानन्द मेंकर।

(अन्तरक)

(2) श्री नटवरशाल गोकुलदास बयीया भौर श्रीमती आशा बयीया।

(अन्तरिती)

को यह क्षमा आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यगाहिनां कुक करता हुई क्षो

क्ष्मद ब्रम्मति में अर्थन में बंबंध में कोई भी वार्धय ट्रन्स

- (क) इस चुनना को राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जनिथ वा तस्त्रम्यप्थी म्यक्तियों पड़ चुनना की हामीस से 30 दिन की जनिथ, यो भी अविथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में है किसी म्यक्ति ब्याय;
- (व) इस स्वता के समयन में प्रकारन की तारीय के 45 विष के बीत्र उनत स्थापर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति प्यारा, न्याहस्ताकरी के वाद विश्वित में किए वा त्केंगे।

स्पष्टिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस अधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाष्ठि ही, वही अर्थ होगा को उस सध्याव में दिवा बना ही।

## मयुक्ती

पलैट नं० 17, जो रीट्रीट, को श्रीप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सारस्वत कालोनी, अनूसूया रोड, सान्ताकुंज (प), बस्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची नैसा कि कम सं अई-2/37ईई/23884/85-86 प्राँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

विनांक : 11-8-1986

कार्यवाहियां करता है।

प्ररूप नार्षं दी युन् एस \_-----

(1) लिखताबीन जे० पटेल।

(अन्तरक)

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत स्रकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, घम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/9342/85-86--अत: मुझे, निसार अहमद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शक्यात् 'उक्त अधिनियंम' कहा गया है"), की धारा 2.69-ख के अभीन प्रक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है श्रौर जिन्नकी सं० फ्लैट सं० 63, जो, छठी मंजिल, मोना लिसा बोमणजी पेटीट रोड, बम्बई-36 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में फ्रीरपूर्ण रूप से बणित है),/फ्रीरजिसकाकरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम नाधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक

को पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धश्यमान प्रतिकल हे लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देषस्य ते उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (4) जंतरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के फ्रिए; भौर/या
- (६) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः भव, उक्त अधिनियम की भाख 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त मिर्गियम की भारा 269-व की उपभारा (1) 🖷 वभीक्ः। निम्नसिक्ति व्यक्तियाँ, वर्शात् 🚐

(अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिख्

(2) श्री क्ष्मितिलाल की० महा भौर भुरीबेंन की० महा।

उनत संपत्ति के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्वनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अविभा, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र की प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट सं० 63, जो, 6ठी मंजिल, मोनालिसा, बोमणजी पेटीट रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-1/37-ईई/8815/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30--12--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> निसार अहमद सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, ब**म्बई**

दिनांक : 31-7-1986

मोहरू 🖈

इस्य बाह् , टी., एन., एड., वर------

नाधकंड विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन वृषका

#### HISH WIND

## कार्यान्यः बहारक जानकात प्रापृत्व (निर्द्यानका)

मर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बद्ध, दिनांक 14 अगस्त 1986

निवेश सं॰ अई-1/37-ईई/9058/85-86---अतः मु **झें,** निसार अ**ह**मद,

नायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किभिनयम' कहा गया हैं), की कारा 269-च के जधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्यास करने का कारण है । अ स्थावर स्ट्यिस, विश्वका उचित्र वाचार नृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कमरा सं० 9, जो, पहली मंजिल, धरम पेलेस, एन० एस० पाटकर मार्ग, बम्बई-7 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रोधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, विमांक 4-12-1985,

को प्रोंक्त सम्मित के जिया बाजार नृत्य से कन के क्यामान श्रीपफल के लिए जन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह निश्वास सारने का कारण है कि नजापूर्वोंक्त सम्मित का उचित बाजार म्या, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से जीभक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितमों) के बीच एसे अंवरण के सिए तय पाया बना प्रतिफल का निम्निसित्त स्पूर्वस्य से सकत कन्तरण किंतिका में बाकाविक कम में क्रिया बही किया पना है है——

- (क) बन्दरण से हुई भिन्नी जान की बावद<sub>ी</sub> उक्त श्रीपित्दल के बनीन कहा दोने के बंदहक की दाक्तिय में कभी कहने वा उन्हों वचने में द्विमा क तिहा; श्रोद/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, चिन्हीं भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या चय-कर जीवीनवर्ग, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिसी इवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा जी विद्य;

अक्षः जब, उस्त जीधीनवन की भाष 269-व की जम्तरण में, में, उस्त अधिनियम की भाष 269-व की उपभाष (1) के व्यक्षित, निम्नसिवित व्यक्तियों, जभीत्:— (1) श्री निपून एन० मेहता श्रीरश्री एन० सूरणमल मेहता ।

(अन्तरकः)

(2) मेसर्स निपून इण्टरनेशनल ।

(अन्तरिती)

कर वह दक्षना आही कड़के पूर्वोक्त सन्तरित के नर्जन के जिल्ल कार्यनाहियों कुक करता हुई।

उनक सम्मलि को अर्थन भी सम्बन्ध में काही भी माझेनु :---

- (क) इस त्वना के राजपन में प्रकारक की सारींच थे 45 दिन की व्यक्ति या संस्कृतियों व्यक्तियों दर सूचना की तासील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति कुछ में स्वाच्य होती हो, के भीत्र पूर्वोंक्त व्यक्तिकों में है श्विती व्यक्ति हुवास;
- (व) इस सुमना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावृद सम्पत्ति में हित-बृद्ध किसी व्यक्तिय ब्नारा, न्योहस्ताकरी के पाक सिचित में किए वा सकेंगी।

स्वक्यक्रिकरण: --इसमें प्रयुक्त कर्कों बहुर पर्दों का, जो सम्बद्ध विधिनयमं के कथ्याय 20-क में परिभावित है, वहाँ वर्ष होगा, जो उस कथ्याय बें विध्य नेबा हैं!

#### अनुसूची

कमरा सं० 9; जो, पहली मंजिल; घरम पेशेस, एन० एस० पाटकर मार्ग, बम्बई-7 में स्थित है '

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8540/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अध्वई द्वारा दिनांक 4-12-1985 को रजिस्टर्फ किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंण-1, बम्बई

दिनांक : 14-8-1986

#### प्रकृष जा<u>हौ, टौ. एन. एस., -------</u>---

# भाषकार भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### नारत सरकार

## कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्दोक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/9221/85-86--अतः मुझें, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रांर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 51, जो, 5वी मंजिल, ए-1 अपार्ट-मेंट्स, 270, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है (श्रांर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से धींणत है )/श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम , 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, धिनांक 19-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकश के लिए अन्तिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्मिरित का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान इतिकल से, एसे क्रयमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्कित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

(1) श्री किरीट सी० मेहता, श्री योगेश सी० मेहता श्रीर श्री सुरेश सी० मेहता।

(अन्तरक)

(2) पी० एम० हाटेलम् लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

(३) अन्तरको

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेदिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूक्ष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पळीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्स्ची

फ्लट सं० 51अ जो, 5वो मंजिल, ए~1 अपार्टमेंटस्, 270, बालकेश्वर रोड; बम्ब६~6 में स्थित हैं ।

अन्भूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8701/85-86 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बग्बई द्वारा दिनांक 19-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 4-8-1986

मोहर 🗈

#### प्ररूप् आईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-1/37—ईई/9285/85-86—अतः मुक्ते, निसार अहमद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गरभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि एशावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका विस्तार 4369 1/9 कौरस यार्ड हैं। जो, सयानी रोड (प्रभादेवी), जिसका सी० एस० सं० 1171, लोगर परेल डिविजन, बम्बई में स्थित हैं (शौर इससे उपाबद अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), शौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 20-12-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मृल्य से कम के हरयमान प्रिष्ठिक के लिए अंसरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृल्थ, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्नाह प्रविद्यात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रसिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्यीयक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- ्क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं ाकरण गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कराः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग वे अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मोहमद उस्मान हाजी हसन अहमद बसार, हाजी गुलामरसूल हाजी हसन ग्रहमद बसार, श्रौर मोहम्मद उमर हाजी हसन ग्रहमद बसार (अन्तरक)
- (2) श्री अमीरअली आर० जाफर ।

(अन्तरिती)

(3) भाडूत ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मर्क्त के कर्नन के शिक्त कार्यनाहियां करता हूं।

बन्द सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी मानोप हु---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिस् की जनिंभू या तरहम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविभि, को भी सविभ नाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पन्तियों में से किसी स्पनित् बुनारा;
- (क) श्रक्ष सूचना के राजपत्र मों प्रकाशक को तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी बृन्धु व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताकृरी के पाई भिवित मों किए का स्कॉर्च।

## अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका विस्तार 4369 1/9 चौरस यार्ड हैं। जो, सयानी रोड (प्रभादेवी) श्रौर जिसका सी० एस० नं० 1171, लोअर परेल डिविजन, बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि कं कं कई-1/37-ईई/8763/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1985 की रिजस्टिं किया गया है।

> निसार अहमः मक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंजे–1, बस्बई

दिनांक: 13-8-1986

## use and a sta second

## नारकार गणिनयमः: 1961 (1961 का 43) की प्रका 269-स (1) में मुर्चेग सुध्या

#### TISH ESTAIN

## आर्थानम्, रहानक नामभुद्ध नायुक्त (विद्वीलक)

अर्जन रोज-2, बम्बर्स बम्बर्स, दिनांक 11 अगस्त 1986

निदंश सं. अर्ह-2/37र्हर्द/28179/85/86.--लक्ष्मण दास,

नायकर न्यिनियम, 1961 (1961 का 43) जिंहे दस्यों इसके प्रवाद 'उनता निर्मित्तम' कहा ग्या है, की पाछ 269-च को सभीन समाम प्राधिकारी को यह निर्मास करने का कारण है कि स्थान्द स्थालिए, जिल्हा अधिक नाया मून्यं 1,00,000/-सः से सिधक है

और जिसकी सं. सवें नं. 14, सीटी सवें नं. 1216 (पार्ट) मंधेरी (प०) बम्बई 61 में स्थित है (मीर इसमें उपाबद अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से विणित है), म्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क. ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 9-12-1985, कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिहत से अधिक है को वृद्धिक संपर्दित की गई है और अन्तर से अधिक है को वृद्धिक संपर्दित की गई है और मुक्ते यह विकास मिल्ल से जिस्स संपर्दित की गई है और मुक्ते यह विकास है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितयों) के उद्देश्य से उक्स मन्दुण विचित्त में बास्तिबक रूप से क्रीयत नहीं किया गया है है-

- (क) जन्तरण वे हुई किवी शाव की वावषा, उपक वीपनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाविष्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; ब्रोट्र/वा
- हैंक) इन्हें किसी नान ना किसी भन ना नत्य नास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आव-कड़ विवृत्तिकन, 1922 हैं1922 का 11) ना चन्छ विश्तिकन, ना नृत-कट विभिन्निका, 1957 (1957 का 27) के क्रवोचनार्थ नन्दरिती बुनारा प्रकट नहीं किसा नवा भा वा किसा बाना शाहिए कड़ा किसाने में सुविधा के जिन्हा

बतः श्रवः, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन्। निम्नसिधित व्यक्तियों, अभीत् क्रिक्त

- (1) मेसर्स अड़नानी एण्ड जोगानी एसोसिएट्स । (अन्तरक
- (2) नरींदर गुण्ता ।

(मन्तरिती)

की वह अपना जारी करको पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन औ विश्व कार्यवाहियां करका हुई।।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नानेष् :---

- (क) इस धूजना में राजपण में प्रकाशन की तारीक है, 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ठ कूजना की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी जनभि नाह में समाप्त होती हो, के मीत्र पृत्रों कहा क्षित्रमों में से किसी व्यक्ति वृत्राह्य;
- (क) इस स्थान के शक्यन में प्रकाशन की वादीक से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर स्थावर स्थावर में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रिकरणः---मुख्य प्रमुक्त क्ष्मां श्रीह वर्षों का, वो क्षम् अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष क्षेत्रा, वो उद व्याय में दिवा प्रक हाँ।

#### वन्सू भी

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे मं० 14, हिस्सा न० 2/1 (पार्ट), सी० टी० सर्वे नं० 1216 (पार्ट), वसींवा, ग्रंधेरी (प), बस्बई-400061 है।

अनुसूची जैसा कि कर सं० अई-2/37-ईई/28179/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 9-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सुक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बाई

दिनांक: 11-8-1986

मोहरः

## वस्त मार्च की इस्त हर्मकारक

## नावक्ष्ट निप्तियम् । 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-ऋ (1) वे न्योत वृक्षा

## क्षावांत्रम् । हाहानुक कामकार जायुक्त (निर्द्राक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निवेश सं० अई-2/37ईई/28197/85-86--अत: मुझें, लक्ष्मण दास,

नायकर निर्मातियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निर्मितयम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के संभीन सक्तम प्राधिकारी के वह निश्चाक कर्षे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 82, सी० टी० एस० नं० 1073, वर्सीना, ग्रंघेरी (प), बम्बई-61 में स्थित हैं (भौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है,) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 269 कख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 9-12-1985,

को पूर्वोक्त कर्मात के जीवत बाबाह ब्रंब से क्रम के क्ष्यवाय प्रतिफल के सिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का करण है कि स्थाप्योक्त संपत्ति का उपकत बाजार मून्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पल्चह प्रतिकत से गाँधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे क्ष्तपूण के सिए तम पासा गया प्रक्रिक, निक्निमिवत उप्योक्त से उक्त क्ष्तरण सिवित में बास्तिक क्ष से कृषित नहीं क्षिता ग्या है है—

- (क) क्लाइन वे हुई किथी बाव की सवत उपत वीक्ट्रिक्त के नधीर कर देवें के बलाइक के खिरान में क्ष्मी करने वा बचने बलने में खिया के बिए; धीर/या
- (क) देशी किसी नान ना किसी पन ना करू बास्तिनी को, जिन्हें भारतीन बावकड विधिनयम, 1922 (1922 का 11) ना उनत विधिनयम, ना धन-कर विधिनयम 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ ब्याहिस बुनारा प्रकट नहीं किया बना ना ना किया बाना वाहिस था, क्रियार में बुविधा में क्रिहा;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, शक्त वृधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चूं कथीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, कर्षांतु डू—--

- (1) श्रीमती लक्ष्मीबाई सुकर कोली मंगेला । (अन्तरक)
- (2) इलाही बिल्डर्स । (अन्तरिती)

को यह स्वाना जारों करके पूर्वानिक सम्पर्टित के अर्थन के जिल्ह कार्यनाहियां शुरू करता हुई क्र

वनक बुन्दिए के बुर्वन के बन्दन्य में कोई भी नाजेंद ६---

- [काई इस्त सुन्ता के उपस्था की मुक्तनम् की वाहीन है 48 दिन की व्यक्ति या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इत स्थान के राजपन में प्रकायन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मति में हित-बद्ध किसी जन्म न्यक्ति द्वारा, वशोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्थळकीकरण ह— इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, जो उक्त वाँभिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस सध्याय में दिसा गया हैं।

#### अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 82, सी० टी० एस० नं० 1073, वर्सोवा, जय प्रकाश नारायण रोड; श्रंधेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37-ईई/28197/ 85-86 भीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेज-2, बम्बई

दिनांक : 11-8-1986

## RETO RIE D IN TO STOCK THE RESERVE

जानकर जीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) भी सभीन क्वन

#### LEPA DAIL

## कार्याचन , सञ्चयक गामकर कार्यच (क्रिप्टेंब्ल)

अर्जन रेंज-2, **बम्बई** बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-2/37-ईई/28555/85-86---अतः मक्षे, लक्ष्मण दास,

भायकर निभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उनत निभानियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अभीन तक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं पर्लंट नं 103/104, बेलस्कोट टावर, अंधरी (प), बम्बई—58 में स्थित हैं (भीर इसमें उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है, भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 19—12—1985 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मृत्यु से कम के स्थ्यमान प्रतिकत के निए बन्तरित की नुई है बीर मुन्ने यह विश्वाद करने का कारन है कि यनापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाबार पृत्यु, अपने स्थयमान प्रतिकत का नृत्यु , अपने स्थयमान प्रतिकत के लेख स्थान प्रतिकत का नृत्यु , अपने स्थयमान प्रतिकत का नृत्यु , अपने स्थयमान प्रतिकत का नृत्यु , अपने स्थयमान प्रतिकत का नृत्यु प्रतिकत है बीए वन्तरका), बीध वंतरित (बंतरितवा) के बीच एसे वंतरण के निए त्य पाया विकत्य, विश्वासित स्थयमान प्रतिकत है साराविक कर पर किथान नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एरेती किसी जाम मा किसी भन या अन्य अपित्तवों को , जिम्ह भारतीर धायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभी कियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

- (1) लोखण्डवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलोपमेंट को० लिमिटेड (अन्तरक) (2) श्री विपाल नन्दकुमार खन्ना ।
- (2) श्री विपाल नन्दकुमार खन्ना । (अन्तरिती)

को नह सूचना बादी नद्धके पूर्वोक्त सम्मत्ति से अर्वन को लिए। कार्यवाहियां बृद्ध कृतवा क्कृति ।

#### प्रस्त सम्पत्ति के नर्पन के संबंध में कोई थी बालेर 2---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारींस से 45 विन को जबिप या तस्त्रंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिप, जो भी नविच वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराह
- (व) इस सूचना के द्वाचपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाह्यकर्षः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा को जस अध्याय में दिवा गया ही।

#### **जन्<b>स्**ची

फ्लैट नं० 103/104, जो पहली मंजिल, बेंलस्कोट टावर्स, प्लोट नं० 15/7, एस० नं० 41 (पार्ट), चार बंगलोज, फ्रोशिवरा, वर्सोवा, फ्रांधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित, है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-2/37ईई/28555/85-86 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी; बम्बई में द्वारा दिनांक 19-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है :

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

मतः मन, उन्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण में, में, उन्त निभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के नभीन, निम्मणिचित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनोक: 11-8-1986

मोहर 🖫

#### प्रकम बाहु कि दर्शित एक त एस तुल 🖛 🕶 🕶

## नायकर निम्मिन्न, 1961 (1961 का 43) की पारा 269 प्र(1) के क्षीन भूजना

#### भारत च्हना

## कार्यासन, तहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निवेश सं० अई-2/37-ईई/27825/85-86-अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसुमें इसके परमात् 'उक्त अभिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-वं के अभीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विववस्य कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजाद मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० प्लट सं० 41, सी० टी० एस० सं० 200, न्य डी० एन० नगर, प्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप क्य के किए नहीं किया प्या है कि

- (क) अन्तरण से हुन्द्र किसी आय की बाबत उक्त अधिनिवश्व को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; आदि/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन वा अन्य अस्तिनी की, धिन्ह भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कड विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना वाहिए था जियाने में सुनिया के जिए।

बारत वर्षा वर्षा वर्षानियम की धारा 269-मू के बर्धरण वाक तीन क्या वर्षिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) एस० पी० जय बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री अन्दुल रजक हशम मचेंट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिरित के अर्जन के लिप् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में फिए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनसे जिथिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका पदा है 🛍

#### अनुसूची

पलट सं० 41, जो, निर्माणाधीन इमारत, सी०टी०एस० सं० 200,न्यू बी०एन० नगर, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित हैं।

असुनुची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/27825/ 85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी। सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2; बम्बई

दिनांक : 11-8-1986

## प्रस्ते बाइ<u>ै, टर्डे, एन . एस</u> :\_------

# बावकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन सुबना

#### भारत तरकार

#### कार्यालय, बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रगस्त 1986

निदेश सं० अई-2/37-ईई/27844/85-86--क्रनः म्हे लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं शाप सं 6, सरकार कोर्नर, ग्रंधेरी, बम्बई— 58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 2-12-1985,

को प्वांक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्यामान वितिकत्त को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्मति का उचित बाजार प्रया, उसके क्यामान प्रतिकत से, एसे क्यामान प्रतिकत का उन्तर का उन्तर प्रतिकत का उन्तर प्रतिकत से अधिक है और अंतरित (अंतरितों) को बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकत निम्निसित उच्दोश्य से उथत अन्तरण लिखित में बास्निक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य बास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा है लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण कों, मीं, उक्त अधिमियम की धारा 269-व दी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ं:-- (1) सरकार बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स कुसुम सन्स ।

(भ्रन्तिरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

#### जन्द संपृत्ति की वर्षक को संबंध में कोई भी बाक्षीप : ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारिश से 45 दिन की कविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पदु सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इब सूचना के राजपण में ज़काशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भ्यक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वया है।

## अनुसूची

शाप सं० 6, जो तल मंजिल, सरकार कोर्नर, वीरा देसाई रोड, श्रांबोली, ग्रंधेरी, बम्बई-400058 में स्थित हैं:

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/27844/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 2-12-1985 की रजिस्टर्ड स्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्राय्क्न (निरीक्षण), श्रुर्जन रोजे~2, बम्ब**ई**

दिनांक: 11-8-1986

प्रकल भाषाँ हो हो प्रमाह प्रसाहनमञ्जालक

सावकर सिधिनियन. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सचना

भारत सरकार

#### कार्यांसय, सहायक बावकर बावकर (निराक्षण)

म्रर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 भ्रगस्त 1986

निर्देश सं० ध्रई-2/37-ईई/28317/85-86---यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतने पश्चात् 'उन्त निर्मानयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च की नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का नारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित्त बाजार मृस्य 1,00,000/- रापये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 101/102, बेलस्कोट टावर्स, वर्सोवा,श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 13-12-1985,

की प्रोंक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्मित का उचित वाबार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अन्तरितिकार्ग), के बीच एसे बन्तरण के सिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बात्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरच से हुई किसी आयं की बाबत, उक्क मॉिथनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना जाहिए था किपाने में सोवधा को सिए;

चतः वयः, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-य मैं वन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) लोखण्डवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलोपमेंट को० लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) उमेश नंदकुमार खन्ना।

(ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिप कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोड़ भी वासीप ह---

- (क) इस स्वता के समपन में प्रकाशन की तारील हैं
  45 दिव की अविध मा तत्सम्मन्धी व्यक्तियों दर
  स्वता की तासील से 30 दिन की बविध, को धी
  विधान वाच में समान्य होती हो, के शीतर पूर्वीक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस बुक्का के रावपण में प्रकावण की वार्तिक वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध फिसी व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास् सिवित में किए वा सकेंगे।

लक्क्षीकरणः—इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्को का, को सम्बा विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होन्य को उस सम्याय में दिया गया है।

## नग्स्वी

पलैट नं ० 101/102, जो पहली मंजिस, बेसस्कोट टावर्स, प्लोट सं ० 15/7, एस० नं ० 41 (पार्ट), चार बंगलीज, स्रोशिवरा, वर्सोवा, स्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के प्रह-2/37—हिह्/28317/85–86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 11-8-1986

## धक्य बाहु", डॉ., धुयू, पुरू<sub>र स्थापना</sub>

## नायकर लिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अपीय श्वास

#### बाइन क्रक्रा

कार्यालय सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निर्देश सं० प्रई-2/37-ईई/28233/85-86--यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

हावकर लिधीनयम, 1961 (1961 का 43) (विन्ते इसमें इसके पश्यात् (उक्त बिधियम कहा गया है), की धारा 269-च के बधीन सक्तम प्राधिकारी की, वह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार नृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, बी बिल्डिंग, तीरथ, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विज्ञित हैं), श्रीर जिमका करारनामा श्रायकर श्रीध-तियन को धारा 269 कल के श्रशीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिज्स्ट्री है, दिनांक 12-12-1985

को प्रशेषस सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की भई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मृत्य, उत्तर्भे दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अभिक है और मंतरक (मंतरकों) और मंतरिती (अन्तरितियों) से थीच एसे जन्तरण के विश् स्थ पाना पदा प्रतिफल, निम्नीविचित सम्बद्धि के बच्छ बम्परण विचित्त में शस्तिक रूप से कविश नहीं किया गया है ॥——

- (भ) अन्तरण से हुए किसी बात की बावसा । उभक्ष सीध-दिवस से अधीय कर दोरें से बन्तरक में दावित्य में करीं करने या उत्तरों बचने में सुविधा के जिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी नाय वा किसी धन वा बन्य जास्तिवाँ को जिन्हों भारतीय नायकर निधीनवस, 1922 (1922 का 11) या उप्तत नीधीनवस, वा धनकण वीधीनवस, 1957 (1957 का 27) औं प्रधोचनार्थ नन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया वया था वा किया वाना शाहिए था, कियाने से सुविधा के विद्या

बतः, बव, अवर विधिवयमं की भारा 269-व के बन्सरंव मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, अर्थात् ६── 7—246 GI/86 (1) होर्माज सोहराब खोसरू भ्रीर फारुख सोहराब खोसरू ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेनू रमेश भीमानी ग्रौर श्री रमेण करसन दास भीमानी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुखना जारों कारके पूर्णोक्य संपृष्टि भी वर्षन औ जिल्ल कार्वनाहियां सुक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के हायपण में प्रकाशक की ताड़ीस हैं
  45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  तुष्पा कई ताथीज़ से 30 दिन को बद्धि, को भी
  सूचीय वाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट
  म्युनितयों में वे किसी म्युन्स द्वाड़;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अपनित द्वारा व्योहस्ताक्षरी की वाच सिक्तित को किस आ स्थावत को किस आ स्थावत को किस की स्थावत को किस आ सिक्ति को सिक्त का सिक्ति को सिक्त की सिक्त को सिक्त की सिक्त क

#### अनुसुची

पलैंट नं 4, जो पहली मंजिल, बी विलिखग, तीरथ, न्यू ग्रंजेरी को ग्राप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं 34,टो० गो० ए म० 6, रोड नं 2, तल्लूभाई पार्क, ग्रंघेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/28233/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा हिनांक 12-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

्रैंलक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय् क्स (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-2, सम्बर्ष

दनांक: 11-8-1986

#### स्थान बार्च हो , प्रन , प्रच , ज्यान प्रकारताता

## वायक्य विश्वित्वक्, 1961 (1961 का 43) भूती भारत 269-म् (1) के विश्वीत बुखना

#### 

## धारशिय, रहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्क)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 ग्रगस्त 1986

निर्देश सं॰ ग्रई-2/37ईई/28344/85-86-- यतः, मुझे, सक्सण दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यहविष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 5, हिस्सा नं० 2, श्रांबीवली विलेज, श्रंबेरी, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपायक श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कखा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 13-12-1985

को ब्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के असमान प्रतिकल के लिए अस्तिरित की गर्ड हो और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का क्लाह प्रतिकत से मिथक है और जन्तरक (अस्तरका) और बन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के सिए तब बाबा चया प्रतिकत, निम्निविधित उच्चेत्रय से अक्त जन्तरब सिक्तर में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया नथा है है—

- (क) अन्तरम से शुर्व किसी नाय की वानत, उक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बार्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना पाहिए था, कियाने वें द्विभा के लिए;

करः कव, **इस्त नी**शीयक की भारा 269-व से अनुसरक कें, में उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें अधीर निम्नलिजित व्यक्तियों, अर्थात् ह

- (1) झेवीयर डीमेलो भौर मेसर्स भाटे एण्ड एसोसिएट्स (ग्रन्सरक)
- (2) मेसर्स पटेल प्लाजा प्राइवेट लिमिटेड । (भन्तरिती)
- (3) ग्रन्सरिती

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिमोग में सम्पत्ति है)

की वह सूचया पार्री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वी वर्धन के जिल्ल कार्यवाहिमां करता हुई।

क्ष्मा बन्दरित के बर्जन के स्वयंत्र में कोई ही आर्जना≔

- (क) इस स्था के ताजपन में प्रकारण की तार्टींक के 45 दिन की वर्नींच या तत्त्वभ्यभी व्यक्तियों पर स्था की तामीस से 30 दिन की अन्धि, को भी अन्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना कं राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी बन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए का सकों ने ॥

स्यक्षतीक एक:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को अवद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट हैं, बही अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्**स्ची**

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे मं० 5, हिस्सा नं० 2, सी०टी० एस० नं० 256, श्रांबीवली विलेज अंग्रेरी, बम्बई है ।

ग्रन्सूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई 2/37ईई/28344/85-86 और जो उक्षम प्रतिधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांका 3-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज 2, बम्बई ब्रे

दिनांक: 11-8-1986

मोहर 🖫

#### सक्त नार्ष है हो है स्व हरा प्रकार

भावकड अधिनिवक्, 196 र १००६ वर्ष 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

## कार्यामय, तहायक जायकर वायुक्त (र्निर्यामण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1986 निदेश सं० अई-2/37ईई/28528/85-86--अत:, मुझे, लक्ष्मण चास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका सजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी संख्या सी० टी० एस० नं० 1372, चार बंगलोज, वर्सीना, अन्धेरी, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बंजित हैं), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्ट्री है, तारीख 19-12-1985

को प्यांचित संपत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के क्याबाद प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का बन्धइ प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एके कर्ष्यण के सिए तय बाया गया प्रतिफस, निम्निलिखित उद्देष है उसत जन्तरण हिल्लिख में वास्तविक रूप से क्रिथित नहीं है..., गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाय की नायत, ३ कल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाडि/बा
- [ण] एंसी किन्दी नाम मा किसी भन भा कन्य नास्तियी को, विनर्ह भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता नाधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विष्

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——  श्रीमती होमाई पीरोशां करानी,
 श्रीमती बेप्सी जमगेद रोजर्स मौर श्री दादीबा पल्लोन जी हमजी

(अन्तरक)

2. मौसर्स जानकी बिल्डसं

(अन्तरिती)

को वह सुमना वाशी काश्यों पृष्ठीनत क्ष्मीत्व में वर्षन में जिल्ला कार्यनाहियां सुक करता हो।

उथत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस स्वर् के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की सारीय वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावः पंपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिला में किए या वर्षों।

न्यध्वीकरणः --- इसमें प्रयम्त खन्दों और पदौं का, जो सम्बंध अभिनियम क अध्याय 20-क में परिभाणिक ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया नया ही।

#### अगुस्ची

जमोन का हिस्सा जिल्लामा मो० टी ए७० नं० 1372, चार बंगलोज, वर्सोचा, श्रन्धेरी, बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि कं० सं० अई-2/37ईई/28528/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी दम्बई द्वारा दिनांक 19-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लङ्कण दास, सदान प्राधिकारी सहार्क आर्कर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारोबः 11-8~86

मोहर 🛭

## प्रकृत कार्य को वन प्रवर्ध

ब्रायकर विभिन्नियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन क्षमा

#### नास्त ररकार

## कार्यासय, तहायक नायकर नायुक्त (नि<u>स्त</u>ीकन)

श्रर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बई, दिनॉक 11-8-1986

निर्देश सं ० अई--2/3 7ईई/ 28529/85--86---श्रतः मुझे, सक्ष्मण वरस.

कार्यकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) किसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 169-च के मधीन तक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 1372, भार वंगलोज, वसींया, अन्धेरी, बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर श्रिधनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिज्स्ट्री हैं तारीख 19-12-1985।

को बुर्गेक्ट सम्मत्ति के अपित बाजार मृत्य वे कम के एवयमान प्रिक्त के निए जन्ति ति को गई है बीर मुक्के कह विश्वास करने का कारण है कि यूथा पूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिपन्न से, एसे क्यमान प्रतिपन्न के पंत्रह प्रतिवाद से निभक है नीर नंतरक (नंतरका) बीप नंतिकते (क्षितियाँ) के बीच पूर्स मंतरण के निए त्य पावा ग्या प्रतिपन्न, निम्मतियात उन्हरेंच्य से उनता मन्तरण जिल्लिक में वास्तिवक क्ष्य से क्षिण महाँ किया गया है इस्—

- (क) मनारण से हुई किसी अपन की बावत, सबस निर्धानसम्बद्धे गधीन कर्न दोने के अन्तरक के समिरम में अभी करने या उससे रापने में सुविधा के निए; नौर/या
- (ब) एंती किसी बाय या किसी भन म अन्य आस्तिनों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनेत्रका, 1922 (1922 का 11) या उनता अभिनेत्रका, या अनकर अभिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बया या विवा जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के सिह्हा

चक्र: जब, उक्त अधिनियत की धारा 269-ण में अनुहरण में, में उक्त अधिनियत की धारा 269-ण शरी उपधारा (1) द्वे अधीर्थः निक्किशिक्षत व्यक्तिस्मां, त्रस्ति हु--- 1. मैसर्स जानकी चिरुडर्स।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सिण्डीकेट बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

महें यह भूगूना जाड़ी भारते पूर्वों कर सम्मृति में कर्पन में विश्व कार्यगाहियां करता हो।

## रमत संपत्ति के नर्धन के संबंध में कोई भी शाक्तेय हैं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को औं जनिष बाद में समाप्त हारेती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी स्थितद दुवाए;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में क्तिबक्षण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाब किसि में किय का सकेंगे।

स्मक्ष्मीकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्त्रों कांद्र पदीं कां, को स्वक्त विभिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

#### वनसर्वा

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० 1372, चार बंगलोज वर्सोवा, अन्धेरी, बम्बई है।

अनुसूर्च जशा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/28529/85→86 और जे सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-12-1985 को रजिस्टर्ड किय गया है।

नधमण दास, सक्षम गाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 11-8-1986

## पुरुष बाहु<sup>\*</sup>्र दी<sub>य</sub> पुषु<sub>य</sub> पुषु<sub>य</sub> ४ ०० ×

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1986

सं० अई-2/37ईई/28908/85-86--अतः मझे लक्ष्मण वास,

बायकर नौधनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत नौधनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विपनास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजास मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रगेर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 9, जीवन जागृति, बान्द्रा, बम्बई—50 में स्थित है प्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रांर पूणं रूप से वणित है), ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 30—12—1985 को पूर्वेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके ध्ययमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके ध्ययमान प्रतिफल का मृन्य प्रतिफल के बीच एवं बन्तरम् के सिए एव पाना नवा प्रतिफल का मृन्य प्रतिकार के बीच एवं बन्तरम् कर्यस्य सिक्ति में बास्तिक करने क्रियत नहीं किया गया है है——

- [क) शरायुण वं हुन् कियों नाम की नामत क्या नामन निवस के समीन कर वोने के नामा को वासित्य में कर्मी करने ना व्यव नामने में श्रीनभा के सिए; व्यक्तिना
- (क) एती किसी बाव या किसी वन वा कला जासिकों को, विन्हीं बारतीय नायकड विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या अवत वृहिष्णित्व, वा क्सं≉ कर मधिनियम, 1957 (1947 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, फिनाने में वृहिष्की की खिल:

अशः स्व, उत्तर निर्मानिक की पाछ 269-म के व्युक्त को, हैं, उत्तर निर्मानिक की भारा 269-म की उपभाद्ध (1) को सभीना, निम्निकाल व्यक्तिकों, नपति र---  श्री होंगो रानी लक्ष्मण एन० ग्रौर श्री होंगो रानी नानीक एल०

(अन्तरक)

2. श्री अरून वी, गीकर्न

(अन्सरिती

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोचस सम्महित के वर्तम के विद्र कार्यमाहियां करता हों।

बक्त बन्गरित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी माधीय:---

- (क) इत सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बर्गी व्यक्तियों पर सूचना की तासीब से 30 दिन की जबिप, जो भी जब्दि शाद में सकान्त होती हो, जै भीत्र पूर्वे वर्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाहा;
- (व) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वस्थ किसी कन्य व्यक्ति व्यास, वस्तेहस्ताकरी के पास निवित में किए वा सर्काने।

स्पब्सीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## धनुसूची

फ्लैट नं० 9, जो जीवन जागृति को-आप सोसायटी लिमिटेड, अम्बेडकर रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूर्चः जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/23908/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 30-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लब्मण दास; सक्षम गाधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंं-2, बम्बई

दिनांक: 1 -8-1986

मोहुर 🖫

## अक्स बार्च <sub>ये</sub> हों , एवं <u>व</u>्यक्त एवं <sub>विकास</sub>

## वायकर मीर्थीनवन 1981 (1981 का 43) की नारा 289-पं(1) में मुपीन शुप्ता

#### ALC: SEALT

## कार्यास्य, बहायक नायुक्तर नायुक्त (निर्दाक्तक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/28631/85-86 --अत: मुझे, लक्ष्मण घास,

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसवी इसके परचात् 'जकत अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269-भ के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका शिचत बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी फ्लैट नं० 302, जोना प्रीमायसेस, बान्बा, बम्बई 50 में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रुप से विणित है भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय बम्बई में रजिस्टी है, सारीख 23-12-1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान बतिफल के जिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य बृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरम के जिए तब नामा नवा ब्रीतिफल, निस्तिसिति अन्तरम से उच्त बन्तरम निवित्त बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरम् वे हुई किसी नाव की बावका समझ नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के द्वियस्त में कसी करने या उससे बचने में मृतिभए के लिए; बीड/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िज्याने में सूविधा के लिए;

जतः जयः, उद्यस् श्रीभीनयम् की भाषा 269-ग के अनुसरण् वे, जे, उत्तर सभिनियमः की भाषा 269-म की उपभाषा (1) के जभीनः जिल्लीकावित व्यक्तियों। सभीत छ-— 1. श्री ईश्वर लाल लेखराज क्षेत्रीय

(अन्तरक)

2. श्रीमती वीरा कोलाको

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती भ्रौर उनके परिवार के सदस्य (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना चारी करके पूर्विक्स सम्पृत्ति से बर्जन के जिस् कार्यग्रहियां सूक करता हुं:

#### उक्त बम्परित के वर्षन के तंत्रंभ में कोई भी नाक्षेप ए---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वबीध, जी भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्मी के पास किसिक में किए जा क्ष्मीं ।

न्यक्षीक जन्द्र---इसमें प्रयुक्त सन्दों मीर वर्षों का, जो उक्त अभिनियंश के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं नर्थ होंगा को उस मध्याय में दिया वया है।

#### वपुर्वो

क्लैट नं० 302, जो, तीसरी मंजिल, जोना प्रीमायसेस को-आप सोशायटी लिमिटेड, 10 पाली, रोड बान्द्रा; बम्बई-400050 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं ० अई-2/37ईई/28631/85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षमणीधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (ेनरीक्षण) अर्जन रेंज--2, सम्बर्ध

दिनांक 11--8-1986 भाइर : प्ररूप आहें दी. एन . एस्. ------

जामकर ऑभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय , सहायक बायकर आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, बम्बाई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निर्वेश सं० अई-2/37ईई/28639/85-86-यत: **मुझें,** लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचास् 'उभरा अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्त बाजार मृत्य

1,00,000/- एत. से अधिक है

हां र जिस्की सं ० पलेंट नं ० 10 बी, सनसेट हाइ ट्स, बान्द्रा, बम्बई—50 में स्थित हैं श्रोर इससे उपाय अनुसूची में झौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 23—12—1985 का पृशिका संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफल का बम्बई प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिता (अन्तरिताया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अभीन कर दौने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अनिस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्का अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए।

बतः; कवा, उक्त किथिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :---- (1) ली० कोल ० आर० के० कपूर

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एन० नायक श्रीर श्रीमती कांता एस० नायक

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पन्ति को धर्यन को निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🎾 🗝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीस क्षे 45 दिन की अवस्थि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवस्थि, जो भी अवस्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोधक क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीक से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-नव्य किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ना, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो जक्त अध्याय में विशा गया है।

#### अमृस्ची

फ्लट नं० 10-बी, जो सनसेट हाइट्स, सबर्बेस क्वीन को-आप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेंड, 59 श्रीमती बर्गीस दत्त रोड, बान्ब्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/28639/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-1985 को रिजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-2, बम्बई,

वारीख: 11-8-1986

## त्रक्षे वार्षः **टी**ः **एष् एष**्टा<del>ण्यासम्बद्धाः</del>

### नायकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के क्षीन क्षमा

#### RISH AZARS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 11 अगस्त, 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/28213/85-86---यतः, मुझें, लक्ष्मण दास,

बायकर जिमिनियन 1961 (1961 का 43) (जिसे इसते इसते दरके परधात (चयत जिमिनिया) कहा नवा ही), की पारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० 50 है फ्लैंट बं० 62, गोल्डन कोर्नर, बम्बई 50 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनयम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 12-12-85 को पूर्वे बम्पिस के उपात बाबार मूख से कम के वस्यवान मित्रम के लिए बंतरित की गई है और गूंबे यह विश्वात करने का कारण है कि वथापूर्वेक्त सम्पत्ति का अधिक कारण का पन्तर प्रतिक का गरिक का गरिक का गरिक का गरिक का गरिक का गरिक से विश्वात का प्रतिक का प्रतिक का विश्वात से विश्वात की पर्वे मन्तरण के लिए तब प्रति तारी (भन्तरित तो) के बीच एसे भन्तरण के लिए तब प्रता गया प्रतिक का निकास की विश्वात का प्रतिक का निकास की विश्वात की कारण है कि व्याव का विश्वात की विश्वात

- हुँक) नंतरण से हुद किसी नाम की समस्त सकत निर्मित्व की स्थीन कपु दोने ही नंतहक की शास्त्व में कमी करने या उन्नदे बचने में सुनिधा की जिल्हा नंहर∕या
- (क) एसी भिन्नी अस वा किसी प्रवास क्या कारित्यों की, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्तियम, या धन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) को ध्योजनार्थ मंतरित्री बुवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के किया

बतः यात्र, दक्ष्य कॉथियम की धारा 269-म से सम्सर्ध थे, में, रक्त वीविधियम की धारा 269-म की स्वयादा (1) वीविधियः निम्मुप्रियक व्यक्तिको<sub>टः</sub> स्वीत् ४--- (1) श्री यहवा महमदभाई लोखंडवाला श्रीर श्रीमती जैनूब यहवा लोखंडवाला

(अन्तरक)

(2) श्री अनगार बहुधीन लवाक भौर श्रीमती इस्मत असगार लवाक

(अन्तरिती)

को नह बुजना आही कहने पूर्वोक्स सन्तरित से कर्मन से किए कार्यनहिंदां कहता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्तन हो सम्बन्ध में कोई भी वासेप 🚁

- (क) इत ब्यान के राभपण में प्रकाशन की ताड़ीय वे 45 दिन की जबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की बनीभ, सो भी जबीभ शह में तमाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिनों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस श्वाम के द्वामपण के प्रकारत की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्द-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में दिसे जा सकते।

स्वक्रांक रूप रूप में प्रयुक्त करों और पर्यों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय वा किया प्या है।

#### वन्स्वी

पलैट नं ० 62, जो, गोल्डन कोर्नर, पाली हिल रोड, बान्ब्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/28213/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राःधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 11-8-1986

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्काक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1986

सं० अई-2/37ईई/28208/85-86:-- अत: मुझे, नक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,05,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० पलैट नं० समरसेट ब्लोक ए, रोड, (प०), बम्बई-50 में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वॉणत हैं) ग्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, नारीख 9-12-1986

को पूर्वेक्त संस्थित के तिवत बाजार मूल्य में कान के करनजान प्रसिक्त के किए नम्बरित की वहाँ हैं और मुन्ने यह विक्यास अपने का कारण है कि स्थाप्यों का सम्परित का उपनित बाजार मूल्य, उपने का कारण प्रतिक्त प्रतिक्त से, होते करनवान प्रतिक्त का पंत्रह प्रतिक्त से निपन हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंवरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नितिवत उप्योध्य से उक्त बन्तरण हैं सिवा में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया प्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत शक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजसार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा बा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविभा के निए:

करें क्रिक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (।) कें के सबीत जिल्लामित व्यक्तियों, अधीत हम्म- 1 श्री अमोल प्रधान ग्रार श्रीमर्ता मोलीना प्रधान

(अन्तरक)

2 श्रीमती मोहिन्दर कौर आर० लाम्बा (अन्तरिती)

भी यह स्था भारी करकी पृत्रों कर सम्पत्ति से शर्णक से तिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वह स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वे क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पान निर्मत में किए जा सकेंगे हैं

स्पर्धिकरणः - इसमे प्रभूक्त सब्दों और इसे ह्या, जो उबक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्यास में दिया गया है (१)

#### अनुस्ची

प्लैट नं० 1, जो, आठबी मंजिल, क्लाक ए, मरसेट पाली हील, बान्द्रा, (प०), बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० आई-2/37ईई/28208/8/ 86 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1985 को रुफ्स्टर्ड किया गया ।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंफ-2, बम्बई

नारीख: 12-8-1986

प्रस्ता बाद्दे, टी., एन , एस , छ ॥ ०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक कायकार माय्यत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1986

सं **अई--2/37ईई/28522/85--86---**अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इससे इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान कारने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या पर्लंट नं वी-1, इमारत ए, जोली हाय राइज सोसायटो, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद उनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 19-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृख्य से कम को दश्यमान प्रतिकश को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित होतार बृक्ष, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का बेक्ट प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिविधा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया थया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्ववेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) बन्तरण सं हुर्ज किसी मान की मानतः, अक्त मिन्नियम के अभीन कर दोन के अन्तरक के वाचित्थ में कमी करने या उत्तर्ध व्यन्ते भी मृथिया के लिए; सौर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अविकास को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १७१२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम ११ एक्टिं अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को पर्योजनाथ अस्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था था किया जाना जाहिए था स्थितने में सर्थिका को निर्ध

अतः ।॥॥ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, एक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

(1) श्री प्रलं असेल्म

(अन्तरक)

(2) श्री अलेग्जेंडर श्रडेम पीकार्डी

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्जाक्त सम्पत्ति के अर्थन के किय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, को सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हैं।

#### **अन्**स्ची

पलैट नं० बो 1, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० ए, जोली हाय राइज, को श्राप हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, 241 ए, पाली माला रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/28522/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-12-1985 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम, सक्षम प्राधिकारी महायक अयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-8-1986

#### प्रकृत मार्<u>द् हो .ह्य .प्र</u>कृतकारकारकार

हार्यकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### धाउव स्टब्स्स

## फार्वाजय, सहायक वायकर जामुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/27811/85-86-- अतः मुझे,

नायकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतने परचात् 'टक्त नीधनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च हो नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक **है** 

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, बेस्ट बीड प्रिमायसेस बान्द्रा, बस्बई-50 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 2-12-1985

क कायालय, बम्बद म राजस्द्रा है ताराख है । हिन्दा कम के स्वयमान मिलिक के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने वन कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार पूल्य, उसके स्थममान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का उन्तरिक से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिक के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निविक्त उन्नरिक से उन्तर अन्तरिक कि वित्य ने वास्त्रिक रूप से कि जित नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तर्भ के इन्द्रं किसी आव की भावतः, उपस् विभिन्नियम के वृधीन कर दोने के बन्तर्क के द्यायत्व में कमी करने या उससे भूषणे में कृषिधा के सिद्ध; वर्षः/शा
- (भा) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों कर्ता, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, वा धन-कर उत्त्रान्यम, 1937 (1957 का 27) के श्वांब्रमार्व धृन्तिहरी धुनारा प्रकट नहीं किया व्या था वा किया जाना बाहिए था, छिमाने में सुविधा के सिए;

श्रदाः कात्र, उक्त महैभीनयम की भारा 269-म के अमृतरण हें, बी, अक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्मात् :--- (1) श्री नरूधीन कें ० जम्मागीया।

(अन्तरक)

(2) श्री फहीमल बारी ग्रीर अन्य।

अन्तरिती )

(3) अन्तरिती और उनके परिवार के सदस्य। (वह व्यक्ति; जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संवरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोध ह—

- (क) इस क्यान में इडक्ष्य को इक्स्क्य की वाडीय से 4.इ सिय की अपूर्ण या उत्स्वम्यों व्यक्तियों पूर चूयना की वामील से 30 दिन की अवधि, यो शी अवधि बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवाराह
- (म) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

न्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का जो अवद अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं!!

## **ान्स्चीं**

फ्लेट नं० 401, जो चौथी १२ जल, वैस्ट वींड प्रिमायसेस को०-आप० सोसायटी लि०, 210/ए-बीजे रोड, धान्ता बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/27811/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वारीख: 11-8-1986

## प्र**म्**व प्राप्तुं हों हुन्<sub>य</sub> प्रस्तु वन्त्व

शासकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहकार

## कार्यासम् सद्वायक मायकार मायुक्त (निद्धीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1986

्नेर्वेश मं० अई-2/37ईई/28345/85-86--- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वरुनात 'उरुत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अर्धान सकाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 21, वैकुष्ठ सोसाइटी, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षग प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 14-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकत के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्थास करने करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का मन्तर प्रतिकत से अभिक है और बन्तरक (बन्तरका) बाँउ बन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय भागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्दर्भय से उक्त अन्तरण के लिए तम

- (क) जैतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिक्ती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः अगः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण् में, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) ब्रें वधीन, निस्तीविक व्यक्तियों, वधीत् हिस्स (1) श्रीमति चेरी पेरीक श्रोकायन ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगतार सींग भाटिया।

( (अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्बट्टि के अर्थन के टिनपू कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कीई भी माध्येप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिसित में किए जा सकोंगी।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

## बन्स्ची

पसेट नं० 21, जो 6 मं सोसाइटी लि०, माउण्ट मेरी रोड, बान्द्रा में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/28345/85-86--क्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 13-12-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 11-8-1986

प्रकप बाह्री, टी. एम. एस. ::::::::::

## आयकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

#### कार्यालयः, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/27812/85-86—— अत: मुर्झे, लक्ष्मण दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्मीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 402, बेस्टबीड प्रिमायसेज बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (म्नीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में मीर पूर्णकाय से बीणत है), म्नीर जिसका करारनामा आयकर अधि नियम, 1961 की धारा 269 कखा के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारख 2-12-85

की पूर्वे क्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की नई है और मूझे यह विद्यात करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, सत्तर्के दरयमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के कीच एसे बन्तरण के लिए तय बाया नवा प्रतिफल निम्निजिल स्वृद्धिय से स्वत अन्तरण ट्रैनिकिस में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया नया है हिन्न

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाव की वायत , धनत नियम के जभीन कर दोने के जंतरक के दावित्य में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के सिष्ठा बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिबों को जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया धाना जाहिए था, कियाने में बुरैक्शा के जिहा;

अतः अव, एक्त जीभनियम की भारा 269-ए के अनुवरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अवृति ह— (1) श्री नूराली के० जम्मागीया।

(अन्तरक)

(2) श्री फहीमूल बारी ग्रांर अन्य।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती घ्राँर उनके परिवार के सदस्य। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभीग में सम्पक्ति है)।

की यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पांक के अर्थन के किए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हैं---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब बैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाड़ निविद्या में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अन्सूची

पलेट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, वेस्ट वींड प्रिमायसेस को० आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 210/ए बीजे रोड, बान्ब्रा, बम्बई 50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फल्सं० अई 2/37ईई/27812/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-2, बम्बई

तारीख: 11-8-1986

मोहरः

## मुक्त लाहु दी हुन पुर क्रान्य

# बागकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त (1) के अभीन सुज्ञा

#### मारत सरकार

## कार्याक्षय 🕫 सहायक बावकार बावुक्त (विरोधान)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिलांक 11 अगरन, 1983

निर्देश सं० अई-2/37ईई/27936/85-86--- अतः मझें, लक्ष्मण दास,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्राचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के नभीन सक्षण प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर संग्रीस निस्का उचित बाजार मत्य

1.00,000/- रङ. से **जधिक है** 

भौर जि की स० फ्लैट नं० 402, असीत, प्रिमायसेस, बम्बई-50 में स्थित है (भौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 5-12-1985

को प्वींक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए कल्तिरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और वंतरफ (वंतरका) और वंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण मिलिख में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुद्र किसी आय की नावण, उक्त व्रिथिनियस के क्षीन कर बोने के बेतरक के बावित्य को कसी करने का बबसे बचने में सुविधा के लिए; लांद/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी थव या बन्य वास्तियों की जिन्ही भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोकमार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा विका जाना याहिए था, स्थिमने में कृष्टिया के निया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की हैं। इस्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपधारा (1) में विधीन, निम्नान्धित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री जगतार सिंह भाटिया। (अन्तरक)
- (2) श्रीमित मीरा दूर्गानन्द गायतोडे श्रीर श्री दुर्गा वामन गायतोडे ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूत्रभा चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिस् कार्यनाहियां सूत्र करता हूं।

#### **उप**क सत्यक्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वासोप ह----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिथ, जो भी अवधि बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस बूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य विशेष ब्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास विवित में किए वा सकें ने ।

स्वक्कौंकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और यदों का, को उक्क अधिन्यम, को अध्याय 20-क में परिभाषित इ, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यथा है।

## **मन्स्ची**

फ्लैट नं० 402, जो असीत प्रिमायसंस को०आप०सोसाइटी लि० माउण्ट मेरी काने रोड, बम्बई 50 में स्थित है।

शनुसुची जैंगा कि ऋ० सं० अई 2/37ईई/27936/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बर्स

तारी**ख**:11-8-1986

मोहरः

#### प्रकृष **वाह<sup>्र</sup>. टी . एव . एव**ा सन्तरणारणारणार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### महात बहुन्मर

कार्याखय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/27921/85-86-- अतः मुर्झे, लक्ष्मण क्षास,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले रहमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा चया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्बद्धित, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,09,000/-छ- से डिधिक हैं

1.00,000/-छ- से तिथक हैं

श्रीर जिनकी सं० फ्लेट नठ० 202, 302, असीत अपार्टमेंट, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थिन हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से विणान हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री तारील 5-12-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाबार मृष्य से कन के दश्यमान प्रिफल के लिए बंतरित की गई हैं और स्के यह विश्वात हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें स्थ्यमान प्रतिफल के स्वार अधित से बिए तं पार के स्वार है जीर बन्तरण से लिए तव पाया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिवित को वास्तिकल, निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिवित को वास्तिकल, निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिवित को वास्तिकल के की की स्वार का है हैं

- (क) अन्तरण ले शुद्द सिक्सी गाय की वाबरा, समर अधिनियम को अभीन कर बोने में नसारक चे दायित्व में कमीं करने ना बसने गणने में शृशिका में सिए; औह/बा
- (क) एसी किसी बाद वा किसी धन या अन्य सास्तियों की चिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वास, 1957 (1957 का 27) के न्योजनार्थ अन्सरियों द्वास प्रकट नहीं किया स्था मा वा किया जाना साहिए था, हिस्सार में सुविधा है तक्त

सतः सवा, उक्त सीधीनसम की धारा 269 न की सनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269 में की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमित शेनाज बरीलान श्रीर फहीमूल बरीखान (अन्तरक)
- (2) श्री वालीमहमद गलामहू सेन बदामीया श्रीर श्रीमित रशीदा वालीमहभद बदामीया।

(अन्तरिती)

(3) श्री वालीमहमद गुलामहुसेन बदामीया । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में राम्पत्ति है)।

को यह सुपना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यनाहियां कड़ता होता

#### खन्य सम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आसोप एन्स

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस स्वारा;
- (च) इस त्वना के राज्यन में प्रकादन की तारींच वें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी बन्ध स्थाकि ब्वारा बयाहस्ताकारी के पास मिलाब में किया का मकाया

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विशे पना

#### Mar Mark

पलट नं० 202, 302 श्रीर गेरैज नं० 9, स्रो असीत अपार्ट-मेंट, माउण्ट मेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/27921/85-86 ग्रींप जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वापा दिनांक 5-12-85 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी यहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, बम्बई

तारीखा: 11 8-1986

प्रस्य बाइं.टी.एन.एस., -----

(1) श्री वीर भूपिन्द्र सिंह बेदी।

(अन्तरक)

(2) श्रीराजेश महेश गुप्ता।

(अन्तरिती)

आयकर बरिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) भे अधीन सुभवा

#### मारत प्रत्यार

## कार्याक्षक , सहायक वायकर वायकत (निर्दाक्षक)

अर्जनरें ज-2, बम्बई

वम्बई, विनांक 11 अगस्त 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/28633/85-86— अत: मुझे, लक्ष्मण दाम,

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, दिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० क्लंट नं० 11, केशीयस सोसाइटी बान्द्रा, बम्बई-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप मे विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्टी है तारीख 23-12-1985

को पृथानम् सन्परित से वाचित नाचार मृत्य वे काम की वास्त्रमान मितिकता को विषय अन्यक्ति की गई है और नुभों यह विश्वास

करने का कारण है कि स्थाप्नॉक्त सम्पर्ति का उचित नाजार भूग्य, उसमें क्ष्ममान प्रीतकण ते, एमें दश्ममान प्रीतक्त का बन्द्रह प्रीतकत ते अधिक हैं और नंतरक (अंतरका) नीर नंतरिकी (अन्वरितिनों) के नीच एसे नन्त्रहण के खिए तम पाना पता प्रतिकल, निम्निवित उद्देश्य से स्वत अन्तरण सिवित में आख्यीयक क्षा ने कमित मही हैंक्स पता है ह—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की नावत उक्त अधि-निक्त औं कृशिय का पीने के बस्तरूक के दायित्व में कर्जी अपूर्ण मा कवार्ण जयने में सुनिधा के निए और/मा
- (क) ने शी किसी जाव या किसी अन या कन्य आस्तियों करें, किन्हें भारतीय असकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेणनार्थ जन्तरिती वृषारा प्रकट नहीं किया प्या वा वा किया असन जाना चाहिए था, कियाम में सुविधा के विकास

अत: जब, सक्त अधिनियम की भारा 269-ग के सन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात हु—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हैं।

उपन हम्मीता के वर्षन के राज्यम्थ में कार्य भी भारतेय हम्म

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 ू दिन की सूची वा तत्स्वस्थि व्यक्तियों एक सूचना की तामील से 30 दिन की सूची, जो भी जनीभ बाद में स्थान्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स क्षावित्रों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस कुमना के राजपन में प्रकाशन की वारीय में 45 वित के जीतह उक्त स्थादर संशक्ति में द्वित-न्युष किसी अन्य व्यक्ति प्रवास सभोहरताक्षरी थें. पास दिविता में किस वा सकेंगे।

अनुसुची

फ्लेट नं ्राप्त, जो उरी मज्जिल, और गेरैज, केशियस को - ऑप व्हार्जीसंग सोसाइटी लिंव, टर्नर रोड, गुरुनानक रोड, बाबा-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/28633/85-86 र प्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारी दिनांक 23-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-8-1986

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/28590/85-86-- अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्।' कहा गया हैं), 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर फिसकी सं० फ्लेंट नं० 1, नील कीरन सोसाइटी, खार, बम्बई-52 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में र्राज्स्टी हैं, तारीख 23-12-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के रूपयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके उरुयमान प्रतिफल से एसे उरुयमान प्रतिफल का पंद्रह शतकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के खिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को जिन्ह भगरतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीत. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---9-246GI/86

- (1) श्रीमति लीलावंती किशन चन्द चेलानः। (अन्तरक)
- (2) टीकम दास यु० जयसिह कुमारी रजनी टी० जयसिह श्रौर कुमारी सपना थी० जयसिंह ।

(अन्तरिती)

23089

को सह स्वना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति को अर्जन की संबंध में कोई जाक्षीप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सँ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत **व्यक्तियों** में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो विभिन्नियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लेट नं० 1, जो 4थी मंजिल, नील किरन को०-औंए० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लाट नं० 758, ए०बी०, खार पोस्ट, आफिस के सामने, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/28590/85-86 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-1985 को रिज्म्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीखा: 11-8-1986

#### प्रका बाहील बीज प्राप्त प्रकान सम्बन

# वायकर विधितिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, धम्बई

वम्बर्ध, दिनांक 11 अगस्त, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/28762/85-86--- अतः मुझै, लक्ष्मण दास,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेंट नं० 201, मून बीम, खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रिजिस्ट्र, तारीख 26-12-1985

को पृथों करा सम्पत्ति के उधित दाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त सम्पत्ति का उधित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंडह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्योदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक कृप से किथत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यायत, उक्स अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी कारने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्त बास्सियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उस्त राधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असीरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था. छिपाने में मुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

(1) श्री भूपिन्द्र सिंह, सोहन सिंह घन्दोक श्रीप मोहन सिंह धन्दोक ।

(अन्तरक)

- (2) श्री राजीव शंकर घोटने ग्रीं र श्रीमति लिका घोटने (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति को भवन को संबंध को कोई भी बारतेप र--

- (क) ६स स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेश व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति प्रायः;
- (ख) इस स्थमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए का सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिन्छ गवा है।

## मनुसूची

फ्लेट नं० 201, जो 2री मंजिल, मून बीठा, विक्षण को० इाउसिंग सोसाइट लिं०, प्लाट नं० 289-बी, यूनियनन पार्क, विसुज, बांग, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-2: 37ईई/28762/ 85-86 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 26-12-85 1985 को रिष्टिड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्ष्म प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंर्शक्ष2, बम्बई

तारीख: 11-8**-**1986

मोइर:

प्रकथ बार्च ्टी . एवं . एचं 🚊 बन्दरनन्यनम्बन्ध

# नामकुर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के नधीन सुखना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निदेश सं ॰ श्रई-2/37ईई/28219/85-86:---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसमें परकात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि प्रधापयोक्षम सम्प्राध का ट्रांकन कारण का कारण की कि प्रधापयोक्षम सम्प्राध का ट्रांकन कारण की विश्वास करने का कारण हैं कि प्रधापयोक्षम सम्प्राध का ट्रांकन कारण की विश्वस हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 14, नानक सोसायटी, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनसुकी में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिष्ट्टी है, तारीख 12-12-986 का पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृलय से कम के कर्यमान श्रीतफल के लिए कन्युरित की गुई है और मुख्ये यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मृलय, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का निर्मा विकास का निर्मा के विवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण को लिए तय पामा प्रया प्रतिस

फब, निम्निसि**सर उद्योध्य से उन्त व्यारम् सिम्हित** में शास्त्रिक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वर्षकरण के कभी करने राउत्तर राज्ये राज्ये के सुविधा के सिद: स्टी/पा
- (क) द्वी किसी आव वा किसी धन वा कम्ब आस्तियों को, विन्हें भारतीय नामकर निमिनवनन, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या वय-भूर विधिनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ नन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया वाना चाहिए था, कियाने में सुनिवा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बैं,, कैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. श्री परमजीत सिंह हरबंस सिंह भूसा

(अन्तरक)

2. श्रीमती ज्योति भानू चन्द लोधीया

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह बुचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के विश् कार्यनाहियां करता हुं।

**इन्दर्त सक्या**सि को अर्थन को सम्यन्ध में कोई भी नाक्षोप हः---

- (क) इस स्थना के रायपण में प्रकारण की तारील के 45 दिन की नवीं या सत्सम्बन्धी म्यक्तियों पड़ स्चना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

व्यक्तीकरक:---इसमें प्रमुक्त बन्दों और वद्यों का, को सक्त विधिनिधम के अध्याद 20-क में वीरभाविक हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस बध्याद में दिवा व्याहर्ध

#### अनुसुची

प्लैट नं० 14, जो तीसरी मंजिल, नानक को-आप हाउसिंग सोसायटी, 444-ए, मनमाला टेंक रोड, माहीम, बम्बई-400017 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/28219/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, विम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1985 को रिजिस्टई किमा गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 11-8-1986

## प्रकृत कार्य . हर्ने . हर्ने . १००० वर्ग . १०००

## भावकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) थे नभीन सूचना

#### भारत सरुकार

## कार्याक्तय, सहायक आयुक्तु आयुक्त (किरीक्रक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1985

निर्देश सं० **भ्रई** 2/37ईई/28837/85—86——अतः सुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 54, बी, बिल्डिंग, आणि-याना, बान्द्रा (प), बम्बई 50 में स्थित हैं श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, नारीख 27-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुन्द्र किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए।

अदः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुबरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :— 1. श्रीमती उमिला सुखीजा।

(अन्तरक)

2. इण्डियन कम्यूनिकेशन नेट वर्क लिभिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 54, जो बी० बिल्डिंग, आशियाना, ग्लैक्सो स्टाफ को० आप हाउँसिंग मोसायटी लिमिटेड, सेंट जोन बेप्टीसया रोड, बान्द्रा, (प०), बम्बई-400050 में स्थित है।

अनसुची जैसा कि कि० मं० अई-2/37ईई/28837/85-86 क्याँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 27-12-1985 को रजिस्टर्झ किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई ।

तारी**ख** : 11—8—1986

## मक्य बार्च <u>टी</u>ड एक<u>ः स्</u>राह्म

# नाथकर गणिनियन, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) जो नजीन बजुना

#### धाउत शहकाड

## कार्यात्तव, बहायक वायकर वायुक्त (रिन्ह्रीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/28339/85-86--अन: मझे लक्ष्मण दास,

भागकर विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) किंदी इसकें इसकें प्रथम (उन्त विभिन्नम कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मरित, जिसका उपित बावार मूल्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलैट न० 51, सीविल, बान्द्रा. बम्बई-50 में स्थित है और इसमें उपाबत अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम की धारा 269 क खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 13-12-1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृस्य से कम के अववाद प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

नह विश्वास करन का कारण है कि स्थाप्वॉक्स सम्मित्त का कारण है कि स्थाप्वॉक्स सम्मित्त का विश्वत वाधार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकत है, एंडे क्रव्यान क्रिक्स का पंत्रह प्रतिकत से निधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्थितों (अन्तरितयों) के बीच एंसे अन्तर्य के सिए तम पाया गया प्रतिकत निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुर्इ किसी जाय की वाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिष्; ऑर्/मा
- (क) एती किसी नाय या किसी धन या नत्य नाहित्यों को चिन्हों भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, यर भव-कार विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया का किया का बाब का किया के विश् त

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की आरा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. फरेरा एण्टरप्राइसेम

(अन्तरक)

 श्रीमती मोनीका सिंग श्रीर श्रीमती सागरेट स्ट्राचन

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत स्पना के रावपत्र में प्रकाशन की दारींच वे 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति भे हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यभा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पका है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 51, जो पाँचवी मांजिल, सेवीस बिल्डिंग, प्लाट नं० 54, सेंट पोल रोड, वान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैपा कि ऋ०मं० अई-2/37ईई/28339/85-86 क्रोर जो अक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-12 1985 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्ब**ई

नारीख: 11-8-1986

प्रारूप बार्ड दी एन एस २००५ ५५ ५५ ५

मारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) में सभीन सुचना

#### भारत तरकार

#### कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगरन 1986

निदेश स० अई-2/37ईई/28140/85-86--अतः मुझे, लक्ष्मण धास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त फिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क. से स्थिक है

श्रीर जिसकी संख्या थाप नं० 4, मीकासा बिल्डिंग, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिनका रारनामा अधिकारी अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है, तारीख 6-12-1985

को पूर्वीक्त सभ्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और

मुभे यह विषयास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रति-फब से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्निनिस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्र

- (क) जनसरण से धुर्द किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितियम के जभीत कर देने के जनसरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बर
- (क) एसी किसी बाय था किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के बिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. मैसर्स देवेन्द्र कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. रेन ड्राप्स रियल इस्टेट प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित थी अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

#### अवत श्रम्पति के वर्षन के सम्हत्य ये कोई भी वाक्षय :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिंपियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ हैंगा जो उस अध्याय में दिया

#### मन्स्ची

णाप नं० 4, जो, मीकासा बिस्डिंग, चौबीसवा रोड बान्द्रा, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि० स० अई-2/37ईई/28140/85-86 फ्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 6-12-1985 की रिजल्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2; बम्बई

दिनांक: 11-8-1986

## प्ररूप वाहर्ः टी एन एक .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निर्राक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त, 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/28320/85-86—अत: मझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या पर्लंट नं० सी०-1, सेनसेड अपार्ट मेंट, अम्बई-52 में स्थित हैं (श्रीप इसमें उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीप पूर्ण रूप में विश्वत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई में रिएस्ट्री हैं, तारीख 13-12-1985

फो प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्चोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (का) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्म लास्तियों को जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- 1. श्रीमती प्रीती अहलूवालिया

(अन्तरक)

 श्री विजय कुमार गोयल श्रीर श्रीमती यवर गोयल

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

4. उपकार कीर प्रदुमन सिंह अहल्वालिया (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाड़ा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्डीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा खो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **ग**न्स्**यी**

फ्लैंट नं० सी--1, जो सेनसेड अपार्टमेंट, 318, खार पाली, हील रीड, अम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि स० अई-2/37ईई/28320/ 85-86 सीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्सई द्वारा दिनांक 13-12-1985 को रिलस्टर्ड किया गया है।

> लंक्पण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिन्तांक: 11-8-1986

#### प्रस्तु आर्ड .टी . यून . एसं . -------

# कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आम्कर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 श्रगस्त 1986

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, रैंज्यका उचित आजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 2, इमारत नं० 1, महेश्वरी दर्शन मान्ताकुंज (प) अम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्णस्प से विणित है), श्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कहा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिन्स्ट्री है, दिनांक 30-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ब्रितिक्स के लिए अन्तिरत की गई है और नुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से निवास से अधिक है जीर अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से कांचित नहीं किया गया है दिन्स

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबतः, उक्त जिथितियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी बाय मा किसी भग या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया शाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

जत: कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उतक्काः (1) हे अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, सर्वात हे⊸ः (1) ललीतचन्द्र एन० शाह

(अन्तरक)

(2) समृती निमग हो म

(अन्तरिसौ)

(3) अन्तरितियों । (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए न्यार्थवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इंड सूच्या के राज्यन में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्वादर सम्मति में हिल-कृष किसी क्या व्यक्ति इवारा क्योहस्ताक्षरी के वास विवित में किए वा सकते।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जिथिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलट नं० 2, जो इमारत नं० 1 महेग्बरी दर्शन को० श्रॉपरेटिव हार्जीसंग सीसायटी लिमिटेड, एस० बी० रीड, मान्ताकुज (प), बम्बई 400054 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि० सं०  $\xi-2/37\xi\xi/28970/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक <math>30-12-1985$  को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनाँक: 11-8-1986

मोहर -

# प्रकृत कार्य 🗗 हो । पुत्र 🗸 🐯 🖼 🖼 🖼 🖼

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूच्ना

#### बाह्य संस्था

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, जम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/28056/85-86—श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंबे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रांर जिसकी संख्या क्लाट नं 294, विलेज मोगा, अन्धेरी (पु), बम्बई में स्थित हैं (श्रांर इससे उपाबद अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रांर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 6-12-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपोत्त का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयं की भावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए था, फिपाने में धृषिधा वै विका

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
10—246 GI/86

 श्रीमती अमृत कौर बूंदासिंह कोहली श्रौर स० हरदेव सिंह कोहली

(अन्तरक)

2. मैसर्स मी० के० बिल्डर्स एण्ड डेबलपर्स

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

की यह सुचमा चारी करके पूर्वोक्त सञ्चल्ति के अर्चन के लिए कार्वदाहियां करते हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्वतः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाहा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकनी।

स्थाकिरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उपन जिथिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### मनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका पाट नं० 294; मोगा विलेण; महाकाली के व्हज रोष्ट, अन्धेरी (पु), बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई--2/37ईई/28056/85-86 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख: 11-8-1986

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना 1. मन्तम (इण्डिया)।

(अन्तरक)

2 दिप्ती बिल्धर्म।

(अन्नरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, धम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/28806/85-86-- अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 224, 225, 225/1, अन्धेरी (पु), बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपा बढ़ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री हैं तारीख 27~12~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिक्ति बाजार मूल्य, इसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूत्रिथा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपच में प्रकाशन की गराच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताकशों के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

हमण्डिकितरण : → ६ समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० 224, 225, 225/1, विलेण चकाला, अन्धेरी (५), बम्बई है अनसूची जैसा कि ऋ० सं० धई 2/37ईई/28806/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-12-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 11-8-1986

# **। इन बाइ** क्या देश प्रश्नात पराञ्च चन्त्रन

बायकर ब्रीमिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारत 269-म् (1) में ब्योन बुम्मा

#### BOUND STREET

# कार्यांत्रक, तहायक बावकर वायुक्त (निर्शामण)

श्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986 निदेण सं० अई-2/37ईई/28367/85-86-श्रतः मुझे, लक्षमण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसकें परचाध् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269 के में अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विश्वका संजित वाकार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

न्नीर जिसकी मं० प्लाट मं० ए-46, मरोल इंडस्ट्रियल एरिया, न्नांधेरी (पु०), वभ्बई-93 में स्थित हैं (न्नीर इससे उपाबद्ध न्नासुची में न्नीर पूर्ण रूप से विणित हैं), न्नीर जिसका करारनामा न्नायकर अधिनियम की धारा 269 कख के न्नधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 13-12-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरवमान प्रतिकल को लिए बन्तरित की नहीं है जीर मुक्ते यह विद्याल अरमें का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मित का अचित बाजार श्रुच्च, उसके दरवमान प्रतिफल से एसे द्यायमान प्रतिफल का बच्चह प्रतिचत से अभिक है और अंतर्क (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीकल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक अप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जनतरण से दूर किसी जाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; बौर/शा
- [क) ऐसी किसी नाग या किसी भन या जन्य नास्तियाँ को जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त निधिनयम, यह जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया नाना थाहिए था, जियाने में स्विष्ण के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री हसनली राजाबाली लखानी श्रौर फ़रीदाबाई हसनली लखानी।

(अन्तरक्)

(2) श्री लत्त् पाली जयपाल रेड्डी ग्राँर श्रीमती ललिता जै० पठारे ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष्
कार्यवाहियां गुरू करता है।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पह स्थान की तामील के 30 दिन की नृत्रीय, यो भी स्विधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- [व] वृष्य वृष्या के राज्यम् के प्रकारम् की वारीत से 45 दिन् के भीत्र स्थान् स्थान्त स्थादित में हित-स्थाप् किसी नन्य स्थान्त द्वारा, स्थाहस्तास्यों के पात सिवित में किए जा तकाने।

## अनुसूची

प्लाट मं०ए-46, जो मरोल इण्डस्ट्रीयल एरिया, महाकाली रोड, च/क'(ला, ग्रंधेरी (पु), बम्बई-400093 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कर मं अई-2/37-ईई/28367/85-86 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 11-8-1986

मोहर 🛭

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 ध्रगस्त 1986

निदेश सं० अई--2/37-ईई/28250/85-86-- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत निधिनयम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलेट सं० 5, शाराधना १ पार्टमेट, शर्रि (पु), बाबई 69 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रृमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करावनामा शायकर श्रिधिनयम की धारा 269 कल के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य उसके रुखमान प्रतिफल से, एसे रुशम्मान प्रतिफल को पन्द्रस् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अंतरण कि बिक्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) उन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; बार/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

बर्क जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक बैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) बैं अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिक अधीत क्रिक (1) भैसर्स एम्मे एण्ड एसोशिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीकैलाश श्रार० गुप्ता ग्रीर। श्रीमती मृदुला के०गप्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन करें अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यानित ब्यानित व्यक्ति स्
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्यों कर, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# मनुसूचीं

पलेंट सं० 5, जो पांचवी मंधित, श्राराधना श्रपार्टमेंट, श्रंधेरी-कुर्ला रोड, श्रंधेरी (पु), बम्बई-400069 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैमा कि क० म० श्रई-2/37ईई/28250/85-86 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी,बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजीन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 11-8-1986

मोहर

प्रकप भाइ<sup>ति</sup> हो . एन्<sub>स</sub> एस<sub>ले</sub> -----

# नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्षी भारा 269-व (1) के नभीन सुवना

#### प्रारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निर्दाक्तण)

ग्रर्जान रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रगस्त 1986

निदेश मं० ऋई-2/37—ईई/28671/85—86——ऋत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर जींपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रा. 1,00,000/- से अधिक है

श्रीर निपकी मं० 12 पत्रेटस, शेर-ए०-पंजाबी सोसायटी, श्रधेरी (पु), बन्बई-93 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणान है), श्रीर जिसको क्यारनामा श्रीयकर श्रधिनियम की धारा 269 क्या के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 23-12-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और असरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया घितफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दादित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और्√या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ बन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा चे किए;

क्तः शव, उक्त विभिनियम की भाग 269-ग की अनुसरक वी, मी, उक्त विभिनियम की भाग 269-ग की उपधारा (1) के वधीन, निस्तिसित व्यक्तिकों, वर्धात् क्र--- (1) मेसर्स एवरेस्ट एसोसिएटस ।

(श्रम्त स्कः)

(2) मेमर्स लारमन एण्ड टूबो लिमिटेड ।

(ऋन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंचे।

स्पक्तीकरण: ----इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### सन सची

णेर ए-पंजाबी को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी में 12 कर्ने दा, जो महाकाली केरोड, ग्रंधेरी (पु) बम्बई-400093 में स्थित है ।

ग्रनुमुची जैमा कि कि सं ग्रह—2/37ईई/28671/85— 86 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-12 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 11-8-1986

प्रकथ कार्यु टॉॉ इ एन इ धूस ३ ×-----

नायकर निधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थाना

#### माउठ चडकाड

# कार्यांत्रम, सहामक भागकाडु मान्यत (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1986

निर्देश सं० अई--2/37ईट्ट्रश्र28582/85--86---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके वर्षणात् 'उथत निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निध्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का अधित वाकार मूक्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 32, तीसरी मंजिल, विलें पालें (पु), बम्बई-57 में स्थिरत है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 23-12-1985

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बचापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे अवसान प्रतिकल का प्रमुद्ध प्रतिकत से विभक्त है कोर वह कि संतरक (संतरका) बीर संबर्धिती रिती (जन्तरितिका) को बीच एसे बन्तरण के लिए तब पावा नया प्रशिक्तन, निम्निजिबत उद्देश्य है उन्त बन्तरण कि बित को नास्तरिक कम से कि बत महीं किया नया है हम्मे

- (क) सन्तरक से हुई किसी बाय की बावस, जक्त वीधनियंत्र के अधीन कर बने के अस्तरक से दायित्व में कभी करने या उत्तरों बचने में सुविधा के किए; बॉड√वा
- (थ) एसी किसी थाय वा किसी थन ना बन्य बारितयाँ को, जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निए;

सतन्न जब, उक्त अधिनिषयं की भारा 269-म के अनुसरण में, में', उक्त विभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) में सभीत, निम्नलिभित व्यक्तियों, अर्थात उ— रोजलैंड डेवलपरस प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्सरक)

2. धनश्याम चम्पक लाल भाटिया ग्रांर बालकीशन चम्पक लाल भाटिया।

(अन्तरिती)

को यह बुचना पार्टी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के वर्जन के क्षिण कार्यवाहियां करता हुं।

करत कम्परित से सर्वंप के सम्बन्ध में कोई भी कार्योप ड्रम्म

- (क) इस स्वका के उपयम में प्रकारन की तार्रीय हैं 45 दिन की मनीथ या त्राम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ स्वका की तामील से 30 दिन की संबंधि, को भी नवीथ बाद में समान्य होती हो, के प्रीतर पूर्वोक्स स्वकारों में से किसी स्वक्ति द्वारा
- (क) इत सूचना के हाजपन में प्रकावन की दारीक के 45 दिन की भीतर उक्त स्वावत सम्मत्ति में हितबव्ध किसी अन्य स्पायत द्वारा अधोहरताक्षरी के पास सिवित में किए का सबीने ।

रच्यां करण: — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो अवस्थ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित ही, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दियाः नया ही ॥

#### भारती

पलैंट नं० 32, जो तीमरी मंजिल, सीटी एस० नं० 193, हिस्सा नं० 14, बो० पी० 197, एफ० पी० 194, टी० पी० एस० 5, विलें पार्ले (पु), धम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैया कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/28582/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी; सहायक आककर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 12-8-1986

# प्रथम बाह् छ हो। हुन्। हुन्।

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बधीन सूचना

#### PIET SETTI

# कार्यान्तर, सहारक जायुक्त कायुक्त (विद्रांशक)

धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निर्वेश सं० अई--2/37ईई/28189/85--86 ---अतः मुझें, लक्ष्मण दास,

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैटस नं० 2, विले पार्ले लीला प्रिमायमेस विले पार्ले (प), बम्बई ₹56 में स्थित हैं ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बाँगत हैं, (श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 9-12-1985

को पूर्वोचल सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सम्तरण वे हुई किसी बाव की शावत, वक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; बाँड/या
- (अ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भत्तक अस, उक्त सीधीनियम की भारा 269-म सी समुक्रस्य माँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उद्धारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित स्यक्तियों, अभृति :---  कीति कांतीलाल पारेख श्रांर श्रीमती भारती भारत पारेख

(अन्भरक)

2 श्री अजीत कांतीलाल पारेख और श्रीमती अमिता अजीत पारेख

(अन्तरिती)

को बहु बुचना भारी करके पूज्यें का संपरित के नर्धन के बिए कार्यवाहियां कार्या हैं।

# तक्य कमरित के वर्षन के बुम्बल्य में कोई भी वार्कप्र--

- (क) इस प्यता के राजवन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की क्विति या तरसम्बन्धी व्यक्तिकों दश भूजना की तामील से 30 दिन की नवधि,, जो भी अध्यक्ति नाव में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्यों कह क्युश्चित्रकों में से किसी व्यक्ति वृत्याराह
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबहुक किसी अन्य स्थावत स्वारा जभाहस्ताकारी में गांस निवाद में विशेष का सकेंचे।

स्पथ्डीकरण : इसमें प्रयुक्त शन्यों और पवां का, भो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

पर्लंट नं० 2, जो तल मंजिल, विले पार्ले लीला प्रीमायसेस को-आप सोसायटी लिमिटेड, एस०जबी० रोड, जी० टी० सी० के सामने, विले पार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित है।

अनुसूची जैमा किश्कि सं० अई-2/37ईई/28189/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2, बम्बई

तारीख: 11-8-1986

मोहरः

# प्ररूप नाह<sup>र</sup>ु टी<sub>य</sub> एत्. एस<u>.</u>------

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निर्देश सं॰ अई-2/37ईई/28192/85-86 ---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या प्लैंट नं० 5, मजदा चमन सोसायटी, सान्ताक्षुज, (प), बम्बई--54 में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर्ग्रीजसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 9-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे खरमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के िलए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्निचित्रत व्यक्तियों, अर्थात ६श्रीमती कपिला महीपतराम भट्ट श्रांद श्री महीपतराम जी भट्ट

(अन्तरक)

2 श्री कीति कांतीलाल पारेख श्रींर श्रीमती मीता कीति पारेख

(अन्तरिती)

कोर यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

फ्लैटस नं० 5, जो दूसरी मंजिल, मजदा घमन को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, दत्ताह्रय रोड्¶ सान्तात्रुज (प), बम्बई--400054 में स्थित है।

श्रनुसची जैसा कि क० यं० भ्रई-2/37 ईई/28192/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 11-8**-198**6

\_\_\_\_\_\_

## मक्य बाह्".टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बइ, दिनांक 11 अगस्य, 1986

निर्देण मं० अही-2/37हेई/28096/85-86—अत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उन्वित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

स्रोर जिपकी संख्या फ्लैट नं० 501, मामैद बिल्डिंग, जूहु, बम्बई—58 में स्थित हैं श्रीर (इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण ख्या से विणित हैं), श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रुजिस्ट्री है, नारीख 6—12—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का भद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चरित्र था, िक्याने में सूविधा के के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनूसरणं में में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की चुणधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता :——
11—246 GI/86

1. श्री अमीर अब्बूल कादर

(अन्तरक)

2. श्रीमती कम्नीमा मौनूशीन लोखण्डवाला।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

क्षो यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्स उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

#### वनसर्वी

पर्लंड नं० 501, जो, पांचवी मंजिल, मरमैद बिल्डिंगः जुह रोड, जुह, बम्बई-400058 में स्थित हैं।

अनुसूची जैमा कि ऋ० मं० अई-2/37ईई/28096/85-86 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-1985 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 11-8-1986

प्रकृष् आहे . टी . एन . एस . ------

भागकर भाषितिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) जे भाषीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यासम, सहायक जायकर नाम्क्ट (निहक्किक) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/27917/85-86 --अनः, मुझे, नक्ष्मण दास,

ायकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, कई धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्ताम कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 201, वसुन्धरा जुहु, बम्बई 49 में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 5-12-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितफल को लिए अंतरित की गई है बार मुफे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्षत से जिथक है और जंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाया नमः गितफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त कन्तरण निकित के बास्तिक रूप से कलित नहीं किया बबा है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोनें के अन्तरक श दायित्व में कासी कारमें या जसमें तकने में गाँग के सिए: और/मा
- (थ) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिल्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया स्वा था है। किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के दिन्

भराः चया, उक्त सीधीनवज्ञ की धारा 269-ग के अनुसरण में, बी., वक्त सीधीनवज्ञ की भारा 269-म की उपवारा (1) हे संधीय, निम्नलिकित क्यांक्समीं, अर्थात :--- 1. मैं सर्स विकास डेवलपर्स

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीना यहगल

(अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके प्रांक्त सम्मत्ति को अर्थन के स्थि कार्यमहियां सुक करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण:----ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त निधिनियम खें नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नधीं होगा को नध्याय में दिना गया हैं।

#### वन्स्ची

फ्लैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, प्लाट नं० 14, 22, बभुष्धरा, जानकी शुटीर, जुहु, बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/27917/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांत 5-12-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दा ः सक्षम प्राधिका री नहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बाई

दिनांक: 11-8-1986

प्ररूप बाइं. टी. एम. एस.----

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन सुचना

भारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 11 ग्रगस्त 1986

निर्दोश सं० ऋई-2/37-ईई/27938/85-86--अत: मुझे, तक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. स अधिक है

ग्रीर जिसकी संव बंगला नं 22, गोल्डन बीच बंगलो स्कीम, जुहू बम्बई-49 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप सं विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 5-12-1985,

कायालय वस्त्रइ में राजस्ट्रा हु, दिनाक 5-12-1985, को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी नाम की नामत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरों क्याने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्) एसी किसी जाय या किसी धन का जन्य आस्तियों करे, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा पकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिध के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मनसूर फ़ीदाहुसेन लुकमानजी श्रौर रीयन जफरर्ल रहीम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुरमीत कीर बक्षी श्रीर श्रीमती दरोपतीर्दिश बी० बक्षी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

तक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स स्थिक्तों में से किसी स्थिक्त द्वारा;
- (सं) ६स सूपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उत अध्याय में दिया श्या भया है।

### अनुसूची

"बंगलो नं० 22, जो गोल्डन बीच बंगलो स्कीम, रूईया पार्क रोड, जुहू बम्बई-400049 में स्थित है ।

ग्रन् सूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/27938/85-86 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लंक्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 11-8-1986

## प्रकार केल्यां, द्वी, स्वा, प्रकार कराया

# बाबकुट विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पादा 269-व (1) के वधीन कुल्या

## शास्त्र स्टब्स्ट कार्यन्त्, रहारक नायकर नाय्क्ट (प्रितिका)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 श्रगस्त 1986 निर्देश सं ग्रई-2/37ईई/28000/85-86---ग्रनः मझे, लक्ष्मण दास,

भायकार अभिनिष्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमी इसके परमात् 'उनत अभिनित्रम' कहा गया ही, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का आहम ही कि स्थावर संपत्ति, विश्वका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अभिक ही

ग्रीर जिसकी सं० फ्लंट सं० 1,2,3 सुख-सागर, जे० बी० पी० डी० स्कीम, बम्बई-49 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद श्रन्-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है, ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम की धारा 269 कख के ग्रीधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्मिति के उणित बाजार मूल्य से कम के धरममान प्रिक्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उजित बाजार मूल्य, उसके असमान प्रतिक्त से, एसे अयमान प्रतिक्त का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिक्त, निम्मिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिसित वे वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम् से हुई कि सी माय की वाबतः, उर त मीनिष्यम् से ब्यीतः कड़ दोने से वृत्युरक से दावित्य में कमी करने वा उत्तते व्यन में सुविधा से सिदः की रू/या
  - (वा) ऐसी किसी भाग या किसी भग या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, खिपाने में दिन्या के जिए;

बतः बन, उन्त विधिनियम की भारा 269-म के बन्√रण में, भी, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :——

- (1) श्री ईपवर दयालदास केवलरमानी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कन्हैया लाल सी० मलूकानी,श्रीमती राजकुमारी के० मलूकानी श्री रघुनाथ सी० मलूकानी, श्रीमती शीनल ग्रार० मलूकावी, श्रीजगदीश सी० मलूकानी श्रीर श्रीमती कमला देवी मी० मलूकानी (ग्रन्तरिती)

नो बहु सूचना बारी करके पूर्वों कर सम्मिता में वर्षन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

## बन्ध बन्धरिष्ठ के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षण :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की वनिष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकिर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शर लिखित में किए जा सकोंगे।

अब्दोक्टरणः——इसमें प्रयुक्त शुन्दों और पर्यों का, जो उन्द् अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

"पलैंट सं० 1, 2, 3, जो तीसरी मंजिल, मुख-सागर, ग्रेंटर बोम्बे को० प्राप० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, चौथा मूल मोहर क्रोस रीड, प्लोट सं० 10, जे० बी० पी० डी० स्कीम, बम्बई-400049 में स्थित है।

श्रन्स्ची जैंसा कि कि से श्रई-2/37ईई/28000/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अपन्दई द्वारा दिनांक 6-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, क्मबई

दिनांक : 11-8-1986

# प्रक्ष वार्ष . वी . पून . पूर्व . .......

# नायक्र अभिगियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से अभीन सूचना

#### भारत सरबार

# कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेग-2, बम्बई अम्बई. दिनांक 11 प्रगस्त 1986

निर्देश सं० ग्राई-2/37ईई/28012/85-86--श्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

त्रोर जिसकी सं० पलैंट सं० 403, बीच हेवन-1, जुहू, बम्बई-54 में हियत है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिलत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर अधिनियम को धारा 269 ब, खंक अधीन सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 6-12-1985

न्ते पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृत्रोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त बंतरण निवित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावरा, उच्च अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीम बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ किए;

सतः वन, उक्त आधिनियम, की भारा 269-ग के जनुसरणी में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मोहन मूर्ति शंडील्य।

(ग्रह्धस्रक)

(2) श्रीमती सूमशी वैद्यनाथन श्रीर श्री कृष्णामूर्यी वैद्यनाथन ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती ग्रीर उनके परिवार के सदस्य । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी माओप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक भी
  45 दिन की सविध या तत्संबंधी व्यक्तियों ९२
  स्थान की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी
  अविध बाब मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन के भातर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब हुभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पर्दों का, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

प्लैंट नं 403, जो चीथी मंजिल, नेरेल के साथ, विंग 1, बोच हेवन-1, सील्वर बीच हेबत-1 को ब्रायण हाउसिंग मंजियटी निमिटेड जुहू तरा गाँड, जुहू, बम्बई-400054 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/28012/ 85-86 ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रोज-2**, बम्बर्ध**

दिनांक : 11-8-1986

भोहर:

# **हरून शाद**ेत को <sub>स</sub> एक , एक ,

# बायकर बर्डिपरिचयन, 1961 (1961 का 43) की वारत 269-म (1) के बचीन क्यान

#### HIVE STATE

# कार्यात्रव, ब्रह्मयक बादकर बाव्यत् (निर्देशक)

श्रर्जन रंज-2, बम्बई

र्ब बई, दिनांक 11 श्रगस्त 1986

निर्देण सं० ग्रई-2/37ईई/28303/85-86-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० चलट नं० 203, संगर सम्राट, ज्हू, बम्बर्ड में स्थित है (स्रीर इपसे उगाबद्ध अनुसूची में स्वीर पूर्ण रूप से विणित है, स्रीर जिसका करारनामा स्थायकर स्विनियम की धारा 269 कब है प्रशोत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रिजस्ट्री है दिनांक 12-12-1985

की पृथींकत सम्पत्ति के जीपत बाजार मून्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के सिए जन्मित्त की पद्म है और जुन्ने यह विज्ञास करने का कारण है कि बचाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार जुन्य उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिपत्त से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्द्रश्य के सिए स्थ पाया गया प्रतिफल किन्द्रिक ध्याप्तिक से बन्दर बन्दर्भ जिन्द्रिक से बन्दर बन्दर्भ जिन्दित में वार्तिक रूप से जानित नहीं किया गया है क्रून्य

- (क) मन्तरक ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्त जीवीनबस के अभीत कर देने के बस्तरक के स्वित्व में कभी क्स्के वा बच्चे वचने में बुविधा के लिए: और/मा
- ध) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर संधिनियम 1922 (1922 का 11) का अन्य विधिनवर्स, वा धन-कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था वा विधा जाना धनीहर था, क्याने में स्थिया के शिक्षः

बतः वब, उक्त विधिनिक्क, की भारा 269-त विश्वनृतरक ् की, प्रक्त विधिनिक्स की भारा 269-व की उपसारा (1) प्रक्रीन किन्निसिक व्यक्तियों, वर्षात् ⊞— (1) श्री एन० सी० दत्ता

श्रन्तरक)

(2) श्री पी ० एम० बांबोर्ली

(ग्रन्तरिती)

की वह सूचना चारी करके प्वीवत संप्रीत के वर्षन वी निष् कार्यवाहियां करता हो।

# राज्य सम्मरित में अर्थन से सम्मरूप के आहे ही बासीए।--

- (क) इस स्वता के राजका में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर सक्त स्थायर संवरित में हिस्तनस्थ किसी बन्द स्थित द्यारा, अभोहस्साक्षरी के पाम निवित् में किस् वा स्कॉमे।

स्पक्तीकरण: ---इसमें प्रवृक्त कथ्यों और पदों का, आं उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्था हैं।

### अनुसूची

पनैट सं० 203, जो सागर सम्राट, जुहु, बस्वई में स्थित है

ग्रनुसूची जैमा कि ऋं० सं० ग्रई-2/37ईई/28303/85-86 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-2, **बम्बई**

दिनोक : 11-8-1986

मोहरः

प्रकृप बाइं.दी.एन.एस.-----

भावकर व्यापित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीत सुचता

#### भारत परकार

धार्मासम, सहायक नायकर नाय्क्स (निरक्षिण)

अर्जन रेज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/28496/85-86—अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

ग्रांर जिसकी सं० पलट नं० 10, कमल कुंज, जे० बी० पी० ही० स्कीम, बम्बई - 49 में स्थित हैं ग्रांर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित हैं, ग्रांर जिसका करारनामा आयण अधिनियम, की धारा 269 कस्त के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 19-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के श्रियमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और भूमें यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसको दश्यमान प्रतिफल के, एसे श्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभाग से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) मीर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, मिस्निनिश्चत उच्चेष्य से उक्त बन्तरण निश्चित में बास्मिनिक के स्थित कहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुवाँ किसी आय की, वाधत, उक्त श्रीवित्यप्र के अधीन कर दोने के अंत्रक के दायित्व में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एँसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए?

अत: अर , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं. वै. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थीन :—

(1) श्री राजेन्द्र बी० पटेल

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमथेश एस० मेहता, नेहा पी० मेहता श्रांर शिरीण आर० मेहता ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना वादी करको नृथीयत संपत्ति के वर्णन के किए कार्यवाहियां सूच्य करता हूं।

डक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी क्यक्ति :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना क राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर जनत स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ सिखित में किए चा सर्कों में।

स्वव्यक्तिकरणः इसमें प्रमुक्त बब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्भ होगा जो तस अध्याय में दिया। गया हैं।

#### मभूस्ची

फ्लैंट सं० 10, जो तीसरी मंजिल, कमल कुंज, विद्यानीधी स्कूल के सामने, जे० वी० पी० डी० स्कीम, बम्बई—400049 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/28496/85-86 श्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 19-12-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, बम्बई

दिनांक : 11-8-1986

अस्य **वार्त**ः सी. एव*ः दश्च - ४४ - ५-*

# बायकार वाधिनियम, 1961 (1961 को 43) की बाह्य 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यक्षित्र, सहायक जायकर कार्यस्त (निद्रीकर्ण)

अर्जन रेंज−2, बम्ब**ई** 

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-2/37-ईई/28669/85-86--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य !,00,000/- रु. से अधिक है

म्रांर जिसकी स० पलैट सं० 10, नरेन्द्र अपार्टमेंट, मान्ताकृज, सम्बई में स्थित हैं (म्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं,) म्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 करा के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी हैं, दिनांक 23-12-1985

को पूर्वोक्क सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य हे कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्मत्ति का प्रतिफल वाजार मृत्य, इसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐ हे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस उनस अधिनियम को संबीच कर दोने के अन्तरक को दासिल्य में कसी करने या जससे अधने में अधिका की जिल्ला परि/या
- (क) ए'ली किसी बाब वा किसी धव वा अन्य आस्तियों को, रेबन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अंदः शंधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रोमती हिरावती वालजी दोदीया, श्री नरेन्द्र यालजी दोदीया, श्री हरणद वालजी दोदीया ग्रीर कीरन वालजी दोदीया, श्रीमती हंगाबेन एम० पारमान ग्रीर श्रीमती नाराबेन नन्द्र दोदीया

(अन्तरक)

(3) हिन्दुस्भान भिका लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

(3) श्री मंतोष कुमार (बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ हैं)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

## तकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप ्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बदिध, जो भी धविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट सं० 10, जो तिसरी मंजिल, नरेन्द्र अपार्टमेंटम, सीं०टी० सर्वे सं० 238, टी०पी० एस० 3, मान्ताऋुज, बम्बई में थित हैं।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/28669/ 85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेजि–2, बम्बई

दिनांक : 11-8-1986

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन: एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

# भारत सरकार

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/28613/85~86---अत: मुझें, लक्ष्मण दास,

नायकर निर्धानयम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के जनीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर रक्ष्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से निधक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 205, जुहू सी शेल, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है, श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में "जिस्ट्री है, दिनांक 23-12-1985

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित्र साधार मूल्य में कम को रहसमाम प्रतिकास के जिए संतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्तह रिवास में सिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पासा स्या पतिकाल, विश्वनिवित्त उक्वेष्यों से उसत अन्तरका जिल्लि में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है "—

- (क) कम्लुड्रम से हुइ किसी काम की कावस, उपर भीपिनिस्य के अधीम कर को से अलारक के सायित्व में क्यी एरने या उससे बचने में स्थिश के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी घन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योधनार्थ अन्तरिती वृत्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में नृतिया के निन्छ।

(1) श्री ललिंक मल्होता ।

(अन्तरक)

(2) श्री सर्वजीत सिंग आर

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (ह) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

ह्याख्योकरणः----इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदीं कां, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट सं० 205, जो जुहू सी शेल को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्रीन फील्डन जे० बी० नायर रोड, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/28613/85-86 घौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 23-12-1985 को रजिस्ट बें किया गया है।

लक्ष्मण दास स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज्⊸ **, क्षम्बई** 

दिनांक: 11-8-1986

# प्रकार वार्<u>ष</u>े हों. प्रवाह पुरुक्त वार्षा

# हावक्ड श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-व (1) के नधीन सुचना

#### नारुत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

घम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/28182/85-86—-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

श्रायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 10, सान्ताश्रुज वेस्ट व्हीयू सान्ताश्रुज (प०), बम्बई 54 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिन्द्री हैं, दिनांक 9-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रह्म, उशके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रस प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिका) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया चया अतिकल निम्नितिका उद्देश्य से उक्त अंतरण किविक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) सन्तरण संहुद्दं किसी शाव की शावत, उच्च स्वित्यस के अधीन कर दोने के अस्तरक को वासिस्त में कभी करने या उसते वचने में स्विधा के लिए; आंद्र/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया क्या वा वा किया जाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के किए;

बत: सब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बं, जं, उक्त विभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) बे ल्पोब, निम्मसिबित स्वित्वां, वर्षाय ३--- (1) श्री अफोक हरीशम कपूर ।

(अन्तरक)

(2) डा० अमृतलाल जीवराज देधीया

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वृर्वन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हित्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक तिबित में विष् जा मकरेंगे।

स्वन्दीकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं अर्थ होगा वो उस् अध्याय में दिवा सवा है।

## वनुसूची

पलैट सं० 10, जो दूसरी मंजिल, सान्ताऋज वेस्ट व्हीयू को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 59ए, स्वामी विवेकानन्द रोड, सान्ताऋज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/28182/85→86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दासः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , बम्बई

दिनांक : 11-8-1986

# त्रसम् भार्*त*् र<u>्षः एतः एव<sub>्य</sub>य्यास्यस्य</u>

# नायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) वे भूभीन सूच्या

. भारत सरकार

# कार्याज्य, सहायक भावकार बायुक्त (रिन्टीक्ज)

ग्रर्जन रेंज−2, **बम्बई** 

बम्बई, दिनांक 11 भ्रगस्त 1986

निर्देश मं० ग्रई-2/37-ईई/28587/85-86---श्रतः मुझे लक्ष्मण दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाड़ा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोरिशतकी संजपनैट नंज 13, घरम ज्योत नंज 4, जुहू, बम्बई 49 में स्थित है (स्रोरइससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कला के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 23~12—1985

न्त्र' पृथितिक संपत्ति के उपित बाबार मृस्य सं कम के क्रवधान श्रीतिक के निए अन्तरित की गई है और मुओ वह विश्वास का को का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाबाड़ न्स्य, उसके श्रवमान प्रतिक न से एसे श्रवमान प्रतिक न का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-दिवस के बचीन अध धेने ये बन्दरक के वादित्व भी सभी करने या उबसे बचने में बृदिया के दिवसे। संदर्भन
- (क) एकी किसी बाब वा किसी वन वा जन्म वास्तियों की, विन्हें भारतीय वायकर वीधनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत विधनियम, वा धून-कर वीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अक्टरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या वा वा किया बाग वाहिए था, कियाने में बृह्मिया के किए।

बतः अवः, उत्कतः अधिनियमं कौ धारा 269-गं के अनुसरण वै, मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) वे अधीन, जिम्मिलिखिट व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्रीमती गुरमीत कीर बक्षी श्रीर श्रीमती दरोपती देवी बी० बक्षी।
  - (ग्रन्तरक)

(2) श्री गौतम राव

(भ्रन्तरिती)

को नह कुणना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्थन के विध् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# क्क्स बुक्स्ट्रिंस को बुक्त को सुक्त्रका में कोई श्री नार्क्ष p---

- (क) इक् ब्यूना के राजपन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की बर्गीय ना तत्सम्बन्धी कावित्यों पर ब्यूनस की तारीक से 30 दिन की नगिय, को भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ड कावित्यों में के किसी कावित ब्यास्ट;
- (व) इब सूचना के शवनव में अकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर अन्द्र स्थानर संपत्ति में हित-बहुच किसी बन्य स्थानत द्यारा अधोहस्ताकरी के पास निवित्त में किए या दकोंने।

स्वक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

#### अनुसूची

फ्लैट सं० 13, जो धरम ज्योत मं० ४ ए० बी० नायर रोड, जुह, बम्बई-400049 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क॰सं॰ श्रई-2/37-ईई/28587/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्ब**र्द**

दिनांक: 11-8-1986

# ध्रम्य आर्ड्डें टॉ. हर्ये एर्ड्डिंग्स्थान

बायकर ब्राॅंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशिष)

श्चर्जन रेजि-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986 निर्देश सं० श्चई-2/37ईई-/28291/85-86--श्चतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसनें परणार 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की धारा 269-च के वधीन स्थम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेंद्र सं० 101, गजदार श्रपार्टमेंट ए, जुहू तारा रोड, बम्बई 54 में स्थित है श्रीर इससे उपाबस सनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 12-12-1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रितिक के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्दरम् से हुई फिक्सी आप की बाव्य<sub>ा</sub> स्वय मुक्तिस्का के अपीत् काड होने के अन्दरम् से शामित्स में कमी कड़ने ना क्याचे नजने में सुनिधा में किए; मुडि/मा
- (च) ऐसी किसी जान या किसी भन ना जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयु-कर न्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिन्यम, वा अप-कर निधिन्यम, वा अप-कर निधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्ति हिनार प्रकट नहीं किया निया था वा किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा से लिए।

अतः अवः, उक्तः अधिलियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीरा, विभिन्निकत व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) मेसर्स यसमीन कारपोरेशन

(अन्तरक)

(2) श्री प्रसनभाई प्रानजीवनदास क्रोकर स्रीर श्री जयंतभाई प्रानजीवनदास क्रोकर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मस्ति के वर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

**एवत् सम्पत्ति के नुबन् के संबंध में कोई भी शाक्षेप ह** 

- (क) इस स्वना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की जब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की जब्धि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित-सूच्य किसी जन्य स्थावत द्वारा, अभोहस्ताकरी के वास निवित्त में किए वा सुक्रोंगे।

स्वाह्मीक रण्ड--इसमें प्रधुक्त कृष्टी बृद्धि वृद्धी का, वो उनक विभिन्तियम के कथ्याय 20-क में परिभाविश हैं, वहीं वृद्धी होगर मो उस अध्याय में दिया गुमा हैं।

# अनुसूची

फ्लैंट नं० 101, जो पहली मंजिल, गजदार अपार्टमेंट ए, जुहू तारा रोड, बम्बई-400054 में स्थित है । धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० छई-2/37—ईई/28291/85-86 छौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बाई

दिनांक : 11-8-1986

मोहरः

# प्रकष बाइ दौ एन एस : \*\*\*\*\*

बाबकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय , सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

ग्रजॉन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 ग्रगस्त 1986 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/28661/85-86--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 5, मधुबन, विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में भौर पूर्ण रूप से बिणत हैं), और जिसका करारनामा घायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 23-12-1985

को प्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की पर्ड है बार मृझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल् का पन्द्रह प्रांत्रशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितिया) को बीच एसे बन्तरण के निए तब शवा चया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्योग्य से उसत बन्तरण जिल्ला के सम्तरिक्त कप से कीयत नहीं किया व्या है है—

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की वावत, जनक विधिनयद के अधीय कर दोने के बंतरक के दायित वी क्यी करने वा अवसे बजने वो सुविधा के सिए॥ और/वा
- (थ) एसी किसी भाग वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, धन्तुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत् अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अंबरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुनिधा के विस्तृ

नवः नवः, करंत निर्मित्यमं की वादा 209-न के बन्दुहुत वीक् बीक वस्त वीपीमयसं की भारा 269-व की दवधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैंसर्स जी० सी० एण्टरप्राथसेस । (भ्रन्तरक)
- (2) भारत चीमनलाल ठकर श्रीर भावना भारत ठकर (ग्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरक । (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह क्षमा चारी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष कार्यवाहियां शुरू करता हो।

## सक्त सम्पत्ति को अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप द---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की सारीब बैं 45 दिन की स्वीध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी स्पिक्त बुवारा;
- (थ) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीय है
  45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
  किसी अन्य व्यक्ति व्यारा स्थाहस्ताक्षरी के वास
  सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वकाष्टिरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो अवस विभिनियमः, को अध्यास 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्यास में दिया नया ही.

## अनुस्ची

फ्लैंट सं० 5, जो तिसरी मंजिल, मधुवन, प्लाट सं० 9, भ्राजाद नगर सोसायटी, जें० वी० स्कीम, रोड सं० 1, विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुनी जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/28661/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दनांक 23-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 11-8-1986

# प्ररूप बार्च ्टी ्यन ्यस ्वतननननन

नायकुर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भारत स्रकाह

# कार्यातव, सहायक भावकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 श्चगस्त 1986 निर्देश सं० श्चई-2/37ईई/28743/85-86--अतः मुझे, लक्षमण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की जारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वनस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी वं • प्लोट सं • 20, सर्वे सं • 106ए, विले पार्ले, मंधरी, बम्बई में स्थित है (भीर इससे पावद ध्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा आधकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है, दिनांक 26-12-1985,

को पूर्वोक्त तुम्पित के उचित बाजार मृत्यू से कम के स्रयमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का बन्द्रसूप्रतिक्रत से अधिक है बौड़ अन्तर्क (अन्तर्कों), बौड़ अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया क्वा प्रतिफल जिम्नीलिक्स सहदेश्य से उसत अंतरण सिचित में गासक्षिक क्य से कृषित नहीं किया वसा है डि—

- [क) विश्वाल को हुए किसी बाब की वायत् उपक विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; ऑहर/या
- (क) यसी किसी जाय वा किसी भून वा बन्य वास्त्याँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, कियाने में प्रिया के विष्रा

बता जब उक्त विधिनयंश की भाग 269-ग के बनुसरक को को जक्त विधिनयंग की भारा 269-व की उपभारा दृष्टि को जीन, निम्नलिकित व्यक्तिकों, वर्षात प्र— (1) श्री बलदेव राज टी० हंडा।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सैयद मृहम्मद सादीक।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना बा<u>री कहने पूर्वोक्त संपरित के वर्</u>षन की लिए कार्यवाहियां सुरू करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की जबिंग, को और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी ख दे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा, वभोहस्ताक्षरी में पाछ निवित में किए वा सक्तेंगे।

स्यक्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विया गया है।

# प्रनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लोट सं० 20, सर्वे सं० 106ए, नोर्थ ग्राफ़ इर्ला नाला, विले पार्ले ग्रीर शंधरी के बिच, बम्बई है।

श्रनुसुची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37–ईई/28743/85–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26–12–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निर्रक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 11-8-1986

प्रस्य वाहाँ दी एन्. एस ,-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) से अभीन स्थना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, अस्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रगस्त 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/28059/85-86--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम श्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

जिसकी सं सर्घे नं० 231 इर्ला गावथन और विले पार्ले (प०) बम्बई-56 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारन मा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 के, ख के ग्रिधीन बम्बई में सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है। दिनांक 6-12-1985

को पूर्वों कर करित के अधित बाबार मुख्य में कम भी क्रमगर प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाबार क्रम, इसके क्रयंत्रान प्रतिक्रम से एसे क्रयंत्रान प्रतिक्रम को पेंच्यू प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरकों) और अन्तरिती (अव्वरितियों) के बीच एसे अन्तरिक के लिए तब पाना बच्य होतक्रम, विश्वविद्या खुद्देश्य से ख्या ब्याउप विविद्य से बास्त क्रम से क्रयंत्र के विद्या व्याउप क्रिक्स क्रयंत्र के क्रयंत्र क्र

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः कवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री ऋषि दयानन्द को०—ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

- (2) मेसर्स सी० एस० कनस्ट्रेश्यन को०। (ग्रन्तिरती)
- (3) ग्रन्तरक।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरका

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ऋघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क संपत्ति के अर्क्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की संविध या तत्संबंधी स्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोइस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टकिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्सूची

"जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 231, हिस्सा नं० 11-17, इर्ला गावधन; विले पार्ले (प०), बम्बई-400056 में स्थित है।

श्रनुसूची जैप्तािक क० सं० श्रई-2/37ईई/28059/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 6-12-1985 की रजिस्टर्श किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 11-8-1986

प्ररूप बाह्री, टी., एव., एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्थालयः, सहायक आयंकर आयंक्क (निरक्षिण) भर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 श्रगस्त 1986

निर्वेण सं० श्रई-2/37ईई/28039/85-86--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर मिधिनयम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- एत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 9, आजाद नगर, विले पार्से (प) बम्बई में स्थित हैं ग्रीर इससे उपाव ग्रम्भूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है, ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम की धारा 269 कख के ग्रीधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 6-12-1985

की प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कन के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे न् ।। त करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचि ।। र मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि जिस्स में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वावत, खबत नियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः। जब, उपत अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसदण में, में, उपत अभिनियम की भारा 269-व की स्पथारा (1) के अधीनः, निम्नीस्टित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) श्रीमती हरबन्स कौर नवनीत सिंग प्रतीक सीग (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भानूववन मावजी चावदा ग्रौर श्री बाबूभाई धानजी गोहील । (ग्रस्त<sup>ट</sup>रती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह----

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में त्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलाक में किए वा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सध्यों और पर्यों का, को उनक अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषितं हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया कका है।

#### वग्स्यो

प्लोट नं० 9, जो सी० टी० एस० सं० 345/19, म्राजाद नगरको० म्राप० हाउसिंग सोसायटी, जुहू विलेपार्लेस्कीम, विले पार्ले (प०), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37—ईई/28039/85–86 ग्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 11-8-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मंभीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, तहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज⊷2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रगस्त 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/27823/85-86--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण क्षाम,

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत विभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाचार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० णाप नं० 6 गुरू अर्जन श्रपार्टमेन्ट, सान्ताकृज (प०), बस्बई—54 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठित्यम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में, बस्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 2—12—1985 को पूर्वीक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि संधापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बारण है कि संधापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का ब्राइ प्रतिक्षत से बिषक है और बंतरफ (अंतरकों) बौर बंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गवा दितकस, निम्मिशिवत उच्चकेय के उच्च अंतरण विविद्य में बास्तीकक रूप से करियह नहीं किया गया है र——

- (क) जन्तरण में हुई कि सी बाय की बावत, सकत विधिनियद के जभीन कर देने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के शिए। भीर/या
- (क) एती किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, किसी आप काय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अनकर अभिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) एम० बी० सावहने एण्ड ए मोसिएट्स

(भ्रन्तरका)

(2) श्री किसीर एन० छन्नीया ।

(भ्रन्गिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हुं।

# उच्य सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बार्श्वेष् 🖫 🕶

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विभ की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 विन की जनभि, यो भी जनिव वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्थित व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्तिय व्याराः
- (ख) इस सूचना के राअपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- व्यूच किसी जन्य व्यक्ति स्थारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिसित में कि इ का सकें ने।

स्यक्कीकरण:—इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, को सकत विधिनियम के बच्चाय 20-क में परिश्राचित हैं, वहीं सर्थ होगा को उस सन्याय में दिवा गया है।

#### नम्स्ची

शाप नं० 6, जो तल मंजिल, गुरू धर्जन ध्रपार्टमेन्ट, प्लोट मं० 31, टो०पी० एम० 4, सान्ताकुण (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० ग्राड-2/37-ईई/27823/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 2-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 11-8-198

प्ररूप बार्च ,टी . एन . एस . , --------

وي المنافل ويون المنافل ويون والمنافل المنافل والمنافل المنافل والمنافل والمنافل والمنافل والمنافل والمنافل

शायकर कींधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-2, बम्बई

बस्बई, दिनांक 11 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/27814/85-86--श्रतः मृक्षे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- रा. सं अधिक है

स्रीर जिसकी मं० पलैंट सं० 1, जन्दन श्रपार्टमेंट, विले पालें (प), बम्बई-56 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिस्रवारी है हार्यालय सम्बई में र जस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985

को पूर्विकित सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अल्लरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के खिल्ल में कमी करने या उक्स क्याने में बुद्धिया के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

नतः अन, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) सुन्दर शिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश णांतीलाल मास्टर अप्रौर रमादेन सर्त श मास्टर ।

(ग्रन्नरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उमत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनु सुधी

फ्लैंट सं० 1, जो तीसरी मंजिल, चन्दन धपार्टमेंट,  $\pi$  म् वी० रोड, सी० टी० ए स० सं० 417/1 से 6, बले पार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित है ।

ग्रनुसुची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37–ईई/27814/85–86श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण **वा**स सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त, 'निरीक्षण), ग्रजीन रेंजे--2, **बम्बई** 

विनोक : 11-8-1986

प्ररूप नाइ ुटी, एन, एस\_-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/27824/85-86---श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं सी विशेष एम सं एच — 324, एच — 325, एच — 326, विलेज दांडा, सान्ताकु बम्बई में स्थित है स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है, स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रविनियम की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 2—12 1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रियमान प्रतिफल से एसे ख्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देशिय से उक्त अन्तरण िवाय ये बाखि के स्रिप ते किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय काँ बाबत, उवत नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए? और/या
- (क) होती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

अतः अवः, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्री राजोंद्रसीण सी० खुणवाह

(ग्रन्तरक)

(2) हरपारा इनवेस्टमेंटस प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)

(3) भाडोन्नी

(वह व्यक्ति, जिसके श्र**धिभोग में** सम्पत्ति है)

क यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप [---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्वो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का हिस्मा जिसका मी० टी०एस० मं० एच-324, एच-325, एच-326, विलेज दांडा, साताकुज,बम्बई है। अनुसुची जैसा कि क० मं० अई-2/37-ईई/27824/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयु**क्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-2, बस्ब**ई** 

दिनांक: 11-8-1986

माहर:

# प्रकृष् अवद् . दी . एन . एस . -----

# भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

# कार्यालम, सहायक कायकर कायकत (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

ब ब ई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निदेण मं० प्रर्हे-2/37ईई/28604 नथा 28545/85-86--अत: मुझें, लक्ष्मण दाप,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप सं० 4, जुहू प्रीसेन, जुहु, बम्बई-49 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनयम की धारा 269 कसा के श्रधीन सक्षम प्राधकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 23-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य सं कम के शहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निष्वासं करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंदह बतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिस्ति उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससं बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिभों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती भलंबी भलाउद्दीन चीधरी । (भ्रन्तरका)
- (2) श्री सुरींदर बाब्भाई चावला ग्रांट ग्रन्थ । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए काय्याहियां करता हुं।

उन्तर सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप 🕾 🗕

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सन्पाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से निरुत्ती व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर अवत स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध कि सी अन्य व्याप्ति इतारा, अभोहस्ताक्षरी की पास सिक्ति में कि पे जा सकती।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयूपत शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अथ होगा जो उस अध्याय में दिया गर्यः है।

### अनुस्ची

शाप सं० 4, जो जुहू प्रीसम को ब्याप० हाउसिंग सोमायटी निमिटड, जुहू तारारोड, जुहू बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसुची जैमा कि कि न गं अई-2/37-ईई/28604/ 85-86 फ्रीरजी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-1985 में रिजम्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुत (निरक्षण), ग्रजन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 11-8-1986

प्रकथ नाइ . टी . एन . एस . -----

बाधकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्णन रंज-2, बय्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निदेश सं० ए० आर-2/37जी-3856/दिसम्बर 1985--स्रतः मुझे, तक्ष्मण दाप,

कायकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्ठोर जिसकी प्लॉट मं० 20, सी० टी० एस० सं० 450, वेलिगडन साउथ, सान्ताक्षुज (प), वम्बई-400054 में स्थित है (प्रीर इससे उपाबंब अनुसूची में फ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजर्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में निमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/गा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिन्त अधिनियम, या धन-अन्द अधिनियम, या धन-अन्द अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, क्रियाने में सुविधा के जिए;

कतः ।।व, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्रीमती ग्लेडीस नून्स ग्रीर श्री वर्षाड नून्स । (ग्रन्तरक)
- (2) डा॰ एलन डी॰ सोया । (ग्रन्तरिती)
- (2) कुमारी एस्ट्रेलीना फर्नाडीस । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है
- (2) र्दा बाम्बे केथोलीक को० ग्राप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# भन्सूची

ग्रनुसूची जैमा कि विलेख सं० 3756/84 ग्रीरंजी सक्षम उप रिजस्ट्रार बय्बर्ट द्वारा दिनांक दिसम्बर 85 को रिजस्टर्ड किया गया है :

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 11-8-1986

# प्रकप बाइ .टी. एन. एख.,-----

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के बधीन सुमना

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० ए० ग्रार०-2/37जी-3863/दिसस्बर 85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्नस अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ध क अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

छोरितनकी एस० सं०  $51/\sqrt{7}$ , हिस्सा सं० 3, जुहू बम्बई, है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्व ग्रन्सूची छौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 30-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंत्राव प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बम्बार् बूक्ब, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्दह प्रतिकृत से क्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दिरती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के निए सम श्राम गया प्रतिकत, निम्निचित उद्देश्य से अक्त अन्तर्भ सिचित में वास्तिक कम से क्षिक गृष्ठी किया गया है ध—

- (क) बन्तरण से हुन्दै किसी जाय की शावत सक्त सिंध व वियम के जभीन कर दोने के अंतरक के शायित्व में कमी कपुने या उससे वचने में सविधा के लिए; जीहा∕या
- (क) एसी किसी अब या किसी धन या करू बास्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधः के लिए;

इतात सर्, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की सन्सरण की मी, सक्त अधिनियम की भारा 269-म की सम्भारा (1) की अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुधा एस॰ नायक निर्मला म्नसदी श्रीर सोंदू एन॰ भाऊ ।

(ग्रन्तरक)

- (2) जुहू बीके को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (ग्रस्तरिती)
- (3) श्रन्तरिती ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सुचना चारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्स्मानी श्रानित्यों पर स्वनः की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वाद में से किसी व्यक्ति हुवास;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन्य से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्षृष्ट किसी बन्य व्यक्तितृ दूवारा अधोहस्त। अरी के पात विविद्य में किए या तकारी।

श्च्यकीकरणः— इसमें प्रमुक्त शन्यों भीर पर्यों का, जो सक्त अर्थिनियम् की अध्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में किया न्या हाँ।

#### मन्स्ची

श्रनुसूची जैमा कि विलेख सं० 40/1979 श्रीर जो उप रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 30-12-1985 रिजस्टर्ड किया गया है । को

लक्ष्मण दास ,सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 11-8-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -2, वस्बई बन्बई, दिनांक 11 श्रगस्त 1986

निदेश सं० ए ग्रार०-2/37जी-3843/दिसम्बर 1985--

श्रतः मुझे, लक्ष्मण दीस,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सप्यत्ति, जिसका उचित बाधार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा ग्रोल्ड प्लोट सं० 7-डी, न्यू प्लोट सं० 30, रोड सं० 5, तेजपाल स्कीम, विले पार्ले (पु), बस्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रातुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 3-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बार्जार मृस्य से कम के बरवजान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मृस्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान फ्रितफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंस-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा पया प्रतिफल निम्निलिश्त उद्देश्य से उक्त जंतरण विश्वित में शास्तिक क्य से किथत नहीं किया नया है है—

- (क) क्यारण में हुइ फिर्बी काय की वार्यका क्यार विधिनिवृत्र के विधीन कर देने के बन्दरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग ना किसी भन या कम्ब भारितनों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तरितों वृतारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया भाना चाहिए भा, स्थिपने में नृजिधा स्विष्ठा के सिन्हा;

बतः जवन, खन्त वाधिनयन की धारा 269-न के बन्दरन कों, में, उक्त विभिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :--- (1) श्री शुरसैन शामराव जयकर स्रोर श्री मनोहर धनश्याम पीठले ।

(श्रन्तरक)

(2) विले पार्ले सार्यं कुटीरको० श्राप० हाउसिंग सोसायटी सोसायटी लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां चुरु करता हुं ।

# ब क्या सम्परित के नर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की कर्यां पर स्वान की तारीब से 30 दिन की क्वांचित को भी क्वांचित में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्वांचित क्वांचित के किसी क्यंक्ति में से किसी क्यंक्ति हुवारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी।

स्पन्दीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पढ़ों का को समक्ष विभिन्यमं को अध्याम 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा, यो उस वध्याम में दिवा पया है।

### अनुसूची

श्रनुसूची भौसा कि विलेख सं० 2778/82 श्रीर जो उप-रजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 3-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 11-8-1986

प्ररूप आहे.दी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

#### शादव हाइकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 12 ग्रगस्त 1986

निदेशक मं∘ापी/1337/यर्जन/86-87--श्रतः, मुझें, दुर्गा सादः

प्रसाद,

भायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी थाना सं० 1, तौजी सं० 5339, खाता सं० 1198, सर्वे प्लॉट सं० (भ्रंश) 2565 है, तथा जो पटना में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची भ्रीर पूणं रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, कलक्ता में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी 1986,

की प्रविक्त मंपरित के उत्तित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उत्तिक बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्करितियों) के बीप एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भैं गास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमो करने गाउससे वजने में सुविधा के हैलए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आर्थितयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर धिधिनियम 1957 (1957 को 27) को ध्योजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, स्थिपान में सुविधा भी लिए;

वतः शव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की वनुसरण भी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को कधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अधित स्मान (1) 1. श्री रामादत्ता पाण्डेय 2. श्री तुल्सी दत्ता पाण्डेय, ग्राम रामजी चक, पो० व थाना दिघा जिला-पटना ।

(ऋगतरकः)

(2) मेसर्स करपूर चन्द्र सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, 13 एम० आई० जी० कंकड्बाग कालोनी, पटना--20 ।

(भ्र∙तिरिती)

को यह सम्मना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन अस्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की समृष्य या तत्सविधी क्यक्तियों पड़ स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्यों

जमीन जिसका रकबा 10 कट्ठा है जो पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या—1 602 जनवरी 86 में विणत है एवं जिसका निबन्धन, रिजस्ट्रार ऑफ एस्ट्रेन्सेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न दुन्ना है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी -निरीक्षी सहायक श्रायकर आयुक्त श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-1986

धक्य बाह् .टी . एन . एह . ......

# भायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नभीत स्थाना

#### भारत संस्कार

कार्यानयः, सहायक शामकर नायुक्त (निरौक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 श्रगस्त 1986

निदेशक सं० III/1338/हार्जन/86-87--हातः. मुझे, दुर्गा प्रसाद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें । सके परचाध् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० थाना 1, तौजी गं० 5339, खाता सं० 1198, सर्वे प्लॉट सं० 2565 है, तथा जो थाना सं० पटना से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीवर्त्ता श्रीधवारी कार्याच्य वहवस्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, दिनांक जनवरी, 1986,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सम्भे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) उत्तर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिश्वित उच्चेश्य से उस्त अन्तरण लिश्चित में अस्तिक रूप से किथान नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ंश) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय लाग-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था., क्लियान बें तिका की लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में उक्त अधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निनिष्ठित व्यक्तिमों, अभास :--14—246 GI/86

(1) श्री रामायण दत्ता पाण्डेय 2. श्री तुलसी दत्ता पाण्डेय, ग्राम—रामजीवक दिघा, डा० व पो०——दिघा, जिला पटना ।

(ग्रन्नरक)

(2) मेसर्ग फरपूर बन्द्र सहकारी गृह समिति निर्माण लिभिटेड, 13 एम० आई० जी० काखोनी पटना—20,

(भ्रानरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कादि भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जौ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

#### अनस्ची

जमीन जिसका रकवा 10 कट्ठा है तथा जो पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से विसका संख्या I 601 दिनांक जनवरी, 86 में विणित है एवं जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार धॉफ एंध्युरेंसस्क, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी महायक शायकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक: 12-8-1986

# प्रकप नार्' टो., एन . एस ..----

# कायकर व्यक्तियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के स्थीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान परिक्षेत्र, बिहार पटना पटना, दिनांक 12 श्रगस्त 1986

निदेशक सं० /1339/श्रर्जान/86-87--श्रतः मुझे,, दुर्गा प्रसाद,

बायकर मिंपीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं व तौजी 5100 खाना सं 1939, प्लोट सं 2688 है, तथा जो मीजा, दीघा, जिला—पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूणं रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारों के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीरण श्रिधकारों के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीरण श्रिधकारों के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीरण श्रिधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी 1986, का पूर्वोक्त सपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक कृप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दान के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा क निए; बीर/या
- (ण) एसी किसी नाय या किसी धन या करण श्रास्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, भा भन-कर अधिनियम, भा भन-कर अधिनियम, भा भन-कर अधिनियम, भा भन-कर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चौ जिहा;

अतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् रू—स (1) 1. श्री झुलन पाम 2. श्रीमती एसविष्या देवी बरी दीचा, थाना—दीचा, जिला, पटना ।

(ध्रन्तपदा)

(2) मेनर्स अन्यूर अन्द्र सहकारी गृह निर्माण मस्ति लिमिटेड, 13 एम० हाई० जी० कालोनी, अंकड्बाग पटना ।

(ग्रन्मिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी स्थितितमें पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर मंपित में हितबद्ध किसी बन्य क्यांक्त य्थाप अधोहस्ताक्षरी के पास लितित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त आयकर विभिनियम के कथ्यास 20-कं में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा को उस अभ्याम में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका रक्ष्वा 30 डिसमल है तथा जो महला खितचपुर दीघा थाना फुलवारी जिला—पटना में श्थित है झॉर जिपका पूर्ण विवरण विस्का संख्या I 2370 दिनांक फ वरी 86 ह विणा है एवं जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार श्लॉफ एंग्यूरेंजेस कलक्ष्मा के द्वारा सम्पन्न हुटा है ।

> दुर्गा प्रसाद मक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक आयकर आयक्त श्रजीन परिक्षेत्र बिहार, पटना

दिनांकः: 12--8--1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्थाना

#### भारत सरकार

# कार्यानव, बहायक शायकर आयुक्त (निर्केशिश)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना पटना, दिनांक 12 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० III/340/अर्जन/86-87---ग्रतः मुझे, दुर्गा प्रसादक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० थाना 51 तीजी सं० 5600, खाता सं० 1839 प्लोट (श्रंग) सं० 2688 है, तथा जो मीजा दीघा जिला पटना में स्थित है (श्रंट इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणा है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधियिम 1908 (198 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुखे यह विश्वास करने का कारण हैं कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृक्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पंडह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बृन्तरण के लिए तम पासा गया प्रति-कल निश्निसित उच्चेस से उच्च अंतरण निश्चित में अस्तिविक्ष का से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) नंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की लधीन कार दोने की कन्तरक जी वासित्य में कजी काइने मा उससे बचने में सुनिधा से लिए; अदि/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

सत्त सव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग से अपृत्ररण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री झुलन राय वह्द दुख हरन राय (2.) श्रीमती एतवरिया देवी धर्मपत्नी स्व० दुख हरन राय बरी दीघा थाना दीघा, पटना ।
- (ग्रन्तरक) (2) भेसर्स कपूर चन्द्र सहकरी गृह निर्माण समिति

लिमिटेड, कंकड़बाग पटना । (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्वन के तिथ् कार्यवाहियां सुरू करता है।

#### उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिष या तत्संबंधी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध काद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपर्तित में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताकारी के पार/ लिसित में किए जा सकने।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, वां उस अध्याय में दिया वशा है।

#### अन्स्ची

जमीन जिसका रकबा 22 डिसमल है तथा जो मौजा दीपा जिना पटना में स्थित है श्रौर जिसका पूर्ण विवरण विस्का संवर्ष 2378 दिनांक फरवरी 86 में विजत है एवं जिसका निध-न्धन रजिस्ट्रार श्रोफ एंग्योरेंसेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर आयुक्त, श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक: 12-8-1986

# प्रकृष वाष्ट्री , टी । एत , एव , क्राज्यकार कर

कासकार अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की रूपा 269-म (1) में अभीन सुमन।

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्गक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 श्रगस्त 1986 निद्देण सं० I /1341/श्रर्जन/86-87--श्रत

निदेश सं० I /1341/श्चर्जन/86-87--श्चनः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० तौजी 5176 खाना 1089, प्लॉट 2651 है, तथा जो मीजा—दीघा, च्याना—दीघा, जिला—पटना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकत्ती श्रधिकारी के बार्यालय कलकत्ता में प्रिन्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1986,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मृश्य से कम के दश्यमाय परिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्मिति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गामा प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं पामा गया है :——

- (क) कन्तरण से हुई किसी जाय की बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी कियी आय मा किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रीधनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोचनार्थ बन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, स्विपाने भ स्विमा खें जिल्हा

लतः शव, उस्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभास (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राम बाबू राय वहद स्व० व्यतु राय, निवासी---बरी दीघा, थाना, दीघा जिला---पटना (अन्तरक)
- (2) भेसर्स करपूर चन्द्र सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटड, कंकड़ बाग, पटना ।

(ग्रन्तरिता)

को यह सूचना बारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबल सम्पर्शिक के अर्जन के संबंध में कार्य भी कार्या :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी धर्म 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त प्रविचान में ने किसी किसी कार्य ह्वां सारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्म स्थावित द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

भिष्यक्रिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्श होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

अमीन जिसका रकवा 5 कटरा 2 धूर है तथा जो मीआ-दोबा-थाना-दोबा-जिला पटना में स्थित है श्रीर जिसका पूर्ण विवरण विसदा संव I 2381 दिनांव फरवरी 86 में विणित है जुवे जिपका निबंधन रिजस्ट्रार श्राफ एंथ्युरेंस कलकत्ता के दारा सम्पन्न हुशा है ।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायक्त, श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-1986

- Burness of the same of the s

# प्रस्य बार्च् टी. एन. एस. । व्यक्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) **के अधी**न

### भारत सरकाड

# कार्यालय . सहायक भायकर बायुक्त (निद्धीवाण)

- ऋर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 %गस्त 1986

निदेश मं० III/1342/अर्जन/86-87--श्रतः म्झे, दुर्गा प्रभाद,

कायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें प्यक्ते पश्चात् 'उक्त बिणिनयम' कहा गया है"), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विख्यात खरने का कारण है कि स्थानर सम्पद्धित, विस्का अवित वाजार मुल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ब्रोरांत्रसकी तीजी सं 5176 खाना सं 1089, प्लाट सं 2651 है, तथा जो मीजा—दीघा—थाना—दीघा- प्टिना में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से विणित है), प्रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय कलक्सा में प्रजिस्ट्रं-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1986

को पूर्वे क्षा सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान शिक क के लिए अन्तरित की गर्व हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्नोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत बिभिनियम के सभीन कर दोने के अमानक के धारित्य हो कभी करले वा उससे वचने में सुविधा के लिए; अहि/ा
- (क) ्सी किसो आय या किसी धन हा अन्य बास्सियी की जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या विध्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी लिए।

सक्षः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-न की बनुसरच भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री राम बाबू वल्द स्व० रक्तुराय निवासी — बरी दीघा, थाना दीघा जिला, पटना। (श्रन्तरक)
- (2) गार्भ करपूर बन्द्र सहकारी गृह निर्माण समिति लिभिटेड बांकड्याग, कालोनी पटना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 2--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क्ष) इस स्वना को ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सपरित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्थ लिखित में किए था सकोंगे।

स्यस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों बरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, को बच्चाय 20-क में परिभाषित हु<sup>त</sup>, बही अर्थ होता की उस अध्याम में दिया गया है:

## अनुसुची

जमीन जिसका रकबा 5 कहा 2 धूर है तथा जो मीका— दोषा,-याना-दीषा जिला पटना में स्थित है और जिसका पूर्ण विवरण विक्ति संब<sup>1</sup> 2380 दिनांक फरवरी 86 में विणित है एवं जिसका निबन्धन रिजिस्ट्रार ऑफ़ एंग्युरेसे, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षीण महायक क्रायकर क्रायुक्त, श्रजीन परिकेल, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-1986

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

नायकर नियमित्रम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 13 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० III/1343/फ्रर्जन/86-87---- अतः, सुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी थाना सं० 1, तीजी सं० 5174, खाता सं० 989 प्लाट सं० 2665 है, तथा जो मीजा—दीघा, थाना—दीघा, जिला—पटना में स्थित है (श्रीर इशमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1986,

को प्वोंक्स सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफः, के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सभ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उब्देश्य से उक्त अन्तरण किसान में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ं—

- (क) अन्तरण से इर्क जिभी भाग कर्त वास्त, उक्त अभिनयम को अभीन कर देने के अन्तरक को दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा को सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे बिए:

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नक्षिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रंजीत प्रसाद सिंह वत्द स्व० हरिनारायण सिंह स्वयम् श्रीर कन्टीट्यूटङ अटोनी श्रीमती मुमिन्ना देवी निवासी---दीघा घाट, दीघा; पटना ।

(भ्रन्तपक)

(2) मेसर्स् करपूर चन्द्र सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड द्वारा राजेश कुमार झा बस्द श्री०सी डी० सिंह, कंकरबाग, पटना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता॥ हुं।

चक्य सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंभी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इसस्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

जमीन जिसका रक्षबा 7 कट्टा है तथा जो मीजा--दीघा, थाना--दीघा, जिला--पटना में स्थित है और जिसका पूर्ण विवरण विसका संख्या I 4888 दिनांक 31-3-86 में विणित है और जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार आफ एंग्युरेंज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षण सहायक प्रायकर श्रायुक्त श्रजंन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 13~8-86

## प्ररूप माइ° टी॰ एन॰ एस०-----

# नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्भीय सूचना

भारत सरकार

# कार्याजयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 13 श्रगस्त 1986

निदेण मं० III/344/प्रज्ञंन/86-87--श्रतः, मृझे, दुर्गा प्रसाद,

भाभकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धाच 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का काड़न हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी थाना सं० 1, तीजी सं० 5174, खाता सं० 989 प्लाट सं०-2665 है, तथा जो मौजा—दीघा, थाना—दीघा जिला-पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्णांक्प से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमें, दिनांक मार्च 1986

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर. का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंडह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप स कथित नहीं किया गया है:——

- (क) विचारण वे हुइ किसी जाम की वानह, उक्त विध-नियम के बचीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कसी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए: बीर/बा
- (थ) एसी किसी भाग या किसी धन या जन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार ब्राधितियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधितियम, पा भनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया बारा धाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री रंजीत प्रसाद सिंह बल्द स्व० हरी नारायण सिंह स्वयम् व श्रीभावक सुपुत श्री विकरांत सिंह ग्रीर श्री विशाल सिंह, क्रस्टीच्युटेड शटानीं श्री गती सुमिता देवी निवासी-—दीघा घाट, दीघा--पटना।

(भ्रन्तरक)

(2) मेनर्ज करपूर चन्द्र सहकारी गृह निर्माण समिति निर्मिटेड द्वारा राजेश कुमार झावल्द श्रीसी०डी० निह, कंकरबाग, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन का तारीक से 45 दिन के मीतर तकत स्थातर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा जभोहस्ताक्षरी के शास निवित में किए जा सकींचे ।

स्थर्ष्टिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका रक्या 10 कट्टा है तथा जो मीजा—दीघा, थाना—दोघा, जिला—पटना, में स्थित है और जिसेका पूर्ण बसिका संख्या I 4889 दिनांक 31-3-86 में वर्णित है और जिसका निवस्ता र्जिस्ट्रार ग्राफ़ एंग्यरेंस रेज कलकस्ता के द्वारा सम्पन्न हुसा है ।

> दुर्गा प्रमाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनोक: 13-8-86

प्ररूप बाइं.टी.एग.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-व (1) की अर्थान गुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगळर आग्वस (निरीक्षण)

पटना, दिनांक 12 ग्र.गस्त 1986

निदेश मं० III/345/छर्जन/86-87--छतः मुझे, दूर्गा प्रसाद,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहद्दे 1,00,000/- रासे विधिक है

स्रोर जिसकी सं खाता 315 प्लाट सं 161 है, तथा जो शंखपुरा, थाना--गास्त्री नगर, जिला-पटना में स्थित है (स्रोर इससे उपबद्ध शन्मूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री-कर्त्ती श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक फरवरी 1986,

की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बार्शिक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण दे हुइ किसी अाय की बाबत, उक्त अभिनियंत्र को अभीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिविधा के लिए;

वत: भग, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, टक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) डे व्यक्ति, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह—-- (1) विद्या सिंह, कुर्जी, पटना ।

(अन्यका)

(2) मेनर्स गांधा भेमारियल यहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटड, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्षं) इस स्वेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्यत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

जमीन जिसका रकबा 5-735 कहा है तथा जो महल्ला शबारा थाता, शास्त्री नगर जिलापटना में स्थित है ग्रीर जिसका पूर्ण विवरण विस्का सं०-1 2463 दिनांक 10 फरवरी 86 में विजित है ग्रीर जिलानिबन्धन रिजिस्ट्रार ग्रीफ एंग्य्नेंस कलवन्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक द्यायकर द्यायक्स, क्षजेन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक: 12-8-86

मांहर:

# प्रथम भार्षः टी, एन . एस . ------

बार(कर मिन्दिनयम, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-म (1) के संधीन त्चतः

## बाइच् डेड्स्स

फार्वाबय , सहायक जायकर बायुक्त (विर्देश्वण)

श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

बिहार, पटना, दिनांक 12 श्रगस्त 1986

निर्देश सं० III/346/ग्रर्जन/86-87--ग्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69 इसके अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका जीवत बाजार मध्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० खाता सं० 315 प्लोट सं० 161 है, तथा जो गेखपुरा थाना णास्त्री नगर जिला पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 19 फरवरी 1986, को पृथंक्त सम्परित के जिलत बाजार मृल्य से कम की ख्रमान प्रिष्णल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिष्ण से, एसे दृष्यमान प्रतिष्ण का का प्रतिष्ण के विष्ण अन्तरित की गई विद्यास प्रतिष्ण के विष्ण अन्तरित की गई विद्यास प्रतिष्ण के निर्म दृष्य पामा प्रतिष्ण का प्रतिष्ण के विष्ण तम विद्यास प्रतिष्ण के निर्म तम सिष्ण के निर्म तम निर्म के निर्म निर्म निर्म निर्म के निर्म निर्म निर्म के निर्म निर्म के निर्म के निर्म निर्म निर्म के निर्म के निर्म निर्म के निर

- (क) नन्तरम व शुद्द कियों बान की वावब्य क्वत् ब्रॉबन विवय के नवीं कर देने के नन्तरक के वाधिरम में कमी कुरने वा उससे बजने में तुनिधा के निक्ष ब्रॉबर/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा वै लिए:

जतः अथ, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---15---246 GI/86 (1) श्री विजय कुमार सिंह निवासी—शोखपुरा, पटना—14

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स गांधी मेमोरियल सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, पटना-23

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुध्यत्ति के वर्णन के तिह कार्यनाहियां करता हुई।

... वस सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को ताराँच से 45 दिन की अवधि या तरसम्बर्धी व्यक्तियाँ हुए क्ष्मिक की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर क्ष्मिक्तमों में से किसी व्यक्ति व्यक्त
- (क) इस स्वता को राजपत्र मों प्रकालन की तारीका सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी अ पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बनुसूची

जमीन जिसका रकबा 28 डिसमल है सथा जो महरूला गाखपुराथाना-शास्त्री नगर जिला पटना में स्थिस है और जिसका पूर्ण विवरण विसका संव I-2471 दिनांक 19-2-86 में विजित है एवं जिसका निबंधन रजिस्ट्रार श्राफ़ एंश्युरेंसस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-1986

# **४६९ मार्'्टो एर. ५६**०-----

# नायकत स्रिगिनक, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ए (1) के न्धीन स्वता

## 1180 (1894)

# कार्यांतय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्याक्षण)

म्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 मगस्त 1986

निर्देश सं० III/347/ग्रर्जन/86-87--ग्रतः मुझे, दुर्गा प्रसादः

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'अक्त अभिनियम' कहा गया हूँ),, की भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आहुण हूँ कि स्थावर सम्मत्ति, भिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हुँ

भीर जिसकी सं जाता सं 315 प्लोट सं 161 है, तथा जो महल्ला शखपुरा जिला—पटना में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भिध-कारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम है अवसान प्रतिफल को लिए मन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे अवसान प्रतिफल को लंक्ड् प्रतिशात से विभिन्न है और बंतरक (वंतरका) बीर बंतरिती (वन्तरितयों) को बीच एसे बन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिक्का, निम्नोसिचित उद्देश्य से उसके अन्तरण कि चित्र में वास्त-

- (क) नन्तरण से हुए जिल्ली बाय की बायसा समय स्वाप्त की अधीन कर दोने की अन्तरक की बायित्य में कभी कड़ने वा समय बज़ने में सुविधा के लिए; बार्ट/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या कम्य जास्तियों की, विनहीं भारतीय जाय-कर वृश्चिनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या धन-कर वृश्चिनवन, या धन-कर वृश्चिनवन, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनार्थ वन्तिरती वृश्चारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जावा जाहिए था, कियाने में सुनिधा की किया

नतः नवः चनतं निमित्तमं की वारा 209-तं ने अनुसर्गः नैं, मैं, बनतं नीवित्तमं की वारा 269-तं की उपवारा (1) के नवान, निम्मतिविक मनिसरों, नवास् ह—— (1) श्री दयानन्द सिंह, कमलेश, उमेश, कुर्जी पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स गांधी मेमोरियल सहकारी गृह निर्माण समिति पटना ।

(भ्रन्सरिती)

को यह स्वता जारी करके पुत्रांचत सम्बद्धित के वर्षत के तिए कार्यवाहियां करता हूं,।

# जनतः संपृत्ति के वृत्ति के संबंध में कोई भी वाक्षेप द---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनीध ना तत्संबंधी व्यक्तियों पढ़ सूचना की तासीब के 30 दिन की बनीध, जो भी ज़र्नीध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (व) इ.स. सूचना के राजपन में प्रकादन की तारीज से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितनवृष्ट किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पाट सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वाहिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पूर्वों का, हो उत्तर विधिन्यम् के बुध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा विधाहित

## बन्द्ची

जमीन जिसका रक्षा 30 डिसमल है तथा **फो मह**ल्ला ग्राखपुराजिला पटना में स्थित है श्रीर जिसका पूर्ण विवरण विसका संख्या I—2464 दिनांक 19—2—86 में वर्णित है श्रीर जिसका निश्चंघन रजिस्ट्रार श्रोफ एंग्युरेंस कलकत्ता के द्वारा सम्पत्त हुश्रा है ।

> ऊर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज बिहार, पटना

दिनांक: 12-8-86

# प्रस्थ बाहु<sup>®</sup>क की<sub>य</sub> प्रस्तु प्रस्तु करूर

# वापनाड निपितिनक्ः 1961 ्1961 का 43) की पता 269-म (1) के अधीय सुख्या

### PIEG SERVE

# कार्यक्षात्र स्थापना वाजना वाजना (विक्रिक्ट)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 अगस्त 1986

िनर्देश सं॰ III/1348/अर्जन/86-87--- अतः मुझें; दुर्गा नसादः

नायकर विभिनियम, 1961 [1961 का 43] (जिसे इसमें कि परवाद 'उपत विभिनियम' कहा पना हो, की पास 269-ख के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० 37-जी फार्म में श्रंकित हैं नहीं। तथा जो पटना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्मित के श्रीवत बाधार पृथ्य से का धी कार्यात प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई हैं जीए मुखे यह विस्वाध करूने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित वाधार भूका, उसके दरयमान प्रतिकाल से, एसे रश्च अन प्रतिकाल का कावड़ प्रतिकाल से जीवक है भीर मेता है (वं रश्म) थीर मेतिरार्व (वन्तरित्यों) के बीच देशे वन्तर्थ के लिए इस पामा गया व्या प्रतिकाल विकास विकास विकास वे स्वयं वंतरण विविद्य में पास्क्रीय कर से अध्यक्ष कर से अध्यक्ष व्यापा व्या प्रतिकाल कर से अध्यक्ष व्यापा व्यापा

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृत्युधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलीं का व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) धोत्तल साम बल्द स्व० मोती साव, ग्राम-कोथवां थाना-वा० पोस्ट खगोल जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स आधुनिक सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, बेली रोड, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करला 🗲 ।

## बन्नव सम्मत्ति हैं बर्जुन के संबंध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राज्या में प्रकालन की तारीच से 45 दिन की जनकि या तत्त्वभ्वन्थी व्यक्तियों पर सूचना की ताथील से 30 दिन की जनकि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याररा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकी।

स्यक्षीकरण हिन्समें प्रमुक्त सन्तों और वयों का, भो उनस् अधिनियम के हैं साथ 20-क में पहिभाषित है, नहीं अर्थ इ गा को उन्न अभाय में दिवा वया है के

## अनुसुची

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण ) अर्जन रेंज, पटना

**कारीखाः 13-8-198**6

मोहर ।

# 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 अगस्त 1986

निवश सं ॰ III/1349/अर्जन/86-87—अतः मुर्झे, दुर्गा प्रसाध,

कायक ह विश्वित्यमं, 1961 (1961 का 43) (विष्ठं इस्ते इस्ते प्रकार 'उन्ते वारा कि प्रकार 'उन्ते वारा कि प्रकार के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्थानर सम्पत्ति, निषका उनित वाषाह मूस्य 1,00:000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खाता सं० 72 है तौज सं० 5070 है, तथा जो, पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूरसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकता में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 86

को पूर्वोक्ष सम्मित् के स्वित् बाबार मून्य से कम् के अध्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का स्वित्त बाबार कृत्य, उसके अध्यान प्रतिफन् से, एसे अध्यान प्रतिफन् का पन्तर का प्रतिफन् का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नलिखित उत्वरिय से उक्त क सरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आव कर्त बाबतः । उक्त विश्वित्य के वृत्रीय कर् दोनें के वंत्रुक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एवी किसी नाय या किसी भन या नत्य शास्तियों की, चिन्हें भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उनत निभिनियम, या भन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ नन्तिरिती ब्वाडा प्रकट नहीं किया नया या वा किया जाना जाहिए था, जिल्लाने में ब्रिया ने बिहर;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिवित व्यक्तियों, अधीत ह—

(1) श्रीमित शान्ति देवी जौजे स्व० बाब लाल सिंह, थाना-फुलवारी जिला-पटना !

(अन्तरक)

(2) में सर्स भौलनाचक सहकारी गृह सहयोग समिति लि०, पटना।

(अन्तरिती

कर्र वह बुज़वा बाडी क्राउचे पूर्वोक्य तुम्मति के बुजिन भी विहा कार्यवाहियां कारवा हुने।

# वनक सुन्नारित भी मुर्जन भी संबंध में कृति औं जाकीय :---

- (क) इब स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्यान की तामील से 30 दिन कि अविध, जो भी ब्राधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्म;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ कियी जन्म स्थावत इवारा, अभोइस्ताक्षद्री के पास निवास में कियों का स्कोने।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस सुभाय में विभा मुद्दा हैं।

## वर्ष्य

जमीन जिसका रकवा 19 डिसिमल है तथा जो पटना में स्थित है भौर जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 4260 दिनांक मार्च 86 में विणित है। एवं जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार आफ एक्यरेन्स कलकत्ता के द्वारा समपन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 13-8-1986

मोहरः

# प्रकृष् नार्व<u>े स्वी</u>पन**ुपास**ुन्तन-उन्नर-अ

अवकर मधिनियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुचनः

## भारत घडुकार

क्कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जनरेंजII. पटना

पटना, विनांक 13 अगस्त 1986

निदेश सं० III/ 1350/अर्जन/86-87-- अतः मुझें, धूर्गा प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसये इसके पदचात् 'उक्त अभिनियम्' कहा गया इ"), की भारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने सन कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000 ∕- रा. से अधिक **ह**ै

भीर जिसकी सं० खाता नं० 33 खसरा नं० 392 है, तथा जो पटना में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबज्ञ अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना सें रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्चे, 1986,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझीयह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके इक्स्यमान प्रतिफल से, एसे इक्स्यमान प्रतिफल का पंदाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :--

- (क) जन्तरम से हुई किसी बाक की बावस्ता उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; बीर/या
- (६४) प्रेसी किसी जाय या किसी भन्या अल्यः जास्तियौ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्लारिसी बुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया पाना चाहिए था, स्थितने में स्विकः चे लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🛸 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् 🖫 —

(1) श्रीमति शान्ती देवी जीजे वल्द स्व० बाब्लाल सिंह थाना-वा पोस्ट-फुलवारी जिला-पटना ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मौलाना चक सहकारी गृह निर्माण सहयोग समिति लि०, पटना ।

(अन्तरिती)

क्ये यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पीत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आऔप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा मभोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्च किरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है 🗓

जमीन जिसका रकबा है तथा जो पटना में स्थित है भ्रोर जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० I 4264 दिनांक मार्च, 1986 में वर्णित है एवं जिसका निदबन्धन रजिस्ट्रार आफ एश्युरेन्स कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख 13 8-1986

**ाइन वार्ड**्टी <u>. एवं . एक</u> क्रान्तराज्यात

# नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न(1) में नमीन कुछना

## 

कार्यालय है सहायक आयकर बायक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 अगस्त 1986

नदेश सं॰ III/1351/अर्जन/86-87-- अतः मर्झे, दुर्गा प्रसाद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात् 'उन्त निधिनियम' कहा बना हीं), की नारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थायर संपतित, विसका अधित वाचार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० खाता सं० 72 खसरा सं० 371 है, तथा जो पटना में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनसूच में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1986

को प्रांक्त सम्मन्ति के विषय वाचार शूक्य से कम के स्वस्थान तिफल के लिए अंतरित की गई है और भूओ यह विकास करने का कारण है कि समाम्बॉक्त संपत्ति का उचित वाचार शूक्य, उसके स्थवनान प्रतिकास से दोने स्थयनान प्रतिकास का पन्त्रष्ट्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितिवार) के बीच एसे अन्तरण के किए स्थ सना प्रसादकात, विकासिका स्थापन वहीं किया क्या है कन्तरित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिविधन के वर्धन कर वर्ध के अध्यारक की वादित्य के कही करने वा क्युक्ट क्क्षणे में सूर्धिका के विद्यु: बह्य/बा
- (क) प्रेसी किसी बाव वा किसी वन वा नम्ब बास्तिकी को किसी भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ मन्तिरिती कुकरा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना भाहिए था, जिपाने में सुविधा के निष्

अत्य जब, उक्त मधिनियम की धारा 269-व के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)] के विधानक किलाजिक किलाजिक स्थार के क (1) श्रीमित शान्ति देवी जौजे बाबू लाल सिंह, थाना -फुलवारी, जिला पटना ।

(अन्सरक)

(2) मेसर्स मौलाना चक सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, पटना।

(अन्तरिती)

भी यह स्वाना बाही कर्ज प्यांत्रत सम्पत्ति के वर्जन में तिक्ष कार्यनाहिया सुरू करता हुं।

उनत सम्मत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप हु---

- (मि) इस त्यान के राजपन में प्रकासन की तारींचा है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्रियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (व) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्वत में किए जा सकोंने।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्स्ची

जमीन जिसका रकवा 14 डेसिमल है तथा जो पटना में स्थित है (और जिसका पूर्ण विवरण सब सका सं० I 4262 दिनांक मार्च, 1985 में वणित है और जिसका निवन्धन रजिस्ट्रार और एम्यूरेन्स कलकत्ता के द्वारा दिनांक सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 13-8-1986

मोहरः

प्ररूप आहर् .टी .एन .एस . -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कानितय, सहायक भायकर भागुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 अगस्त, 1986

निवेश सं० III/352/अर्जन/86-87-- अतः मझे, दुर्गा प्रसाद,

भावकर नांभनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इत्तर्धे पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000 / - रु. से अधिक है<sup>\*</sup>

भौर जिसकीसं० खाता सं० 72 खमरा नं० 392 है तथा जो पटना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनसुची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1986

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिकश के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं भों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) शान्ति देवी जाँजे स्व० बाबू लाल सिंह, थाना-फुलवारी, पटना । (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स मौलाना चक सहकारी गृह सहयोग समिति लि०, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता 🚛 🔃

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—
(क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धाकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्धों जीर पशी का, सां अपह संविभिन्न के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, यहाँ जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुना हैं [3]

# अन<u>ु</u> सूची}

जमीन जिसका रकबा 17/1/2 हैं तथा जो पटना में स्थित है और जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं 1 4268 दिनांक मार्च, 85 में वॉणत है एवं जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार आफ रिजस्ट्रार ग्राफ एक्यरेन्स कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायग आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख 14-8-86 मोहर प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, विनांक 13 अगस्त 1986

निदेश सं० III/353/अर्जन/86-87-- अतः मुर्झे, बुर्गा प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 37 जी फार्म में श्रंकित नही है तथा जो जगनपुरा पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय धाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्रीमित उमिला देवी जांजे श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह वकील, भूतपूर्व एम० पी० निवासी-कामस्थीन गंज बिहार शरीफ जिला- नालन्दा। (अन्तरक)
- (2) मेसर्सं प्यृपिल्स कोआपरेटिव कन्स्ट्रक्शन्स लि०, पटना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मनुसूची

जमीन जिसका रकबा 2.71 एकड है तथा जो जगन-पुर जिला पटना में स्थित है और जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं 5 15385 दिनांक 10-4-1986 में विज्ञित है एव जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार आफ एम्यूरेन्स कलकसा के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

षुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारोख \* 13-8-1986 मोहर '

# प्रकार भार कि हो । प्रकार प्रकार का अधिक विकार के जान

# नामकाद्र मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-क (1) की नधीन सूचना

### बारत रहकाड

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्म)

अर्जनरेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 अगस्त 1986

निदेण सं॰ IUI/354/अर्जन/86-87--- अतः मुझें, बुगीं प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० थाना 1 तौजी सं० 5130, खाता सं० 431, प्लाट सं० 5674 हैं, तथा जो दीघा, पटना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप विजत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बरण है क यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उपत अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाग की वावस्, तक्त विभिन्नियम के वर्षीय कर दोने के बातरक के स्वित्त में कमी करने या उस्ते वचने में स्विधा संविष्ट; शेह्र/वा
- (व) ऐसी किसी वाय या किसी अन या जन्य आस्तियों का, किन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनं कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में युविधा वे लिए:

- (1) कुर्जी आदर्श सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, पटना-10, द्वारा श्री राधा मोहन सिष्ट बल्द स्व० रामचन्द्र सिंह कुर्जी, पटना-10 (अन्तरक)
- (2) अजन्ता निकेतन सहकारी गृष्ट निर्माण समिति लि०, पटना 13, द्वारा हजारी प्रसाद भगत बल्द स्व० पृथ्वी चन्द भगत, राजीव गांधी नगर, पटना।

(अन्तरिती)

की वृद्ध सूचवा जारी कडकें पूर्वोच्छ बंदरित में वर्जन हो विस् कार्यवाहियां करता हो।

## उक्त तस्पत्ति के भर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🚁

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिय की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतंद्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याद्रा;
- (क) इस सूचना को शाजपत्र में प्रकाशन की तारोच छ 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी बन्य स्थवित द्वारा अभोहस्ताक्षरी औ पास निवित में कियु जा सकेंगे।

स्वधीकर्षः -- इसमें प्रयुक्त कर्षों और पर्वो का, को क्क्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाविक है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

### अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 31 1/4 िष्ठसमल है तथा जो हीशा जिला पटना में िथत है और जिसका पूर्ण विवरण विसिक्ता सं o I-18056 दिनांक दिसम्बर; 85 में विणित है तथा जिसका निवन्धन रिजस्ट्रार और एष्यूरेन्स कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

**तारीखा : 13-8-198**6

**४सन भार**्टी <u>ए</u>न , एस⊴ --===

# भावकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के व्यीत त्यान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं॰ III/1355/प्रजेन/86-87-अतः मुझैं, दुर्गी प्रसाद

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इतमें इसके परवात् 'उकत विभिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर बन्धरित. विवका विश्व वाषाद भूक्य 1,00,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० थाना सं० 1, तीजी सं० 5130, खाता सं० 431 प्लाट 5674 हैं, भथा जो दीघा पटना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत हैं ) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1985

को प्वेक्ति संप्रित के उधित बाजार मृज्य से का के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उधित बाजार ब्रुथ, उत्तके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का वेद्रह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया बना प्रदि-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय का नावत, उन्त अविभिन्न के स्थीन कर दोने के बन्दरक के राष्ट्रिय के सभी कहते या उसके क्यों के स्विता के स्थि: शीर/ना
- (क) क्यों कियों वाथ वा कियों पन वा अन्य आहित्यों को कियों नाइयों वाय नक्य अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ।

- (1) कुर्जी आदर्ण, सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा श्री राधा मोहन सिंह वल्द स्व० रामचन्द्र सिंह, कुर्जी, पटना 10 ।
  - (अन्तरक)
- (2) मेसर्स अजन्ता निकेतन सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ द्वारा श्री हजारी प्रमाद भगत बल्द स्व॰ पृथ्वी चन्द्र भगत, राजीव गांधी नगर, पटना 13 ।

(अन्तरिसी)

की यह सुचना चा<u>रों</u> करकी पूनोंक्त सम्परित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

# वक्ष सम्मित्त भी मर्जन मी सम्मन्ध मां मार्च भी मामच ह---

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविभि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी वर्षीय काद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति बंबारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवहुध किसी अन्य व्यक्ति क्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकांकरण्:--इसमे प्रमुक्त सम्बों कीर वर्षों कात् की स्वक शहिंद्यम्य औं कृष्याम् 20-क में पृहित्ताविक हाँ वहीं क्ष्में होता को उस सम्बाद में दिवा सन्त हों।

## धनसूची

जमीन जिसका रकवा 31 1/4 डिसमल है तथा जो वीघा जिला पटना में स्थित है श्रीर जिसका पूर्ण विवरण विस्कासं० I-18055 दिनांक दिसम्बर, 85 में विणत है जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार आफ एथ्यूरेन्स कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 13-8-1986

# **१६५ वार्ड**्टो <u>१५ पुर</u>्यान्यकार सार्वे सामान

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (३) में नभीक सूचना

### हारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक आयुकर आयुक्त ([नरिक्षण)] श्रर्जन रेज बिहार, पटना

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० थान सं० 15, खाता सं० 175, प्लाट सं० 489 है, तथा जो पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनु सूची में श्रीर पूण रूप से विणन है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्विक्त सम्पित्त को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ज्याहरण से हुड़ है कहीं जाय की वाव्छ । उनके जियम से अभीन कर बोने को अन्तरक जी श्रामित में कनी करने या उससे ब्चने में सुविधा भी लिए। जीर/वा
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

(1) श्री जय कृष्णा यादव वस्द स्व० देवनन्दन भगस 2. श्री रामजी यादव 3 निरंजन यादव, बरी पहारी, थाना श्रालमगंज, पो०-बड़ी पहाड़ी। जिला पटना

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स श्री कण्ठ सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, पटना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

एक सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोश' भी बाक्षेप क्र--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की वनिष्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रव नृजना की तामील से 30 दिन की वनिष्य, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पत्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंपिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

# अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 14 कटा 15 धुर 3धुरकी है तथा जो पटना में स्थित है भौर जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० I 18279विनांक दिसम्बर 85 में विणित है भौर जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार ऑफ एंसुरे क्षेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज बिहार, पट ना

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अधीत हिन्स

षिनांक : 13-8-86 मोहर ।

# श्राचम भार्त्र ,टर्डि. एवं . एवं 👾 सन्ववस्थानसम्बद्धाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) में सभीन सुजना

## भारत सरकार

# कार्यात्व तहावक जावकर वायुक्त (निर्दाक्षक)

श्चर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनोक 13 श्चगस्त 1986

निर्देश सं० III-1357/म्प्रर्जन/86-87--म्ब्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्जें इसके परचार् 'उन्त जिभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राभिकारी को वह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका छिचत बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 146 है, तथा को पटना में स्थित में (भौर इससे उपालबस्न अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बिणत है),रजिस्ट्री-कर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-2-1986,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मणापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूच, उसके द्वरमान प्रतिफल से, एसे द्वरमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पन, निम्नलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त= विक रूप से क्थित नहीं किया गया है हि—

- [क] अन्तहन चं हुई कि वी आप की वावता, चन्त्र महिष्यम् के ग्योद कर दोने के बन्दरक के दावित्य वो कही कड़ने वा उपने कुन्ते में शुनिना के बिए; बीड/गा
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1927 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, वा धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) सरदार मोहिन्दर सिंह जर्फ मोहिन्दर सिंह गांधी न्यू डीकर्बगला रोड, पटना ।

(भ्रातरक)

(2) मेसर्स जनप्रिया फाइनाइन्सग्रीर इन्डिस्ट्रियलइन्वेस्टमेन्ट (भारत) लिमिटेड, 147 ब्लाक बी, लेक टाउन, कलकत्ता ।

(श्रन्तिरती)

को वह त्या आरी करवी पृष्टित त्रामहित वी वर्षन की जिल कार्यवाहिया करता हो।

वक्ष कलरित के वर्षन के तुम्लभ में कोई भी बालेप्:---

- (क) इस स्वा के राज्यम के प्रकारन की राष्ट्रीय से 45 दिन की जनींथ वा उत्संत्रीओं व्यक्तियों पर स्वता की ताबील से 30 दिन की नविभ, यो भी अविभ बाद के स्वाप्त होती हो. के भीतर व्यक्तियों के से किसी कांश्रित स्वाराः
- (क) इस स्थान के रायमण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में द्वित-वर्ष किसी जन्य व्यक्ति ह्यारा, अधोहस्ताक्षदी के पास विविद्या में किसे का वर्कोंने।

स्वध्यक्तिरण:----दतमें प्रमुक्त सम्बो और पर्यो का, या स्वस्त विधिवनम के संभ्यान 20-क में प्रिशाणिक ही, वहीं अर्थ होंगा थे। उस सभ्यान में विचा गया है।

## अनुसूची

जमीनमय मकान जिसका रकवा 2400 वर्ग फीट है तथा जो स्वामी विवेकानन्द रोड, भागलपुर में स्थित है भौर जिसका पूर्ण विवरण विस्ता संo-I/2140 दिनांक 12-2-86 में विश्त है एवं जिसका निबंधन रिजस्ट्रार भीर एसुरेंसेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है ।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं), अर्जन रेज बिहार, पटना

दिनांक: 13-8-86

# ्रासम् जार्ष्, टा. एन. एस्. ----

# नायकाः निर्धानयम्, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-त्र (1) से सुर्थीन सूत्रुवा

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 13 श्रगस्त 1986

निवेशक सं -III-1358/श्रर्जन/86-87--श्रतः मुझे, बुर्गा प्रसाव,

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसको हसको प्रभात 'उन्त विभिनियम' कहा प्रभा है'), की भारा 269-स में वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का भारण हैं कि स्थानर सम्मति, विस्ता विभाग का मुख्य 1,00,000/- रा. से विभिक्त हैं

भौर जिसकी सं० 37 जी फार्म में श्रंकित नहीं है। तथा जो पटना में स्थित है (भौर इससे उपायद धनसुन्नी में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलवत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 6-3-1986,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बंतरित् की गई है और मुभ्ने यह जिल्लाल कहने का कारण है कि बंधापूर्वोक्स सम्पत्सि का उणित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का मन्द्रह प्रतिकत से निभन्न है बार बन्तरक (बन्तरकों) जार बन्त-रिती (बन्तरितियों) से बीच एते बन्तरण के लिए तब सवा न्या विकल विम्नितिक एवं से क्षित मही किन्तर मंद्रा क्ष्मा कि

- कि) मन्तरूप वे हुई छिन्नी जान की पानत बन्नत वर्षित्वका के वर्षीय कह योगे की बन्तरूक के वार्षित्व की कृती करने वा बन्नों वक्षणे को हुरियक को जिल्ला, कोड/का
- (च) प्रेची किसी नाम वा भन वा नम्य वास्तियों के।, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा चय-कर वीधिनियम, गा चय-कर वीधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वाए प्रकट नहीं किया नवा था या किया वाता चाहिए था, कियाने में हरियम वी किहा

भरा वन, उन्त विभिन्न की भारा 269-म वी अभूतरप में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के वभीन, निम्नतिषक व्यक्तिनाम, अधीर हा— (1) श्री रामजा सिंह, ग्राम व पो० बोजर, फुलवारी शरीफ, पटना ।

(ग्रन्तरिक)

(2) मेसर्स किसान सहकारी गृह निर्माण समिति किमिटेड, वैद्यनाथ महतो मार्ग, पुरानी जनकनपुर पटना—800001 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# इस्य दुरुतित ने मुर्थंद में बुरुत्भ में बोर्च ही बाधोदान

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की स्विभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामाल से 30 दिन की स्विध, को भी स्विभ नाद में समाज होती हो, से भीत्र पृथ्विता स्विभ ने से किसी स्वित द्वारात
- (क) इस स्वमा के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन में भीतर उच्छ स्थापर कमरित में दिस्तकृष कियी मध्य स्थापत स्थापर अश्वीहरताक्षरी के बाब निवित में सिक्ष का बकोंने हैं।

स्पव्यक्तिरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिन्यम के अध्याद 20-क में यथा परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

## जन्सूची

जमीन जो मौजा बैउर याना फुलवारी शरीफ जिला पटना में स्थित है और जिसका पूर्ण विवरण विसका संव I 6083 दिनांक 6-3-86, में विणित है और जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार औफ एष्युरेंस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> युर्ग प्रसाद सक्षम प्राधिकारी₃ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 13-8-86

मोहरः

# प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना भारत सरेकार

# कार्यासन, पहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

म्रजीन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनोक 13 ग्रगस्त 1986 निदेशक सं० ।।।-1359/ग्रर्जन/86-87--ग्रतः मृझे, दुर्गा प्रसाद,

कायकर निपिनयन, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवास 'उनस विभिनयन' कहा नवा हैं), की पास 269-च के नधीन स्थान प्राधिकारी को वह विस्ताद करने का कारन है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका दक्षित वाचाड न्स्न, 1,00,000/- स. से अधिक है

भीर जिसकी सं० तौजी सं० 5070 खाता सं० 10, प्लोट सं० 103 थाना सं० 33 है, तथा जो मीजा बैंउर, फुलवारी गर फ पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध अनुचर्त्रा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकण्री के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 13 मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ध्रममान बिकास के सिए बंदरित की गई हैं और बुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बुक्ब, असके ध्रममान प्रतिकास से, एसे व्यथमान प्रतिकत का बन्सह प्रतिकात से बिक्क हैं और अन्तरक (अन्तरका) और बंदरिती (अंदरितियाँ) के बीच एसे अंदरण के सिय स्म पाया द्वा प्रतिकास विक्रमिक्ति व्यूक्षेत्र से स्वक्त अन्तरम् विविद्य से बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- हुँक) मुख्यान में हुए डिस्सी जान की वान्त्र है। क्या अधिनियम के बचीय कर दोने के जन्मरण की वाह्य के कथी करने या क्या व्यान की स्थित। में डिक्स बीका/क
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य बास्तिवों को, जिन्हें भारतीय बाब-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्छ बौध्यिक्त, या वन्-कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोक्षण कन्युडिती बुवाडा एकर वहीं किया क्या था वा किया जाना जाहिए वा, क्याने के सुविधा के लिए;

असः अब जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की स्थारा (1) के अधीन, निम्नीलीक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जानकीर्सिह, करोरी चक, श्रुलवारी शरंकि, पटना ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स किसान सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटह, बैद्यनाथ महतो मार्ग, पुरानी जनकनपुर पटना । (प्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरता हुई ॥

# क्का सल्लीत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई अर्जन अल्ल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास्तः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पाछ सिक्ति में किए जा सकेंचे कि

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया

## अनुसुची

जमीन जो भीजा बैउर थाना थूलवारी शरीफ जिला पटना में स्थित है और जिसका पूर्ण विवरण वसिका संख्या-। 3944 दिनांक 13-3-86 में विणित है और जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार श्रीफ एंग्युरेंसेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है

> वृगी प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

विनोक गः 13-8-86,

मोद्वर:

प्ररूप आई. टी. एन ुएस. -----

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2**69-व (1) में अभीत सुब्**ना

### भारत ६३७५५

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंजा पटना पटना, दिनांक 13 ध्रगस्त 1986

निदेशक सं॰ ।।।/1360/श्रर्जन/86-87--- प्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंक इसमें इसमें प्रथात् 'उक्त अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० थाना—35 है, तथा जो मौजा फ़्लवारी जिला पटना में स्थित हैं (स्रोर इससे उपावस सन्सूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्सा स्रधिकारी के क पंत्र सलसेसा में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 18-3-86,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति को स्थित बाबार शूरूम ते कम के क्यानाय श्रीतफत को निए अंतरित की गई है और शूको यह विकास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार अक्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से स्थिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-क्ति। (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तम नाया स्था अतिफल, निम्निजिकत उद्देष्य ते उन्हें बंतरण विवित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) वंतरक से हुई किसी वाय की बावत , जनत करिय-विषय के अधीन कर दोने के बेहरक के दावित्य में कभी करने या उससे क्यों में सुविधा के जिए; सरि/का
- (य) होती फिसी बाब वा किसी थन वा नन्य शास्तियों को जिन्ही भारतीय बावकर वीविनयन, 1922 (1922 का 11) वा उच्च विधिनयम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगानी नैतीरती द्वादा प्रकट नहीं किया नग भा वा किया बाना चाहिए था, कियान वो चुन्यभा के विश्व;

बन्द अब. उक्त अधिनियम **कौ भारा 269-व कै बन्दरन** में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री रामचन्द्र गुप्ता महला मीठापुर पो०-जन्मनपुर, जिला पटना

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स नोबा सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त ग्रम्पत्ति के वर्षय के विश् कार्यनाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के तस्कन्ध में कोई मी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराव से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी स्वित्यों पर स्वना की तानीस से 30 दिन की नविध, वो भी जविष वाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (वं) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 संधितियल के संबोध कर दोने के संस्ताहक वी किसी संस्थ स्थितित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाछ विकित में किस् था तकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं हैं, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में दिशा नवा हैं॥

## 44.5

जमीन जिसका रकवा 4.06 एकड़ है तथा जो मौजा फ़ूलवारी जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विस्तिका सं o I 4265 दिनांक 18-3-86 में विणित है झौर जिसका निबंधन रजिस्ट्रार झौफ एंग्यू रेंसेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुमा है ।

दुर्ग प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, पटना

दिन क : 13-8-86

## प्रकल्प नार्ताः, दौ. पुन् ः पुत्रः, ====

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वधीन सुब्ता

### शाउद क्रम्बाउ

कार्यानन, सहायक बायकर बायुक्त (विरक्षिय)

भ्रजन रेंज, पटना पटना, दिनांक 13 भ्रगस्त 1986

निवेश सं० ।।।/1361/म्रर्जंन/86-87---म्रतः मुझे, द्गिप्रसाद,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्में इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), कौ भारा 269-च को नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का छारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित वाचार मूक्य 1,00,000/- रा. लो अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भीजा-3, खाता सं० 29 प्लोट सं० 6, 86 से 93, 98 से 105 है, तथा जो भीजा बरमुरी थाना व जिला धनबाद में स्थित है (भीर इससे उपलबद्ध अनुसची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकत्ती अधिकारी के कार्यालय, धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-4-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान व्रविकत के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रृतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरम से निए तयु पाया च्या व्रतिफल, निक्तिशिवत उद्वेक्यों से उच्छ अन्तरक विविक्त से अधिक रूप से किया व्या व्या

- (क) बन्दर्भ से हुई किती अन्य की वास्त्र , कन्द अभिनित्य के वधीन कर को के बन्दरक के दावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बहि/या
- (का) इसी किसी जाव वा किसी थन वा अन्त आस्तियों इस जिम्ही आस्तीय जाय-काड जभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त न्भिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट न्हीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिक्;

सक्त शव $_D$  उक्त विधितियमं की धारा 269-व के बनुतरक हो,  $\hat{H}_{(N)}$  उक्त विधितियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधी $_D$  निम्नविधित व्यक्तिकों है देशों  $_D$  क्यांत्र  $_D$ 

- (1) श्री रामचन्द्र गोप वस्द स्व० हरी राम गोप निवासी—बरभूरी थाना व जिला—धनबाद । (भ्रन्तरक)
- (2) मे अर्थ बाबा तारकनाथ सहकारी गृह निर्माण समिति जिमिटेड, जय प्रकाश नगर धनबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उन्त तुम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप ह---

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पूर स्चना की तामील से 30 दिन की बनिध, को भी बन्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृताय;
- ((व)) इस स्वान को राजपन में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्थ किसी कृष्य व्यक्ति इनाय ज्योहस्ताक्षरी के पास विचित में किए वा सकेंगे।

क्ष्यांकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्तों और पतों का, को उक्त वीवृत्तियम को कथ्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्ष होगा को उस कथ्याय में विदा क्या ही।

# **अनुस्**ची

जमीन जिसका रक्षा 7.33 एक इत्ते सथा जो मीजा गारा-मुरी थाना व जिला धनबाद में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 4581 दिनांक 28-4-86 में विणित है झौर जिसका निबन्धन जिला भवर निबन्धन के धनबाद के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज पटना

विनोक: 13-8-86

\_\_\_ಾಲ್ಬರ್ಸ್ಟರ್ಣಾಯ್ತ್ನ <mark>ಸ≈ ಸರ್ವದ</mark>ಾರ್\_ ಮುಕ್ತಿಗಳ

## शक्ष वाद<sup>1</sup>.टी. एन. **ए**स. -----

भ्भवेकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 ছ (1) क अधीन स्वारा

### मारत तरकार

कार्यालय, सहायक् आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 ग्रगस्त 1986

निदेश मं॰ III/1362/1जेन/86-87-प्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बावकर वीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परकाए 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षव प्रीधिकारों को यह विश्वास करने का कारभ हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० थाना 1186, खाता मं० 24, श्रार० एस० प्लोट सं० 5756, प्लोट सं० 5757 है, तथा जो मौजा जो जाबेरा थाना टेक्लो शहर जमशेदपुर जिला सिंह भूम--सिंह-भूम में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणात है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य प्रशोरपुर में रिक्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, दिनांक 4-7-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और सम्बोध वह विश्वास

करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे रच्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकात से अधिक हैं और जंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गवा शित्रका, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिचित में गम्नविक एप से कथित नहीं किया वया है के

- (क) करतरण से हुई किसी काम की वावत, उपक अभिनियम के अधीम कर दोने के अस्तरण की वाधित्य में कबी करने या उत्तर्भ वचने में चृष्टिया के लिए; और/वा
- (वा) एसी किसी आप या किसी अप वा जब्ब आस्तिकों को, जिन्हों शारतीय आप-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अम्परिती इवादा प्रकट नहीं किया यथा या वा किया वाना चाहिए था, कियाने के स्थिता के विक्का

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थातः :---

(1) श्री जगन मांझी 2. इसक्य मांझी 3. बीर सिंह मांझी बल्तान दमनत मांझी 4. दसमत टुब्रू बल्द स्व० बलियम मांझी 5. पानी मांझी यान विधवा स्व० बलिता मांझी सभी निवासी—शहड़गोरा गोबिन्दपुर जिला सिंहभूम

(ध्रनरक)

(2) टिस्को लिभिटेड जमशेदपुर, मार्फेन मुखारे आम निदेशक, टाउन सविसेज मैंथद अनवर श्रमन वहद स्व० एस० क्यू० हसन निवासी—-2, ए— रोड (पश्चिम) उत्तरी शहर, थाना विस्टपुर। अमशेदपुर। (श्रनोरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्धरित के वर्षन में हैंबर कार्यवाहियां करता हो।

## धक्त प्रशस्ति के मर्थन के देवेथ में कोई भी बार्केप 🏣

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष भे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अपूर्वी

जमीन जिसका रकवा कुल 2.04 एकंड है तथा जो मीजा जोजोवेश, परगना, ढालभ्म, थाना टेल्को शहर जमशेंदपुर जिला निह्मूम में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका संख्या 5146 दिनांक 4-7-86 में विणित है श्रीर जिसका निबन्धन ग्रवर निबन्धक जमशदपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय**क**र शायुक्त, (निरीक्षण) शर्जान रोज, पटना

दिनांक ' 14-8-86

मोहर ;

17-246 GI/86

# प्ररूप बाहाँ. दी. एन. एस.-----

अथयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालरः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ं अर्जन रेज, बेंगलूर
बेंगलूर, दिनांक 7 अगरत 1986

िर्देश गं० डि० ग्राप्त 1155— यन: मुझे, ग्राप्त भारहाज, ज्याकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'लक्ष्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 1104, 1109, 1106 श्रीर 1111 है तथा जो बिलर्ने बिलेंज में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुभूकी में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यालय, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिकायम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-8-1986

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दत्यमान प्रतिपन्न के तिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, अमने क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंक्ष प्रतिपत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित ल्बुबोध्य से उक्त अन्तरण शिवित में बाए विक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, खबत नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्रिधा से सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण अ, अ, उत्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के नधान, जिस्ती नहां कर किसी अधारा :--  भगवता एक्स भोबे और
 श्रीमती माणिकधाई बी० भोबे वृद्धावन अपार्टमेंटरा एरा० टिइनस पणि गोका।

(अन्तरक)

कामन रीयल इस्टेटस

एफ 1 इन्दिरा अपार्टमेंटम अलबुकर्क रोड

पणजी गीवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भौतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्सची

(दस्तावेज सं० 805/85-86 ता० 20-1-198) प्रापर्टी नान एज साजलीम सिच्चुएटेड एट पिलरने विलेज तालुक बोर्डज जिला गोवा रेवेन्यू आफिस आईर नं० 1104, 1109 1106 फ्रीर 1111 फाइल नं० 737 आफ 1952।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, वेंगसूर

नारीख : 11-8-1986

मोहर

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

### New Delhi, the 4th August 1986

No. A-12025(ii)/2/86-Admn.III.—Consequent on his nomination to the CSS cadre of the Union Public Service Commission for inclusion in the Select List of Section Officers' Grade for the year 1985 against the seniority quota, the President is pleased to appoint Shri M. L. Khanna, an officiating Section Officer of the CSS cadre of the Ministry of Finance in the Section Officers' Grade of the CSS cadre of the U.P.S.C. w.c.f. the forenoon the 1st August, 1986.

2. His appointment shall be subject to the result and final decision of the CWP No. 1194/78, dated 4-8-80, pending in the Delhi High Court.

M. P. JAIN Under Seey. (Per. Admn.) Union Public Service Commission

# MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING. ADMINISTRIATIVE REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERS. & TRAINING)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 29th August 1986

No. A-19021/13/82-AU.V.—The services of Shri C. Janardhan, IPS (AP-1972) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Hyderabad Branch are placed at the disposal of the Government of Andhra Pradesh with effect from the afternoon of 31st July, 1986, on repatriation.

No A-19035/2/82-AD.V.—On superannuation, Shii Mohan Lal Sablok relinquished the charge of the post of Office Supdt./CBI/Special Unit, New Delhi with effect from the atternoon of 31st July, 1986.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E)

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 25th August 1986

No. 11/12/82-Ad.I.—Consequent on the recommendations of the Review Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint, by promotion, Shri Ch. Purnachandra Rao, Assistant Director of Census Operations (Technical), in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, to the post of Deputy Director of Census Operations, on a regular basis, in a temporary capacity with effect from 30-3-1979. The position of Shri Rao in the seniority list of respective grades of Assistant Director and Deputy Director of Census Operations would be between Shri J. R. Patel and R. K. Puri, Deputy Directors of Census Operations.

The Headquarters of Shri Rao will be at Hyderabad.

No. 11/5/81-Ad.I.—In continuation of this office notification No. 11/7/83-Ad.I dated the 19th December, 1983, the President is pleased to appoint by promotion Shri S. K. Swain, Assistant Director of Census Operations (Technical) to the post of Deputy Director of Census Operations in Technical) to the post of Census Operations, Orissa, Bhubaneswar on a purely temporary and ad-hoc basis for a further period from 31d December, 1984 to 28th February, 1987 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

## 2. His headquarters will be at Bhubaneswar.

No. 11/5/84-Ad.I.—In continuation of this Office Notification No. 11/10/76-Ad.I (Vol.-II), dated the 24th June, 1983, the President is pleased to appoint, by promotion, Shri D. P. Khobragade, Assistant Director of Census Operations (Technical), as Depu'y Director of Census Operations, in the Office

of the Director of Census Operations, Meghalaya, Shillong, on a purely temporary and ad-hoc basis for a further period up to the 28th February, 1987 or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Khobtagade will be at Shillong.

No. 11/5/84-Ad. I-In continuation of this office notification number 11/102/79-Ad. I(2) dated 19-5-84, the President is pleased to appoint by promotion, the undermentioned Assistant Director of Census Operations to the post of Deputy Director of Census Operations in the office as mentioned against their names, on a purely temporary and ad-hoc basis for a further period upto the 28th February, 1987 or till the posts are filled in on a regular basis, whichever is oarlier, under the existing terms and conditions:—

Sl. No.	Name of Officer	Office in which working		
1	2	3		
1. Shri G.D. Bhatt 2. Shri S. L. Bahl		DCO, Chandigarh, Chandigarh DCO, Haryann, Chandigarh.		

V. S. VERMA Registrar General, India

### MINISTRY OF FINANCE

# (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 25th August 1986

No. 7(60) /4007.—In continuation of this Office Notification No. 7(60) 1424 dated 19-5-86, the ad-hoc appointment of Shri V. M. Pardeshi as Assis ant Chief Control Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-11B-35-880-40-1000-EB-40-1200 is extended upto 31-12-1986 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

No. M-17/4008.—In continuation of this office Notification No. M-17/1692 dated 26/30-5-1986, the ad-hoc appointment of Shri A. R. Advani as Assistant Engineer (Mech.) in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 is extended upto 4th July, 1986.

No. 7(65)/4009.—In continuation of this office Notification No. C-7/7881 dated 1-1-1986, the ad-hoc appointment of Shri V. P. Tiwari as Additional Safety Officer in the scale of pay Rs. 84)-40-1000-FB-40-1200 is hereby extended upto 25-12-1986 or till the U.P.S.C. nominee joins, whichever is earlier.

No. M-6/4010.—In continuation to this office Notification No. M-6 1783 dated 30-5-1986, the ad-hoc appointment of Shri B. L. Sharma, as Assistant Engineer (Mech.) in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 is extended for a period upto 31-8-86 or till the UPSC selectee assumes charges of the post of Engineer (Mech.) whichever is earlier.

No. 7(64) 4011.—Shri S. K. Anand, Foreman (Production) is appointed as Assistant Works Manager on regular basis in the scale of pay Rs. 840-40-1000-EB-40-1209 with effect from 19-5-1986.

He will be on probation for a period of 2 years.

S. R. PATHAK General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER

## AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Deli, the

September 1986

No. 1678 CA.1/69-77.—On their attaining the age of superunnuation S/Shri S. R. Amar and L. N. Rawat, Audit Officers (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi have retired from service with effect from 31st July 1986.

K. P. LAKSHMANA RAO Asstt. Comptr. & Ar. Genl. (Compl.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

(AUDIT) I: KARNATAKA

Bangalore, the 31st July 1986

### OFFICE ORDER

No.  $\Lambda G(\Lambda u)I/Admn~I~A-1/86-87/239$ .—The Accountant General (Audit) I is pleased to promote the following Section Officer as Assistant Audit Officers in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of seniors if any, with effect from the date of taking over charge as Assistant Audit Officers.

#### S/Shri

- 1. K. V. SAMPANGIRAMACHARI
- 2. D. V. ΛRUNΛÇHALA RAO.

Consequent on their promotion as Assistant Audit Officers the option for the fixation of pay in the higher scale as per Government of India decision (15) below FR 22(C) Swamy's Compilation (VII Edition) (GIMHA Department of Personnel and A.R. OM No. F.7-1-80 ESTT PI dated 26th September 1981) should be exercised by them within one month from the date of promotion.

(Sd.) JLLEGIBLE Dy. Accountant General (Administration)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 22 Agust 1986

No. 4 dmn. XI/Gr. I/Promotion/AO/116/52 The Accountan General (Audit): I) Madhya Pradesh. Gwalior has been pleased to promote the following Asstt. Audit Officers as Audit Officers in the afficiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates of their taking over as noted against them.

S. No.	Name	Permanent No.	Date of taking over/ - date of promotion			
1	2	3	4			
S/Shri						
1, Pren	a Parkash	386	26-6-1986 F. N.			
2. K.L.	. Ѕагој	1216	26-6-1986 F. N			
3, D.M	I. Rathore	393	2-7-1986 F. N			
<ol><li>Krishan Dayal</li></ol>		1403	11-7-1986 F. N.			

(Authority; A. G. (Audit); I. M. P. Orders dated 25-6-1986).

R. C. GUPTA Dy. Accountant General/(Admn.)

#### MINISTRY OF DEFENCE

# INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-1, the 28th August 1986

No. 56/G, 86.—Shri V. Sundaram, Offg. AWM (Substantive and Permanent Foreman) retired Voluntarily from service w.c.f. 30th June 1986/AN.

M. A. ALAHAN

It. Director/G

for Director General, Ordnance Fys.

### MINISTRY OF LABOUR

## DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SER-VICE & LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 25th August 1986

No. 17/14/78-Estt.—On attaining the age of superannuation Shri D. D. Srivastava, Administrative Officer, Regional Labour Institute, Kanpur under this Directorate General retired from Government Service with effect from the forenoon of 1st August 1986.

S. B. HEGDE PATIL Dy. Director General

### MINISTRY OF COMMERCE

Calcutta, the 18th August 1986

No. Estt. J/1(9) 85...In continuation of this Directorate Notification No. Estt. J/1(1)/85/2772-2777 dated 3-6-86 Shri Kumud Ranjan Biswas, Permanent Superintendent, Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta, is allowed to continue in the post of Machine Tabulation Officer, on ad-hoc basis for a further period of three months (3 months) with effect from 15-8-1986.

The terms and conditions of the appointment will remain the same.

S. R. SENGUPTA Senior Deputy Director General

### MINISTRY OF TEXTILES

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi-110 066, the 28th August 1986

No. 34/20/85-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. Jyotindra Jain as Senior Director, National Handicrafts and Handlooms Museum, Office of the Development Commissioner (Handicrafts) on regular basis in the pay scale of Rs. 2000—125, 2—2250 with effect from 1st July 1986 and until further orders,

2. Dr. Jain will be on probation for a period of one year with effect from 1-7-1986.

P. K. DA'TTA Development Commissioner for Handicrafts

### MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE QF THE DEVFLOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 21st August 1986

No. 12(684)/86-Admn.(G)Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Fouzdar, Asstt. Director

(Gr. I) (General Administration Division) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Deputy Director (General Administration Division) and ad hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 6-8-4986 until further orders.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

### MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES)

DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGUTABLE OILS AND FATS

New Delhi-110003, the 19th August 1986

No. A-12023/1/84-Estt.—Dr. A. Madhaven is appointed as Inspector (Vanaspati) in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils and Fats, Ministry of Food and Civil Supplies in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on temporary regular basis with effect from 25th July 1986 (FN) until further orders.

K. H. SAHNI Chief Director

### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 26th August 1986

No. 5879B A-32013(SO)/86/19A.—Shri Dilip Kr. Mukherjee, Stores Superintendent (Tech), Geological Survey of India has been apointed by the Director General, GSI on promotion as Stores Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from 14-7-86 (FN), until further orders.

### The 28th August 1986

No. 5903B/A-19011(1-AR)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri A. Ramaiah to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300/-in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 14-7-86, until further orders.

No. 5918B A-1901M(1-SKP) 85-19A.—The President is pleased to appoint Shri Sanjay Kumar Pattunayuk to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 2-7-86, until further orders.

No. 5933B/A-19011(1-YJR)/84-19A.—Shri Y. Jyothender Reddy, Geologist (Junior), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geologist (Ir.) in Geological Survey of India on resignation with effect from 13th June 1986 (AN).

A. KUSHAR! Director (Personnel)

### ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 28th August 1986

No. 30-53 85-Estt./14535.—Dr. Amal Krishna Karmakar, Technical Assistant, Zoological Survey of India, Calcutta, is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group B) in the scale of Rs. 650—1200 at the Fastern Regional Stution, Zoological Survey of India, Shillong in a temporary

capacity with effect from the 31st July 1986 (Forenoon), until further orders.

S. R. BHATTACHARJEE Senior Administrative Officer, Zoological Survey of India

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

### FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 26th August 1986

No. A-20012/14/75-Est.I.—Smt. S. P. Laulkar, Permanent Asstt. Maintenance Engineer in Films Division, Bombay has been appointed to officiate as Main, chance Engineer on ad-hoc basis on a pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 14th August 1986.

## The 28th August 1986

No. A-32014, 1, 86-RC.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Chief Producer, Films Division, has appointed Shri S. G. Mane, Quasi-Permanent Assistant Cameraman in the Films Division, Bombay to officiate as Cameraman in the some office on a pay of Rs, 650/- per month in the scale of pay of Rs, 650-30-740-35-880-FB-40-960 with effect from the forenoon of 21st August 1986, until further orders.

N. N. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer

### MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPTT, OF RURAL DEVELOPMENT)

## DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 25th August 1986

No. A.19023/2, 86-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, the Agril, Marketing Adviser to the Govt. of India has appointed Shri S. C. Shah, Asstt. Marketing Development Officer to the post of Marketing Development Officer (CSR) at Bombay w.e.f. 18-6-86 (FN).

He will be on probation for a period of two years w.e.f. the date of his appointment as Marketing Development Offlicer (CSR). His probation period may be extended at the discretion of the Competent Authority.

J. KRISHNA
Director of Administration
for A.M.A. to the Govt. of India

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 7th August 1986

### CORRIGENDUM

No. PA/81(6)/85-R-IV/848.—Te date of appointment as Scientific Officer/Engineer Grade SB of Shri K. K. Sharanganani, Sl. No. 15 of this Research Centre's Notification of even number dated February 3, 1986, may be read as August 2, 1985 (FN).

C. G. SUKUMARAN Dy. Establishment Officer

### Bombay-400 085, the 26th August 1986

No G/578/WMD/Est.II/3524.—Shri Mavila Raman Gopal relinquished charge of the post of Scientific Officer/Engineer Grade (SB) on 31-7-86 (AN) consequent on superannuation.

K. VENKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulardshahr, the 29th August 1986

No. NAPP/Rectt/11(6)/86-S/1497.—Officiating appointment of Shri Om Prakash, as Asstt. Personnel Officer on ad hoc basis notified vide Notification No. NAPP/Rectt/11 (6)/86/S/10859 dated 29-7-86 stand terminated with effect from the afternoon of 26th August 1986,

SAMIR HUKKU Chief Administrative Officer

### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 9th August 1986

No. NFC/PAR/0703/1527.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/100 dated May 24, 1986, the appointment of Shri J. Suryenarayana Rao, Assistant Accounts Officer as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 on ad hoc basis is extended up to 16-8-1986 or until further orders, whichever is earlier.

### The 23rd August 1986

No. NFC/PAR 0703/1607.—Further to this office notification No. NFC/PAR.0703/1095 dated May 4, 1986, the approintment of Shri C. R. Probhakuran. Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad hoc basis is extended upto 22-11-1986 or until further orders, whichever is earlier.

GOPAL SINGH Manager, Personnel & Admn.

## RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti, the 22nd July 1986

No. RAPS/Rectt./3(2)/Feb. 86/S/121---Chief Superintendent, Rajasthan Atomic Power Station hereby appoints the undermentioned employees to the post of Scientific Officer/Engineer Grade (SB) in the same Station in a temporary capacity with effect from 1st February, 1986 until further orders

SI. Name No.				Presen desig.		Post to which appointed
1 2	_,				3	4
1. Shri J.M. Shar	ma .			SAC		SO :SB
2. Shri K.K. Shar	rma .	٠		SAC		SO:SB
3, Shri R. L. Sha	rnia .	,		SAC		SO:SB
4. Shri K. C. Me	ghwanshi		٠,	SAC		SO:SB
5. Shri R. K. Kha				SAC		SO:SB
6. Shri K. S. Raj				SAC		SO:SB
7. Shri J. K. Pane				SAC		$SO \cdot SB$

The above employees have assumed charge of their post in the grade of Scientific Officer/Engineer Grade (SB) on the forenoon of 1st February, 1986.

S. THRIAMBAKNATH Administrative Officer (E)

### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 25th August 1986

No. 05012/R2/OP.—Chief Executive, Heavy Water Projects appeints Shri N. Gangadhuran Nair Assistant Personnel Officer Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Labour-cum-Welfare Officer in the same plant w.e.f. December 3, 1985 (FN) to January 30, 1986 (AN) vice Shri K. J. Mehta, LCWO who was relieved on resignation.

SMT. K. P. KALI YANIKUTTY Administrative Officer

## DEPARTMENT OF SPACE VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE ESTABLISHMENT SECTION

Trivandrum-695 022, the 13th August 1986

No. VSSC/EST. F/1(17) —The Controller VSSC hereby appoints on promotion Shri M. Sreenivasa Sarma as Assistant Purchase Officer in the Vikram Sarabhai Space Centre of the Department of Space in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in an officating capacity with effect from the forenoon of August 4, 1986 and until further orders.

K. G. NAIR Admin. Officer-II (EST) for Controller-VSSC

# MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 26th August 1986

ON TORREST SECTION AND ADMINISTRA

No. A, 38019/II/83-E. I—The undermentioned Assistant Meteorologists of India Meteorological Department retired from the Governmen service on the dates mentioned against their names on attaining the age of superannuation:

SI. Name No.					Date of retirement
1	2		 	 	3
1. Shi	ri A. B. Sarkar				31-5-86
2. Sh	ri A. A. Perumal				30-6-86
3. Shi	i S. V. Vaidya	•			30-6-86

ARJAN DEV, Assistant Meteorologist (Gaz. Estl.) For Director General of Meteorology

# OFFIC OF THE DIRECTOR CIVIL AVIATION SECURITY AND EX OFFICIO ADDL D. G. C. A.

New Delhi -110003, the 19th August 1986

No. CAS-4(1)/86-HQ - The Director Civil Aviation Security & Ex-officio Addl. D. G. C. A. is pleased to appoint the follow-

ing two officers as Sr. Security Officers on deputation basis for a period of three years.

Name		Date of Joining	Date of expiry of deputation	
1	2	3	4	
1, Shri F	C, N. Sharma Commandant	8-8-86	7-8-1989	
	I. K. Saxena Assit, nandant.	22-7-86	21-7-1989	

On their appointment as Senior Security Officers they are posted to the CAS Head Quarters at New Delhi.

DWARKA NATH, Dy. Director C. A. S. & Exofficio Dy. DGCA

## New Delhi, the 13th August 1986

No. A.31013/1/85-FW.—The President is pleased to appoint Shri P. Rajendran. (now on deputation to National Airports Authority) as Deputy Director (Equipment) in the Civil Aviation Department in a substantive capacity with effect from 9-12-1984.

M. BHATTACHARJEE Dy. Director (Admn.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1986

C. R. No. 62/DR-1156/85-86/ACQ. B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing

No. Revenue Office No. 1104, 1109,1106 &1111 situated at Pileme Village Revenue No. 1104, 1109, 1106 & 1111 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office at Bungalore Registration No. 806 Dated 20-1-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 'a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perpons, namely:—

 Mrs. Hirabai R. Bhobe Mr. Uday R. Bhobe 4 Mrs. Suman U. Bhobe Nerul Border-Goa.

(Transferor)

 M s Kamat Real Estate F/1 Indira Apts. Coetano Albiqurque Road Panjim-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 806/85-86 Dated 20-1-86)

Property known as Saunlem situated at Pilerne Village sub-district Ilhas District of Goa-Revenue Office, No. 1104, 1109, 1106, & 1111 File No. 737 of 1952.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-8-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 11th August 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR-1157/85-86/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Revenue Office No. 1104, 1109, 1106 & 1111 situated at Pilerne village, Revenue Office No. 1104, 1109, 1106 & 1111

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the under Registration No. 807/85-86 dated 20-1-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

18-246GI/86

- (1) Mr. Voicunta Xabuli Bobo and Mrs. Necrabai Voicunta Bobo Nerul Bardez-Boa.

  (Transferor)
- (2) Kamat Real Estates
  F/1 Indira Apartments Caceano Albuquerque
  Road, Panjim-Goa.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 807/85-86 dated 20-1-86)
Property known as saunlem situated at Pilerne village Sub
District. Ilhas District of Goa. Revenue Office No. 1104, 1109,
1106 & 1111 file No. 737 of 1952.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bargalore

Date: 11-8-85

Seal ;

### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th August 1986

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/2693.—Whereas, I SUDHIR **CHANDRA** 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Agricultural Land situated at Teh. Girva Distt. Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Udaipur on 4-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Madhu Bai W/o Late Shri Amrit Lal Sukhwal & Shri Narbada Shankar S/o Shri Amrit Lal Sukhwal, Barhampol, Udaipur

(2) Shri Anand Boardia S/o Shri K. L. Boardia, Smt. Meera Boardia W/o Shri Anand Boardia, Smt. Usha Boardia W/o Shri P. S. Boardia, Shri Garveet Kumar S/o Shri Nandan Lal Shri Shanti Lal Mani S/o Shri Sardermalji & Shri Chunni Lal S/o Shri Nam Chandii Parwal Ulaisur. Shri Nem Chandji Parwal, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gameta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaster

### THE SCHEDULE

Agricultural land 8 Bigha 2 Bishwas situated at Teh. Girva registered by S.R. Udaipur vide registration No. 3393 dated 4-12-85. Distt. Udaipur and Morc fully described in the sale-deed

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1986

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th August 1986

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/2694.--Whereas, I SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-269B of able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1464 situated at Johari Bazar, Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been ransferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 4-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mandir Shree Jagdishji Maharaj Ramgarh (Sikar) Rajasthan Charitable Trust Through Shri Bal Kishan Poddar Managing Trustee.

(Transferor)

(2) Shri Radhey Shyam Agarwal S/o Late Shri Mali Ram Agarwal, A-65 Jawahar Lal Nehru Marg. Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 1464 Partaniokak Rasta, Johari Bazar, Jaipur and more fully described in Sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide registration No. 3123 dated 4-12-85,

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-8-1986

#### FORM ITNS.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th August 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq)/2695.—Whereas, I SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the 'mmevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Residential House situated at Kewala House, Udaipur and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been ransferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Udaipur on 7-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose; of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shrimati Chandar Kanwar W/o Shri Doult Singh Thakur Kewala House, Sardarpura, Udaipur. (Transferor)
- (2) M/s Air Trades & Tours Private Limited, 18 New Mareen Lines Maker Bhawan No. 2 Bombay-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the afersacid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House Kewala House, Sardarpura, Udaipur and more fully described in Sale-deed registered by S.R. Udaipur vide Registraion No. 3427 dated 7-12-85.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th August 1986

Ref. No.: Raj./IAC (Acq.)/2696.—Whereas, I SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 5, Slive Marg, situaed a Banipark, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Jaipur on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the subi instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Arun Kumar Rungta S/o
Shri Jagmohan Lal Rungta,
Resident of Baggar Distt. Jhunjhunu now at Jaipur
Self Power of Attorney holder Shri Jagmohan
Rungta S/o Shri Bilashraiji Rungta,
Resident Baggar Distt. Jhunjhunu now at Jaipur.

(Transferor)

 Shri Balkishan Somani, Shri Dwarka Dass Somani, Shri Manmohan Somani, Shri Badrinarain Somani & Shri Ramgopalji Somani, Somani Bhawan, Churuko ka Rasta, Choukari Modi Khana, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. B-5 Shive Marg, Bani park, Jaipur and more fully described in Sale-deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 3089 dated 2-12-1985.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pussuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th August 1986

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2697.—Whereas, I SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-iax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 2 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been ransferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Jaipur on 31-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1000.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Nirjan Lal Aditya, Hari Lal Aditya, Keshav Aditya, Janardan Aditya & Sundar Lal Aditya S/o Shri Gulab Ramji, 9A, Viveka Nand Marg, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Dagyach W/o Shri Harimohan Dagayach, Shri Sandeep Dagayach, S/o Shri Harimohan Dagayach &

Shri Atul Dagayach S/o Shri Harimohan Dagayach, Choura Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2 Govind Marg Police Memorial, Jaipur. More fully described in the Salc-Deed Registered by S.R. Jaipur vide Registration No. 3575 dated 31-12-85.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/12-85/379.—Whereas, I R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. D-1/12 Vasant Vihar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

New Delhi on December 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afor-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, fit respect of any income arising from the transfers عملاح
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Mr. Rajinder Singh R/o B-146 Ganesh Nagar, Delhi-18. Mr. Gurdev Singh WZ 54 Sant Nagar, New Delhi-18. Sh. Pritam Singh, R/O B-1299, Indira Nagar, Lucknow. Sq. Ldr. Narinder Singh R/O 7/2 New Project Air Force Station, Gorakhpur. (Transferor)
- (2) Mr. Chitranjan Kapur & Mrs. Deepa Kapur, R/O 24 The Mall, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

D-1/12 Vasant Vihar, New Delhi-110057. Area 400 Sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 14-8-86

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Ajay Partap Singh,
 Canning Lane, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Gujral, 16 Feroz Gandhi Road, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-III/12-85/2.—Whereas I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. I-16, Maharani Bagh, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been ransferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at New Delhi on December 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1937);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

I-16, Maharani Bagh, New Delhi (Old D-30) 500 Sq. Yds. Leasehold.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-8-1986

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-III/1-86/2A.—Whereas I, ASHOK KACKER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

B-21, NDSE Part II, situated at New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been ransferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1986

at New Delht on January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert ев фот
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

19-246GI/86

- (1) Sh. Asim Kumar Ahuja s/o Sh. Bhagwan Dass Ahuja r/o Goniana Mandi, Bhatinda, at present B-21, South Extn., Part II, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sunita Kataria w/o Ram Chand Kataria R/o B-46, South Extn., Part II, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. B-21, measuring 250 Sq. yds. situated at New Delhi South Extn., Part II, New Delhi. Free-hold Built up projecty.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-8-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-III/1-86/3.—Whereas I, ASHOK KACKÉR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and btaring No.

Property No. D-6 Category I, situated at Group B, Kalindi

Colony, New Delhi and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registration Officer at

New Delhi on January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair marke: value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Sh. K. P. Mittra s/o Dr. I. T. Mittra and Mrs. Kamala Mittra w/o Sh. K. P. Mittra, residents of B-77, Greater Kailash, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s A.I.C. (Plastics) Pvt. Ltd., B-30, Mayapuri Phase-I, New Delhi through its Director Mrs. Asha Jain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. D-6, Category I, Group B, measuring 800 Sq. Yds. Kalindi Colony, New Delhi. Free-hold.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-8-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE. 4/14Λ, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR<sub>1</sub>III/2-86/3A.---Whereas, 1, ASHOK KACKÉR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-69, South Extension II, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been ransferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at New Delhi on February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. G. S. Banavalikar s/o Sh. S. A. Banavalikar r/o C-69, South Extension, Part II, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Bagrodia Machinery (Pvt.) Limited, ED-81, Tagore Garden, New Delhi through its Director Shri Nand Kishore Bagrodia.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed building No. C-69, South Extension II, New Delhi on plot admeasuring 482 08 sq. yds. Free-hold.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 12th August 1986

Ref No. IAC/Acq.II/37-EE/3-86/44.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Bunglow No. 39, on main Ring Road, Lajpat Nagar, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the I.T. Act 1961 IAC Range-I. New Delhi on March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income any moneys or other assets which he e not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Niranjan Singh s/o S. Jai Singh for self and General Attorney of Mrs. Kesar Kaur Local Address C/o S. Mchtab Singh s/o S. Bhagat Jaswant Singh resident of 23, Park Area, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. J. S. Furnishing Pvt. Ltd., 37, Pusa Road, New Delhi through its Directors Mrs. Lalita Khandelwal w/o Jagdish Khandelwal; (2) Mrs. Madhu Khandelwal w/o Subhash Khandelwal; (3) Mrs. Anju Khandelwal r/o 12/11, WEAF, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Object our, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bunglow No. 39. on Main Ring Road, Lajpit Nagar-III, New Delhi measuring 800 sq. yds. 2-1/2 storeyed building. Leasehold.

ASHOK KACKER
Competert Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-8-86

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.1I/37-EE/3-86/4A.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property No. 19, Block-E, South Extension situated at Market,

Part II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

New Delhi on March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri K. K. Bhalla (HUF) through Attorney Deepak Bhalla s/o Kewal Krishan Bhalla r/o M-20, Lajpat Nagar-III, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kailash Rani w/o Shri I. C. Khuranna r/o 56, Golf Link, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Oificial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 10, Block-E, mensuring 250 sq. yds. South Extension Market Part-II, New Delhi, Freehold.

ASHOL KACKER
Competer: Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II
Agga wal House,
4/14A, Asaf Ali, Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforess id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-8-36

WOR!

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq./37EE/12-85/2539.—Whereas, I R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

E-23 Panchsheel Park, New Delhi situated at

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under 269AB of I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at 1. T. Act 1961 IAC Range-1, New Delhi in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of ine property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Subhash Bathla Karta of
 M/s. Subhash Bathla HUF & on behalf of Smt. Sushma Bathla as General Attorney of Shri M. L. Gauba, E-23, Panchshila Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sunder Jhunjhunwala & Smt. Vidya Wati Jhunjhunwala, Permanent resident 17, Hollywood Road, Hongkong Present Address: 6, Prithviraj Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. E-23 Panchshila Park, New Delhi. Area-311 sq. yds.

R. F. RAJESH
Competen: Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi
Aggarval House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/1-86/2564.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 3 on Sixth Floor in Block E Nehru Place, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under 269AB of I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at J.T. Act 1961 I.A.C. Range-I, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than tht fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extension, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Gagan Khosla S/o Shri Surinder Pal Khosla, Civil Lines, Moradabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 3, on 6ht Floor in Block 'E' of Hotel-cum-Commercial Complex, in Nehru Place, New Delhi-Area Approximate 810 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpurafi Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Bhawana Khosla (Minor) D/o Shri Kewal Krishan Khosla, Civil Lines, Moradabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-86/2565.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No. 1 on Sixt Floor in Block 'E' situated at Hotel-cum-commercial complex, Neru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under 269AB of I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at I.T. Act 1961 I.A.C.

Range-I, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Space No. 1 on 6th Floor in Block 'E' Approx. Area 810 Sq. ft. of Hotel-cum-Commercial Complex, in Nohrn Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH · Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, New Delhi Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 14-8-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Stalwart Exports (P) Ltd., 12E Vandana, 11 Tolstoy Marg, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/1-86/2581.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No. 2 on Sixth Floor in Block E Nehru Place, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under 269AB of I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at I.T. Act 1961 I.A.C. Range-I, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfermention

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Space No. 2 on 6th Floor in Block 'E' of Hotel-cum-Commercial Complex, in Nehru Place, New Delhi—Area Approximate 1222 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi
Aggarwal House,
4/14A, Asaf All Road, New Delhi

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

persons, namely :--- 20--246GI/86

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## --- 1101, 1901 (49 01 1901

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. JAC/Acq-I/37EE/1-86/2592.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 4, on 6th Floor in Block 'E' situated at Nehru

Place, New Delhi

**23**178

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC

Range I, New Delhi in January, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac., in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been er which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi, (Transferor)

 Shri Vivek Khosla, S/o Shri Rajinder Pal Khosla. M-4, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Space No. 4 on 6th Floor in Block 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex in Nebru Place, New Delhi. Area Approx. 810 Sq. fh.

R. P. RAJESH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 14-8-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/1-86/2607.—Whereas, J. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 on 3rd Floor in Blork 'E' situated at Nehru Place,

New Delai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the 269AB of I.T. Act 1961

has been transferred under the 269AB of I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range I, New Delhi in January, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor) (2) Mrs. Sudha Aggarwal, W/o Shri V. K. Aggarwal, 403, Asha Deep, 9, Hailey Road, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Space No. 2 on 3rd Floor in Block, 'E' Area 1038 Sq. ft. Approx., in Hotel-Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformal property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-8-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/1-86/2609.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/- and bearing No. Space No. 3 on Seventh Floor in Block '5' situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at J.T. Act, 1961 IAC Range I, New Delhi in January, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the propery as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability ef the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely;

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.,

.. Eros Cinema Building, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Balraj Singh, Hassan Singh & Alfred Singh, S/o S. S. Hardarshan Singh, B-162 East of Kailash, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Space No. 3 on Seventh Floor in Block E' Approx. Area 1066 Sq. ft. in Hotel-Cum-Commercial Complex in Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 14-8-1986

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/1-86/2612.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-1 to B-14 Devika Tower situated at 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range I, New Delhi in January, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealtn-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s, Pragati Construction Co. (Devika Tower), 4th Floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, (Transferor

23181

(2) M/s. Pragati Construction Co. (Devika Tower), 4th Floor, Shectla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the enid Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-1 to B-14 Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/1-86/2618.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 901 Devika Tower situated at 6, Nehru Place, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range I, New Delhi in January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the s respect of any income arising from the andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferenaid property by the lesse of this motion under under sub-spection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Pragati Construction Co., 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower). 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Thukral and Mrs. Indu Thukral, S-121, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 901 B Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi,

R. P. RAJESH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 14-8-1986

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/1-86/2641.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and boaring
Flat No. 1506 in 38 Nehru Place situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the 269AB of I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC

Range I, New Delhi in January, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the trace

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Deihi.

(Transferor)

(2) Shri Akshay Kumar, 9-S, Vishwar Apartments, 3-Shankracharya Marg, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Cleapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1506 in 38 Nehru Place, New Delhi, Area 592

R. P. RAJESH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 14-8-1986

Scal:

(1) M/s. Kaveri Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mrs. Thylambal Krishnan.

(Transferec)

INCOME-TAIX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. II/37EE/28203/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 53 on 5th floor of Swarna Building at Plot bearing CST No. 378 to 381 Chapel Lane, Santacruz (West), Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 9-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nod /or

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1942 (11 et 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 53 on 5th floor of Swarna building at Plot bearing CTS No. 378 to 381, Chapel Lane, Santacruz (West). Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/28203/85-86 on Competent 9-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, camely:--

Date: 11-8-1986

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mr. Gobind Nandiram Mukhi & Mrs. Salu T. Saigal. (Transferor)
- (2) Mrs. Shyamala Kumar Harve.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property).

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. Mo. A.R. II/37EE/28454/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 62, Namrata Apartments, Plot No. 470, 16th Road,

Khar, Bembay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

nt Bombay on 16-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 62, 6th floor, Namrata Apartments, Plot No. 470, 16th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/28454/85-86 on 16-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21-246GI/86

Date: 11-8-1986

Soal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. II/37EE/28660/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Swarna, Cahpel Lane, Santacruz (W), Bombay-54 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

transfer with the object of :---

at Bombay on 23-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the seduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in rursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) M/s. Kaveri Corporation.

(Transferor)

- (2) 1. Mr. Ghanshyam Ramchand Makhija Mrs. Manju Ghanshyam Makhija &
  - 3. Mr. Ramchand Daulatram Makhija.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Swarna, CTS No. 378 to 381, Chapel Lane, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/2860/85-86 on

23-12-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay.

Date: 11-8-1986

Scal:

(1) Mr. Mohandas T. Ahuja, Mr. Ariandas T. Ahuia.

(Transferor)

(2) M/s. Mahesh Builders.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. II/37EE/28791/85-86.Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 722/2 of Bandra Town Planning Scheme No. III &

C.T.S. No. E/407, 12th Road, Khar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent **A**uthority

at Bombay on 26-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 1) facilitating the redutation or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 722/2 of Bandra Town Planning Scheme No. III, & C.T.S. No. E/407, 12th Road, Khar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28791 35-86 on 26-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Insecting Assistant Commissioner of Jacome-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :-

Dated: 11-8-1986

Scal:

(1) M/s. Kakad Housing Corporation.

(Transferor)

(2) Rasila Navinchandra Jaswa. Paresh Navinchandra Jaswa.

(Transferge)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR, II/37EE/28256/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot of land at Gundavli Village, bearing S. No. 11-A, H. No. 3 Plot No. NA 11-6 & CTS No. 213, Andheri (East), Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i.e.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land at Gundavli Village, Audheri, bearing S. No. 11-A, H. No. 3, Plot No. NA 11-6 and CTS No. 213.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/282.56/85-86 on 12-12-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Dated: 11-8-1986

(1) Master Mahesh Gobind Mukhi.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferor)

(2) Mr. Kumar R. Harve.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. II/37EE/28455/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vale exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 61, Namrata Apartments, 16th Road, Khar, Bom-

bay-52

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 16-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorre-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective rersons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th Floor, Namrata Apartments, P. ot No. 470 16th Road, Char, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/28455/85-86 on 16-12-1985,

> LAXMAN DAS Competer Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 11-8-1986

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Asanand Shadram Maker & Mrs. Gopibal Asanand Maker.

(Transferor)

(2) Mr. Natverlal Gokuldas Bathia & Mrs. Asha N. Bathia.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. II/37EE/28884/85-86.Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 17, Retreat Co-op. Housing Society Ltd., Santacruz (W), Bombay-54

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is segistered under section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 27-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 17, Retreat Co-operative Housing Society Ltd., Saraswati Colony, Anusuya Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.II/37EE/28884,85-86 on 27-12-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax Acquisition Range-II, Bombay,

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Dated: 11-8-1986

(1) Lalitaben J. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sumatilal D Shah & Bhuriben D. Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 31st July 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9342/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 63, 6th floor, Monalisa,

Bomanji Petit Road, Bombay-36

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 31-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties have been truly stated in the said instrument of transfer and the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ten under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the past poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 63, 6th floor, Monalisa, Bomanji Petit Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8815/85-86, on 30-12-1985

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Bombay

Date: 31-7-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 14th August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9058/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 9, 1st floor, Dharam Palace, N. S. Patkar Marg, Bombay-400 007

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-12-1985

tent Authority at Bombay on 4-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Nipun N Mehta & Shri N Surajmal Mehta.

(2) M/s. Nipun International.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bombay-7
or The a
for Authority
922 4-12-1985

Room No. 9, 1st floor, Dharam Palace, N. S. Patkar Marg, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8540/85-86 on 4-12-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1986

eal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, te 14th August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9221/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 51, 5th floor, A-I Apartments, 270, Walkeshwar Road, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB-of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-12-1985 for the apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-22-246GT/86

(1) Shri Kirit C. Mehta, Shri Yogesh C Mehta, Shri Suresh C Mehta

(Transferor)

(2) Piem Hotels Limited.

(Transferce)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 51 on the 5th floor of A-I Apartments, 270, Walkeshwar Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/8701/85-86 on 19-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 4-8-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I BOMBAY

Bombay, the 13th August 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9285/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saidd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Picce or Parcel of land adm. 4369 1/9 sq. yds. or thereabouts situated at Sayani Road (Prabhadevi) and bearing
C.S. No. 1171 of Lower Parel Divn., Bombay
(and more fully described in the schedule annexed heroto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1985
for an apparent consideration which is less than the fair mar-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteenpercent f such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties fifteenpercent has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; amá for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mahomed Usman Haji Hassan Ahmed Basar, Haji Gulamrasul Haji Hassan Ahmed Basar, Mahomed Umar Haji Hassan Ahmed Basar.

(2) Amirali R Jaffer,

(Transferor) (Transferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in the Chapter

### THE SCHEDULE

Piece or Parcel of land adm. 4369 1/9 sq. yds. or thereabout situated at Sayani Road (Prabhadevi) and bearing C.S. No. 1171 of Lower Parel Division.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8763/85-86 on 20-12-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-8-1986

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

M/s. Adnani & Jogani Associates. (1)

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(2) Narinder Gupta.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th August 1986

Ref. No. AR-J1/37EE/28179/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (ereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey No. 14, City Survey No. 1216, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement registered under Section 269AB of the said

Act, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer und /or
- (b) racilitating the concesiment of any income or a moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chamber.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 14, City Survey No. 1216 Hissa No. 2/1 (Part), Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-IL 37FF /28179 /85-86 on 9-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Dated: 11-8-1986

(1) Smt. Lakshmibai Sukur Koli Mangela.

(2) Ilahi Builders.

(Transferor) (Tausferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Ref. No. AR-II/37EE/28197/85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece or parcel of land bearing S. No. 82. CTS No. 1073. Jayaprakash Narayan Road, Versova, Andheri (W),

Bombay-61

transfer with the object & ---

Bombay-61 (and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office the Competent Authority at Bombay on 9-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trul- stated in the said instrument

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### (a) facilitating the reduction or evasion of the limbilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957):

## THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing Survey No. 82, CTS No. 1073, Jayaprakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400-061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/28197/85-86 on 9-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Art, to the following persons, namely :---

Date: 11-8-1986

(1) Lokahandwala Estates & Development Co. Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition to the said property

(2) Mr. Vipal Nandkumar Khanna.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-JI BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR-II/37EE/28555/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- und bearing Flat No. 103/104. Belseot Towers. Plot No. 15/7. S. No. 41 (pt) 4 Bungalows, Oshiwara, Verseur, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bomblay on 19-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sand upstrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 103/104, 1st floor, Belscot Towers, at Flot No. 15/7, S. No. 41 (pt) 4 Bunglows, Oshiwara, Versova Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/28555/85-86 on 19-12-1985.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-8-1986

(1) Especjay Builders Pvt. Ltd.

(Transferor) (Tansferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abdul Razzak Hasham Merchant.

GOVERNMENT OF INDIA

Jbjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-II/37EE/27825/85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 41, CTS. No. 200, New D. N. Nagar,

Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer mad/or

THE SCHEDULE

Flat No. 41, in building under construction on plot CTS No. 200 New D. N. Nagar, Anderi (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/27825/85-86 on 2-12-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-8-1986

Seal ;

FORM ITNS-----

(1) Sarkar Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Kusum Sons.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Hombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR-JI/37EE/27844/85-86.—Whereas, t, LAXMAN DAS,

being the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Shop No. 6, Ground floor, Sarkar Corner, Vera Desai Road. Amboli Andheri. Bombay-400 058

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely ;-

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein or are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, Sarkar Corner, Veera Desai Rd. Amboli Andheri, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-II/37FF/27844/85-86 on 2-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 11-8-1986

## (1) Lokhandwala Estate & Development Co. Ltd

(2) Umesh Nandkumar Khanna,

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR-J1/37EE/28317/85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immowable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No.101/102, 1st floor of the Building 'Belscot Towers at Plot No. 15/7, 4 Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 13 12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULB

Flat No. 101/102 on the 1st floor of the building BELSCOT TOWERS at Plot No. 15/7 of S. No. 41 (pt.) 4 Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/28137/85-86 on 13-12-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 11-8-1986

(1) Hormas Sohrab Khushroo & Farukh Sohrab Khushroo.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Smt. Renu Ramesh Bhimani & Shri Ramesh Karsonds Bhimani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR-II/37EE/28233/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Fis. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 4, 1st floor, 'B' Bldg, New Andheri Co-operative
Housing Society Ltd. RPS VI, I allubhai Park,
Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for

Flat No. 4, 1st floor, 'B Bldg. Tirath, New Andheri Cooperative Housing Society Ltd., Plot No. 34, TPS VI, Road No. 2, Lallubhai Park, Road No. 2, Andheri (W). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28233/85-86 on 12-12-1985.

(b) facilitating the concealment of tary inco meneys or other nesets which have get been which ought to be disclosed by the transferse the purposes of the Indian Income-tax Act, 1 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth Act, 1957 (27 of 1937); Wealth-tal

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

New therefore, in pursuance of Section 269C of the s Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

23-246GI/86

Date: 11-8-1986

(1) Xavier D'Mello & M/s. Bhatte & Associates.

(2) M/s. Patel Plaza Pvt. Ltd.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28344/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. CTS No. 256, Survey No. 5, Hissa No. 2, Ambivli, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 13-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 5, CTS No. 256, H. No 2 at Village Ambivli, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28344/85-86 on 13-12-1986,

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons remely :--

Date: 11-8-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28528/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

CTS No. 1372, 4 Bungalows, Versova, Andheri (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent

at Bombay on 19-12-1895

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Hemai P. Karani, Mr. Dadiba Pallonji Bamji and Mrs. Homai Piroshaw Karani.

(Transferor)

(2) M/s Janki Builders.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land bearing CTS No. 1372, 4 Bungalows, Versova, Andheri Taluka, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.II/37EE/28528/85-86 on 19-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following torsons, namely :---

#### FORM ITNS----

(1) M/s Janki Builders.

(Transferor)

(2) M/s Syndicate Builders.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28529/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

CTS No. 1372, at 4 Bunglows, Versova, Andheri Taluka, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19-12-1895

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by its transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing C.T.S. No. 1372, at 4 Bunglows, Versova, Andheri Taluka, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28529/85-86 on 19-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range- I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I property by the issue of this not a quisition of the aforesail property by the issue of this not a under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the a quisition of the persons, namely :-

Dated: 11-8-1986

(1) Mr. Hingorani Lachman N. and Mr. Hingorani Nanik L.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Arun V. Gokarn.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28908/85-86.---Whereas, J. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 9, Jeevan Jagruti Co-operative Society Limited,

Ambedkar Road, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 30-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) familitating the concealment of any income or any moders or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 9 Jeevan Jagruti Co-operative Society Limited, Ambedkar Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28903/85-86 on 30-12-1985.

LAX AND DAS
Competen Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range- I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 11-8-1986

(1) Mr. Ishwarlal Lekhraj Kashtriya.

(Transferor)

(2) Mrs. Vira Colaco.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferee.

(Person in occupation of the property.)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28631/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax' Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 302, Joanna Premises Co-op. Society Ltd., Bandra,

Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 23-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different percent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following lng pe sons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 332, 3rd floor, Joanna Premises Co-op. Society Ltd., 10 Pali Road Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28631/85-86 on 23-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 11-8- 986

See

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Lt. Col. R. K. Kapoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Mr. S. N. Nayak and Mrs. Shanta S. Nayak.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28639/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

10/B, Sunset Heights, Suburbs Queen Co-op. Housing Society Limited, 59, Smt. Nargis Dutt Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 23-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any minoneys or other assets which have not been or writch ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 10/B, Sunset Heights, Suburbs Queen Co-op. Housing Society Limited, 59, Smt. Nargis Dutt Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28639/85-86 on 23-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 11-8-1986

Seal:

New, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby enitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Yayha Mohamedbhai Lokhandwala and Mrs. Zainub Yahya Lokhandwala.

(2) Mr. Asgar Badruddin Ladak and

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Mrs. Ismat Asgar Ladak. GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28213/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the issmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 62, 6th floor, [Golden Corner, Pali Hill Road,

Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evaden of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act. 1957 (27 of 1957):

# THE SCHEDULE

Flat No. 62, 6th floor, Golden Corner, Pali Hill Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28213/85-86 on 12-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 11-8-1986

# (1) Shri Amol Pradhan and Smt. Molina Pradhan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mohinder Kaur P. Lamba.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28208/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 1, 8th floor, SUMMERSET, Block 'A' Pali Hill,

Bandra (West), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent .Authority

at Bombay on 9-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair riarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, 8th floor, Summerset, Block 'A' Pali Hill, Bandra (West), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28208/85-86 on 9-12-1985.

(b) tacificating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely: -

Dated: 11-8-1986

Scal:

24--246GI/86

(1) Mr. Farl Anselm.

(Transferor)

(2) Mr. Alexander Thanddeus Picardo.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37FF/28522/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. B. J. Bldg. 'A', Iolly High-Rise Co-op. Housing
Society Ltd.. 241A, Pali Mala Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income srising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. B-1, Building 'A', 2nd floor, Jolly High-Rise Coop. Housing Society Ltd., 241A, Pali Mala Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28522/85-86 on 19-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 11-8-1986

(1) Mr. Nashruddin K. Jagmagia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mr. Fahimul Bai and Another.

(Transferee)

(3) Transferee and their family,

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/27811/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, West Wind Premises Co-operative Housing

Society Ltd., Bandra Bombay-50. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-12-1985

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be stude in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, West Wind Premises Co-operative Housing Society Ltd., 210/A B.J. Road, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under oN. AR.II/37FE/27871/85-86 on 2-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 11-8-1986

# FORM I.T.N.S.---

(1) Mrs. Chery Parick O'brien.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jagtar Singh Bhatia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28345/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 21, Vaikunth Co-operative Housing Society Ltd.,

Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 13-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Flat No. 21, on 6th floor in the Vaikunth Co-operative Housing Society Ltd., Mount Mary Road, Bandra, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28345/85-86 on 13-12-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 11-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/27812/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 402, West Wind Premises Co-operative Housing Society Ltd., 210/A B.J. Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mr. Noorali K. Jagmagia.

(Transferor)

(2) Mr. Fahimul Bari and Another.

(Transferce)

(3) Transferee and their family,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, West Wind Premises Co-operative Housing Society Ltd., 210/A. B.J. Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/27812/85-86 on 2-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 11-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (3) Transie,

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/27936/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 402, Asit Premises, Mount Mary Kane Road,

Bombay-50.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Anthority

at Bombay on 5-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obeject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; had for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Sagtar Singh Bhatia.

(Transferor)

(2) Smt. Meera Durganand Gaitonde and Mr. Durganand Waman Gaitonde.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 402, Asit Premises, Co-operative Society Ltd., Mount Mary Kane Road, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/27936/85-86 on 5-12-1985,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 11-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/27921/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 202 & 302, Asit Apartments alongwith Garage No.
9 at Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50 situated at
Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bombay on 5-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons, namely:—

(1) Mrs. Shenaz Barikhan & Mr. Fahimul Barikhan

(Transferor)

(2) Mr. Valimahomed Gulamhusein Badmia & Mrs. Rashida Valimahomed Badamia

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 202 & 302 on the 2nd & 3rd floor of the building known as Asit Apartments alongwith Garage No. 9 at Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/27921/85-86 on 5-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 11-8-86

(1) Mr. Vir Bhupinder Singh Bedi

(Transferor)

(2) Mr. Rajesh Mahesh Gupta

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. II/37EE/28633/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Res. 100 0000 and bearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 11, 3rd floor, Cassias Co. op. Housing Society Ltd., Turner Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor & an enclosed garage in Cassias Coop. Housing Society Ltd., Turner Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/28633/85-86 on 23-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 11-8-86

Scal ;

#### FORM ITNS ...

(1) Smt. Leclavanti Kihinehand Chellani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tikamdas U. Jaisingh Miss Rajahi T. Jaisingh Miss Sapna T. Jaisingh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. II/37FE/28590/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 1, Neel Kiran Co. op. Housing Society Ltd., Khar.

Bombay-52, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, Neel Kiran Co. cp. Housing Society Ltd., 4th floor, Flat No. 1, Plot No. 758, A & B Opp. Khar Post Office, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/28590/85.86 on 23-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pange-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of t aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
25—246GI/86

Dated: 11-8-86

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Bhupinder Singh Chandok Mohan Singh Chandok Sohan Singh Chandok

(Transferor)

(2) Rajeev Shankar Ghotage Mrs. Latika Ghotge

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/28762/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and hearing
Flat No. 201, 'Moon Bearm' belonging to the Decean Co.
operative Housing Society Ltd., Union Park, Village Danda,
Khar, Bombay-52 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) harmatating the concentment of any income or any menage or other ansets which have not been or which ought to it disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 'Moon Bearm' Deccan Co. operative Housing Society Ltd. on plot No. 289-B at Union Park, Village Danda, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR. II/37EE/28762/85-86 on 26-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-8-1986

Seal ;

# FORM ITNS-

(1) Mr. Paramiit Singh H. Bhumra

(Transferor)

(2) Mrs. Jyoti Bhanuchandra Lodhia

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/28219/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding As. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14, 3rd floor, Nanak Co. op. Housing Society 444-A Manmala Tank Road, Mahim, Bombay-16, situated at Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason

to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of—

ia) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, end/or

(b) racditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the anid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

# THE SCHEDULY

Flat No. 14, 3rd floor, Nanak Co op. Housing Society, 444-A, Manmala Tank Road, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/28219/85-86 on 12-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suld Act, I hereby mitiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 11-8-86

FORM I.T.N,S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. II/37EE, 28837/85-86,-Whereas, 1. LAXMAN DAS,

peng the Competent Authority order Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 54. 'B' Bldg., Glavo Staff Co. operative Housing Society, Bandra. (W), Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the aggregative registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1985 for an apparent consideration which in leas than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; erflect in
- (o) facilitating the concearment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be unsclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Urmilla Sukhija

(Transferor) (2) M/s. Indian Communication Net Work Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 54, 'B' Bld., Glavo Staff Co. op. Hsg. Society Ltd., St. John Baptista Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/28837/85-86 on 27-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Dated: 11-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/28339/85-86.—Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 51, with open car park, St. Paul Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said  $\Delta ct$  in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have casen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there is by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

ta) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ferreira Enterprises

(Transferor)

(2) Mrs. Monica Singh & Mrs. Margaret Strachan

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Hat No. 51, 5th floor, with open car park, Plot No. 54, St. Paul Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/28339/85-86 on 13-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-8-1986.

- (1) M/s. Devendra Construction Corporation
- (Transferor) (2) Rain Drops Real Estate Pvt. Ltd.

('Fransferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. II/37EE/28140/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Shop No. 4, 'Mi-Casa', 24th Road, Bandra, Bombay-400 052

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair masket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of warster with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires ever
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .... The terms and expressions used herein so are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

- A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Shop No. 4, 'Mi-Casa', 24th Road, Bandra, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, IJ, 37EE/28140/85-86 on 6-12-1985

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --

Date: 11-8-1986

### FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37+17/28320/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0007, and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. C-1, Cenced Apartment, 318, Khar Pali Hill Road,
Replace 52, situated at Rombay

Bombay-52, situated at Bombay (and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-12-1985 for an apparent consideration which Is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any minneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the mirposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Priti Abbuwalia

(Transferor)

(2) Mr. Vijoy Kumar Goel & Mrs. Yaven Goel

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Upkar Kaur Praduman Singh Ahluwalia (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichtver period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

14at No. C-1, Cenced Apartment, 318, Khar Pali Hill Road, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/28320/85-86 on 13-12-1985.

l AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-8-1986

(1) Labitebandra N. Shah

(Transferor)

(2) Smruti Nursing Home

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. II/37EF/28970/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leasen to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2, Bldg. No. 1, Maheshwar Darshan Co-op. Hig. Society Limited, S. V. Road, Santacruz (W), Bombay-54

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax set, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter

### THE SCHEDULL.

Flat No. 2, Building No. 1, Mahashwar Datshan Co-op, Housing Lociety Limited, S.V. Road, Santacruz (W), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/28970/85-86 on 30 12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act: the followat persons namely:-

Date: 11-8-1986

FORM NO. I.T.N.S .---

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Amrit Kaur Bundasingh Kohli & S. Hardevsingh Bundasingh Kohli

(Transferor)

(2) M/s. C. K. Builders & Developers

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. II/37EE/28056/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

Plot No. 294, at Village Mogra, Taluka Andheri (E), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the pareement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than thitteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 294 at Village, Mogra, Taluka Andheri, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/28056/85-86 on 6-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IJ, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

26-246G1/86

Date: 11-8-1986

#### FORM NO. ITNS--

# (1) Magnum (India)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dipti Builders

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/28806/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing CTS Nos. 224, 225 & 225/1, Chakala, Andheri (E), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

CTS Nos. 224, 225 & 225/1, Village Chakala, Taluka Andheri Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/28806/85-86 on 27-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-8-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28367/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. A-46, Marol Industrial Area, Mahakali Road
Chakala, Taluka-Malgaon, Andheri (East), Bombay-93.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-12-1985

Authority at Bollioay on 13-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Hasanali Rajabali Lakhani, Faridabai Hasanali Lakhani.

2) Shri Lattu Palli Jaipal Reddy and Smt. Lalita J. Pathare.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period est 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. A-46, Marol Industrial Area, Mahakali Road Chakala, Taluka-Malgaon, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/28367/85-86 on 13-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-8-1986

FORM ITNS----

(1) M/s. Acme & Associates.

(Transferor)

(2) Shri Kailash R. Gupta and Mrs. Mradula K. Gupta.

(Transforee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28250/85-86.--Whereas, J, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, Aradhana Apartments, Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay-69.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said. Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-12-1985

Authority at Bombay on 12-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days tront the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 5, Aradhana Apartments, Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/28250/85-86 on 12-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :-

Date: 11-8-1986

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28671/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

12 flats in the Sher-E-Punjab Co-operative Housing Society Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infection in the said instrument of transfer with the cohect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Everest Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Larsen & Toubro Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

12 flats in the Sher-F-Punjab Co-operative Housing Scalery Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28671/85-86 on 23-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 11-8-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28582/85-86.—Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 32, 3rd floor, CTS No. 193, H. No. 14, of 197, FP 194, TPS V, Vile Parle (East), Bombay-57.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfr with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Roseland Developers Pvt. Ltd.
- (2) Shri Ghanshyam Champaklal Bhatia and Shri Balkishan Champaklal Bhatia.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor building bearing CTS No. 193, Hissa No. 14, of 197, FP 194, TPS V, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28582/85-86 on 23-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1986

# NOTICE UDNER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. ARJI/37EE/28189/85-86,---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Vile Parle Leela Premises Co-operative Society Ltd., Vile Parle (West), Bombay-56.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :---

- (1) Shri Kirti Kantilal Parekh and Smt. Bharati Bharat Parekh.
- (2) Shri Ajit Kantilal Parekh and Smt. Amita Ajit Parekh.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Fiat No. 2, Ground floor, Vilc Parle Leela Premises Cooperative Society Ltd., Vile Parle (West), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Auhority, Bombay under No. AR.II/37EE/28189/85-86 on 9-12-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-8-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Smt. Kapila Mahipatram Bhatt, Shri Mahipatram G. Bhatt.

(Transferor)

(2) Shri Kirti Kantilal Parekh, Smt. Meeta Kirti Parekh.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 11th August 1986

Rcf. No. AR.II/37EE/28192/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5. Mazda Chuman Co-operative Housing Society Ltd., Santacruz (est) Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay inx under the said Act, in respect of any income arising from the transferi

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-atx Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor, Mazda Chaman Co-operative Housing Society Limited, Santacruz (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28192/85-86 on 9-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-8-1986

NOTICE: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMEMAY ACT 1961 (43 OF 1961)

SHOW FROM THE TRADIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.H 3714 28096/85-86. Whereas, I, LAXMAN DAS.

heing the Competent Authority under Section 269B he Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Ry, 1.00,000 and bearing Flat No. 501, Mermaid, Juhu Road, Juhu, Bombay-58.

situated at Bombay

(and more Jully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the sa'l Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuages of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under embedding (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1----246GI/86

- (1) Shri Amir Abdul Kadar.
- (Transferor)
- (2) Mis Kamrunissa Moinuddin Lokhandwala.
- (3) Transferce.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the earno meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor of the building known as Mermaid, at Juhu Road, Juhu, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. \R.H/37FF/28096/85-86 on 6-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-8-1986

### FORM NO. I.T.N.S.——

(1) M/s. Vikas Developers.

(2) Mrs. Meena Saghal,

(Transferor)

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/27917/85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to s the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd floor on plot No. 14 and 22 Vasundhara,

Janki Kutir Juhu, Bombay-49

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasonable that the fair market value of the spready are aforesaid.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor on plot No. 14 and 22 Vasundhara, Janki Kutir Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/27917/85-86 on 5-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .---

Date: 11-8-1986

#### FORM ITNS ....

(1) Mr. Mansoor Fidahusain Lookmanii and Ms. Roshan Jafferally Rahim.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gurmeet Kaur Bakshi and Mrs. Daropatidevi B. Bakshi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ВОМВЛҮ

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE:27938/85-86.—Whereas, I, J AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing 1 fat No. 22 Golden Beach Bunglow Scheme, Ruia Park

Road, Juhu, Bombay-49. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair granket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorretax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act is the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 22 Golden Beach Bunglow Scheme, Ruia Park Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/27938/85-86 on 5-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of General 269D of the said Act, to the following persons, ramely :---

Date: 11-8-1986

# FORM ITNS----

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGE: (96) (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ret. No. Asi.11/371'E 28000, 85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 1, 2, 3 Sukh-Sagar, 4th Cul. Mohir Cross Road,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Computent Authority at Bembay on 6-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ishwar Dayaldas Kewalramani.

Smt. Kamaladevi C. Malukani.

(2) Shri Kanayalal C. Malukani, Smt. Rajkumari K. Malukani, Shri Raghunath C. Malukani, Smt. Shectal R. Malukani, Shri Jagdish C. Malugani and (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2, 3, 3rd floor, Greater Bombay Co-operative Housing Society 1td., Sukh-Sagar, 4th Gul Mohur Cross Road. Plot No. 10, J.V.P.D. Scheme, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28000/85-86 on 6-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-8-1986

# \_\_\_\_\_\_

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# (1) Mr. Mohan Murty Shandilya.

(Transferor)

(2) Mrs. Sumathi Vadyanathan and

(Transferce)

Mr. Krishnamurthy Vaidyanathan. (3) Transferce and their families,

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bonibay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE 28012/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-to. Act 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a far market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 403, along with adjoining terrace Wing-I. Beach Heaven-I, Silver Beach Heaven-I Co-operative Housing Socy. Ltd., Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-54, situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und a section 269AB of the said, Act in the office of the Computent Authority at Bombay on 6-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property unv be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor alongwith adjoining terrace Wing-I, Beach Heaven-I, Silver Beach Heaven-I Cooperative Housing Socy, Ltd., Juhn Tara Road, Juhn, Bombay-54,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EF/28012/85-86 on 6-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomboy

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the treesferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **and**/kw

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26910 of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-8-1986

FORM NO. I.T.N.S .---

(1) Shri N. C. Datta.

(Transferor)

(2) Shri P. M. Bamboli.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE II. ROMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE, 28303, 85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 203, Sagar Samrat, Juhu, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the spreement is registered under section 269AB of the said, Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Sfteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ₄nd/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 203, Sagar Samrat, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II. 37PF/28303/85-86 on 12-12-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 11-8-1986

# FORM ITNS

# (1) Shri Rajendita B. Patel.

(Transferor)

(2) Shri Pramthesh S. Mehta, Neha P. Mehta and Shirish R. Mchta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II. 37EE/28496/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 '- and bearing Flat No. 10, Kamal Kunj on Plot of land S. No. 70

of Juhu Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to b lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arlsing from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in he Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 10, at building known as Kamal Kunj on Plot of land bearing S. No. 70 of Juhu & S. No. 287, Vile Parle, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI/37 28496/85/86 on 19-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il, Bombay

Date: 11-8-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No AR.II. 37EE 28669 / 85-86.—Whereas, 1, 1 AXMAN DAS,

bring the Competent Authority under Section 269B of the the me-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|and bearing

Flat No. J0. (S No. 238, TPS No. III, Santacruz (W).

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

FORM LT.N.S. (1) Smt. Hirawati Waji Dodia, Kiran Walii Dodite Mr. Narendra Walii Dodia, Mrs. Hansaben Mahendra Parmar. Mr. Harshad Walji Dodia and Mis. Taraben Nurendra Dodia.

(Fransferor)

(2) Hindustan Zink Limited,

(Transferee)

(3) Mr., Santosh Kumar.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferce.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of the notice in the Official whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazefie

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd floor of Narendra Apartments, bearing CS No. 238 & Final Plot No. 42A of Santacruz TPS No III, Santacraz, Bombay.

The agreement was been registered by the Competent Authority, Bomba under No. AR.11/37FL, 28669/85-86 on 23-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspect ant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  $x_i$ , I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date: 11-6 1986

(1) Mr. Lalit Malhotra.

(Transferor)

(2) Mr. Sarbejit Singh Brar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28613/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 205, Juhu Sea Shell Co.op. Housing Society Ltd., Green Fields A.B. Nair Rd., Juhu, Bombay-49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 205, Juhu Sea Shell Co-op, Housing Society Ltd., Green Fields A.B. Nair Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28613/85-86 on 23-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—28—246GI/86

Date: 11-8-1986

# (1) Mr. Ashok Hariram Kapoor.(2) Dr. Amritlal Jivraj Dedhia,

(Transferor)
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28182/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10, 2nd floor, Santacruz West View Co.op. Housing Society Ltd., Santacruz (W), Bombay-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, Santacruz West View Co. Flousing Society Ltd., 59A Swami Vivekanand Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28182/85-86 on 9-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-8-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mrs. Gurmit Kaur Bakshi and Mrs. Daropatidevi B. Bakshi.

(Transferor)

(2) Shri Gautam Rao.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28587/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 13, Dharam Jyot No. 4, Housing Society Ltd.,
A R. Nair Marg Luby Rombay. 49

A.B. Nair Marg, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 23-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 13, 'Dharam Jyot No. 4', Housing Society Ltd., situated at A.B. Nari Marg, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28587/85-86 on 23-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Licome-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-8-1986

## M/s Yasmin Corporation,

(Transferor)

(2) Shri Prassanbhai Pranjiyandas Broker and Shri Jayantbhai Prajivandas Broker.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA.

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28291/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incime-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing Flat No. 101, 1st floor of the building Gazdar

Apartments at Juhn Tara Road., Bombay-54. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-12-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotta.

The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as EXPLANATION:—The terms and expression given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ara
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101 on he 1st floor of the building Gazdar Apartments-A at Juhu Taga Road, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/2829 /85-86 on 12-12-1985.

> LAXMAN DAS Competen: Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11-8-1986

#### (1) M/s. G. C. Enterprises.

(Transferor)

(2) Bhasat Chimanlal Thakar and Bhawna Bharat Thakar. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

(3) M/s, G. C. Enterprises. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28661/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 5, Madhuvan, Plot No. 9, Azad Nagar
Society, J. V. Scheme, Vile Parle (West), Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 23-12-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, on Third Floor, Madhuvan, Plot No. 9, Azad Nagar Society, J. V. Scheme, Road No. 1, Vile Parle (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Embay under No. AR.II/37EE/2866 /85-86 on 23-12-1985.

LAX IAN DAS Competer: Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this not ce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-8-1986

#### FORM TINS ----

- (1) Shri Baldevraj T. Handa.
- (Transferor)
- (2) Shri Sayyed Mohammed Saddiq.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28743/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 20, S. No. 106A, Portion of land at North Irla Nulla JVPD( Vile Parle (W), Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the purvies of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-Nie property, within 45 days from the date of the nation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 20, S. No. 106A, North of Irla Nalla, J.V.P.D. Vile Parle (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28743/85-86 on 26-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the not ce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28059/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece of land bearing S. No. 231 H. No. 11-17,

Vile Parle (W), Bombay-56,

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-12-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Rishi Dayanand Co.op. Housing Society Ltd., (Transferor)
- (2) M/s. C.S. Construction Co.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece of land bearing Survey No. 231 Hissa No. 11-17, Irla Goathan, Vile Parle (West), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28059/85-86 on 6-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28039/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 9, CTS No. 345/19 Azad Nagar Co-op.
Housing Society Juhu Vile Parle Scheme, Vile Parle (West).
Rombay

Rombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 6-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; na dlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulda-tax: Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the fellowing persons, namely :---

(1) Mrs. Harbans Kaur, Navneet Singh, and Prateck Singh.

(Transferor)

(2) Shri Bhanuvadan Mavji Chawda and Shri abubhai Dhanji Gobvil.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days n the service of notice on the respective persons. whichever period empires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 9, C.T.S. No. 345/19 Azad Nagar Co.op. Housing Society, Juhu Vile Parle Scheme, Vile Parle (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28039/85-86 on 6-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-8-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M. B. Sawhney and Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kishor N. Chhabria,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/27823/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. 6, Guru Arjun Apartments,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Santacruz (W) Bombay-54,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or eventual of the limbility of the transferor to pay tax under the sold Act, in respect of any income arising from the transfer-La4/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any geomeys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sumsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, Guru Arjun Apartments, Ground floor, Plot No. 31, TPS IV, Santacruz (West), Bombay-54,
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/27823/85-86 on 2-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-8-1986

Seal:

**29—246**GI/86

#### Sunder Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Satish Shantilal Master and Ramaben Satish Master.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 11th August 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/37EE/27814/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, 3rd Floor Chandan Apartments, S.V. Road, Vile Parle (W), Bombay-56 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the prefix here there there there are the property as a support to be the profit of the profit o ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 1, CTS No. 417 to 6, Chandan Apartments, S.V. Road, Vile Parle (W), Bombay-56. The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/27814/85-86 on 2-12-1985.

> I,AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-8-1986

- (1) Shri Rajendrasingh C. Khushwaha.
- (Transferor)
- (2) Harpara Investment Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

Whishever period expires later;

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/27824/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land with structure standing thereon situate at Danda Village, bearing CTS No. H-324, 325 & H 326, Santa cruz. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid axceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the عم/قعد
- t'acilitating the constainent of any income et any moneys or other assets which have not been er (b) facilitating the consealment which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the soid. immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in Official Gazette. the

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with structures standing thereon situate at Danda Village Santacruz, bearing CTS No. H 324 & H325 & H 326.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.U/37EE/27824/85-86 on 2-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 11-8-86

(1) Mrs. Alanbi Allauddin Choudhary.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mr. Surinder Babubhai Chowla & Ors.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/28604 & 28545/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act J, have reason to believe that the initiative property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 4, Juhu Princess Co-operative Housing Society Ltd., Juhu Tara Road Juhu, Bombay-49. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under action 260AB of the Incompact for Act 1061 in the Office of section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 23-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Juhu Princess Co-operative Housing Society Ltd. Juhu, Tara Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/28604/85-86 on 23-12-1985

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 11-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37G/3856/Dec. 85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 20, CTS No. 450, at Wellingdon Santacruz (West), Bombay-400 054

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay in December, 1985 for an apparent consideration which is 1 ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evision of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Gladys Nunes & Mr. Bernard Nunes.

(Transferor)

(2) Dr. Allan De Sousa.

(Transferee)

(3) Miss Estralina Fernandes.

(Person in occupation of the property) (4) The Bombay Catholic Cooperative Housing Society

Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. 3756/84 and registered on December 1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 11-8-86

Seel:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37G.3863/Dec. 85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 51/A H. No. 3, Juhu, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-12-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sudha S. Naik, Nirmala Mutsadi & Sindhu N. Bhau. (Transferor)

- (2) Juhu Beekay Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 40/1979 and registered on 30-12-85 with the Sub-Registrar, Bombay.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Atow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 11-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.II/37G.3843/Dec. 85 -- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have 'eason to believe that the rimmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Old Plot No. 7-D, New Plot No. 30, Road No. 5 Tejpal Scheme, Vile Parle (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shoorsen Shamrao Jayakar and Shri Manohar Ghanshyam Pitale.

(Transferor)

(2) Vile Parle Sair-Kutir Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used here!— as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 2778/82 and registered on 3-12-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 11-8-86

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ramayan Dutta Pandy; 2. Sri Tulsi Dutta Pandey Vill. Ramji Chak, P.S. & P.O. Digha, Patna. (Transferor)
- M/s. Karpoor Chandra Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., 13, M.I.G. Colony, Patna 20. (2) M/s.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1337/Acq./86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 1 Tauzi No. 5339, Khata No. 1198, Survey Plot No. 2565 situated at Patna (and proper failed at Patna)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Calcutta in January, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 10 katha situated at Patna and morefully described in deed No. I, 602 dated January 1986 and registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Karpoor Chandra Sahkari Grih Nirman (2) M/s. Samiti Ltd., 13, M.I.G. Colony, Patna-20.

(1) Shri Ramayan Dutta Pandy; 2. Sri Tulsi Dutta

Pandey Vill. Ramji Chak, P.S. & P.O. Digha, Patna.

(Transforce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1338/Acq.86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 1 Tauzi No. 5339, Khata No. 1198, Survey Plot

No. 2565 situated at Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of he Registering Officer at

Calcutta in January, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) flucilitating the reduction or evasion of me liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; said/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

30---246GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 10 katha situated at Patna and morefully described in deed No. J, 602 dated January 1986 and registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 12-8-86

Seal.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 12th August 1986

Ref. No. III-1339/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Thana No. 1, Tauzi No. 5600. Khata No. 1939, Plot No. (Part) 2688 situated at Mauza Digha, P.S. & P.O. Digha, Dist Patna

has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta in February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be leve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jhulan Rai S/o Dukh Haran Haran Roy
 Smt. Etwaria Devi Bari Digha,
 P.S. & P.O. Digha, Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Karpoor Chandra Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Kankarbagh, Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforeraid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 30 decimals situated at mauza Digha Dist. Patna and morefully described in deed No. 1-2379 dated Feb. 86 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 12-8-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 12th August 1986

Ref. No. III-1340/Acq/86-87.--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Thana No. 1 Tauzi No. 5600, Khata No. 1839, Plot No. (Part) 2688 situated at Mauza Digha, P.S. & P.O. Digha,

Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Calcutta in February, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

- (1) 1. Shri Jhulan Rai S/o Dukh Haran Haran Roy 2. Smt. Etwaria Devi Bari Bigha, P.S. & P.O. Digha, Patna.
- (Transferor) (2) M/s. Karpoor Chandra Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Kankarbagh, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 22 decimals situated at mauza Digha Dist. Patna and morefully described in deed No. I-2378 dated Feb. 86 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 12-8-1986

#### FORM: ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 12th August 1986

Ref. No. III-1341/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Tauzi No. 5176 Khata No. 1089 Plot No. 2651 situated at Mauza Digha P.S. Digha, Dist, Patna has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta in February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) Ram Rau Roy S/o Late Raktoo Rai R/o Bari Digha P.S. Digha, Dist. Patna. (Transferor)
- (2) M/s. Karpoor Chandra Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Kankarbagh, Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 5 Katha 2 dhoors situated at Mauza Digha, P.S. Digha Dist. Patna and morefully described in deed No. I-2381 dated February 86 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 12-8-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 12th August 1986

Ref. No. 1342/Acq/86-87.—Whereas, J, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (thereinafter referred to as the saidd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and btaring No. Tauzi No. 5176 Khata No. 1089 Plot No. 2651 situated at Mauza Digha P.S. Digha, Dist, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer or consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for use purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Ram Rau Roy S/o Late Raktoo Rai R/o Bari Digha P.S. Digha, Dist. Patna. (Tansferor)
- (2) M/s. Karpoor Chandra Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Kankarbagh, Patna. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 5 Katha 2 dhoors situated at Mauza Digha, P.S. Digha Dist. Patna and morefully described in deed No. 1-2380 dated February 86 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASADI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th August 1986

Ref. No. III-1343/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Thana No. 1 Tauzi No. 5174 Khata No. 989, 924 Plot No. 2665, 2667 situated at Mauza Digha P.S. Digha Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 31-3-86

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, warmely:—

(1) Shri Ranjit Prasad Singh S/o Late Hari Narain Singh & Constituted attorney for his mother only Smt. Sumitra Devi all of Digha Ghat P.S. Digha Dist. Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Karpoor Chandra Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna, Through Sri Rajesh Kr. Jha, S/o Sri C. D. Jha, Kankarbagh, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45\*days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 7 katha situated at Mauza Digha P.S. Digha Dist. Patna and morefully described in deed No. I-4888 dated 31-3-86 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 13-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th August 1986

Ref. No. III-1344/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 1 Tauzi No. 5174, Khata No. 989, Plot No. 2665 situated at Mauza Digha P.S. Digha, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 31-3-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sad Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any menoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ranjit Pd. Singh S/o Late Hari Narain Singh, for self & natural guardian for his minor sons namely Sri Vikrant Singh, Vishal Singh and constituted attorney for Smt. Sumitra Devi all of Digha Ghat, P.S. Digha, Dist. Patna.
  (Transferor)
- (2) M/s. Karpoor Chandra Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Throught Sri Rajesh Kr. Jha S/o Sri C. D. Jha. of Kankarbagh, Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforcenid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 10 katha situated at Mauza Digha P.S. Digha Dist. Patna and morefully described in deed No. I-4889 dated 31-3-86 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bibar, Patna

Date: 13-8-1986

(1) Shri Vidya Singh, Kurjee, Patna.

(Transferor) (2) Gandhi Memorial Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

> > Patna, the 12th August 1986

Ref. No. III-1345/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing
Khata No. 315, Plot No. 161 situated at Shastri Nagar, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 19-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of th caforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 5.735 katha situated at Shastri Nagar, Patna and morefully described in deed No. 2463 dated 19-2-86 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bibar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 12-8-1986 Scal:

FORM Liber

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 12th August 1986

Ref. No. III-1346/Acq/86-87.--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-nnd bearing No.

and bearing No. Khata No. 315 Plot No. 161 situated at Sheskhpura, P.S.

Sastri Nagar, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Calcutta on 19-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or eviation of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—246GI/86

(1) Shri Vijay Kumar Singh at Shekhpura, Patna-14. (Transferor)

(2) M/s. Gandhi Memorial Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 20 decimals situated at Shekhpura, P.S. Sastri Nagar, Patna and morefully described in deed No. I-2471 dated 19-2-86 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Date 12-8-1986 Seal :

(1) Shri Dayanand Singh Shri Kamlesh, Shri Umesh, R/o Kurjee, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gandhi Memorial Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1347/Acq/86-87.-Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rhata No. 315, Plot No. 161 situated at Shekhputa, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Calcutta on 19-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 30 decimals situated at Shekbpura, Patna and morefully described in deed No. I 2464 dated 19-2-86 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th August 1986

Ref. No. III-1348/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Not mentioned in the 37G form situated at Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registring officer at
Calcutta on 27-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; into/ar
- (b) facilitating the concentrant of any income or any access, or other sames which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dhautal Saw
 S/o Late Moti Saw
 Village Kothwan P.O. & P.S. Khagaul, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Adhunik Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd of Baily Road, Patna-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at Patna and morefully described in deed No. I 2920 dated 27-2-86 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 13-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Shanti Devi W/o Late Babulal Singh, P.S. Phulwari, Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Molna Chak Sahkari Grih Nirman Sahyog Samiti Ltd., Patna.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th August 1986

Ref. No. III-1349/Acq./86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Khata No. 72, Khashra No. 392, Tauzi No. 5070 situated at Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Calcutta in March, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 19 decimals situated at Patna and morefully described in deed No. I-4260 dated March 86 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Date: 13-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shrimati Shanti Devi W/o Late Babulal Singh, P.S. Phulwari, Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Molna Chak Sahkari Grih Nirman Sahyog Samiti Ltd., Patna.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Patna-800 001, the 13th August 1986

Ref. No. III-1350/Acq./86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No. 72, Khashra No. 392 situated at Patna

Khata No. 72, Khashra No. 392 situated at Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta in March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette. publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 19 decimals situated at Patna and more-fully described in deed No. I 4264 dated March 86 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th August 1986

Ref. No. III-1351/Acq./86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Khata No. 72, Kheshra No. 392, situated at Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta in March, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Shanti Devi W/o Late Babulal Singh, P.S. Phulwari, Patna.

(2) M/s. Molna Chak Sahkari Grih Nirman Sahyog Samiti Ltd., Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 14 decimals situated at Patna and more fully described in deed No. I-4262 dated March 1986 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1986

Scal

### (1) Shrimati Shanti Devi W/o Late Babulal Singh, P.S. Phulwari, Patoa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Molna Chak Sahkari Grih Nirman Sahyog Samiti Ltd., Patna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th August 1986

Ref. No. III-1352/Acq/86-87.--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing
Khata No. 72, Kheshra No. 392, situated at Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta in March, 1986

at Calcutta in March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice mover subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 17½ decimals situated at Patna and more fully described in deed No. I-4268 dated March 1986 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna.

Date: 13-8-1986

Scal 1

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

SIONER OF INCOME TAX

Patna-800 001, the 13th August 1986

Ref. No. III-1353/Acq./86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

not mentioned in the 37G form, situated at Jaganpura, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 10-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Urmilla Devi,
 W/o Shri Birendra Kumar Singh,
 Advocate, Ex-M.P.,
 R/o Kamruddinganj, At P.O. Bihar-Sharif,
 Nalanda.

(Transferor)

(2) The Peoples Co-operative House Construction Ltd., Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 2.71 acres situated at Jaganpura, Patna and more fully described in deed No. I-5385 dated 10th April 1986 and registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna.

Date: 13-8-1986

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th August 1986

Ref. No. 111-1354/Acq/86-87.—Whereas, 1. DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 1 Tauzi No. 5130, Khata No. 431, Plot No. 5674 situated at Digha Bujurg P.O. Digha Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at .

Calcutta in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said her, to the following

persons, namedy :---32-246GI/86

(1) Kujree Adarsh Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna-10, through Sec. Sri Radha Mohan Singh S/o Late Ram Chandar Singh of Kurjee. Patna-10.

(Transferee)

(2) Ajanta Niketan Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patnu-13, through Hozari Pd., Bhagat S/o Late Prithyi Chand Bhagat, Raffy Gandhi Nagar, Parna,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

LEFTARATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCREDULE

Land measuring 311 decimals situated at Digha Bujurg P.O. Digha, Patna and more fully described in deed No. I-18056 dated Dec. 1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna.

Date: 13-8-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th August 1986

Ref. No. III-1355/Acq./86-87.-Whereas, I,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act is the said Act. property bearing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Thana No. 1, Tauzi No. 5130, Khata No. 431, Plot No. 5674 situated at Digha Bujurg P.O. Digha Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the seld Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Kurjee Adarsh Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., through Sri Radha Mohan Singh S/o Late Ram Chandar Singh, of Kurjee, Patna-10.

(Transferor).

(2) Ajanta Niketan Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna-13, through Shri Hazari Pd. Bhagat S/o Late Prithvi Chand Bhagat, of Rajiv Gandhi Nagar, Patna-13.

(Transfere.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 314 decimels situated at Digha Bujurg P.O. Digha Dist. Patna and more fully described in deed No. 1-18055 dated Dec. 1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna.

Date: 13-8-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (4) 1. Shri Jai Koishnin Yadav, S.o Late Deonandan Bhagat, 2. Ramjit Yadav, 3. Niranjan Yadav of Bari Pahari, P.S. Alamganj, P.O. Bari Pabari Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Kanth Nagar Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BIHAR

#### BORING CANAL ROAD 100 008-AMTEA

Patna-800 001, the 13th August 1986

Rcf. No. III-1356 Acq./86-87.—Whereas, 1, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Thana No. 15, Khata No. 175, Plot No. 489 situated at Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 14 katha 15 dhur 3 dhurki situated at Patna and morefully described in deed No. I-18279 dated Dec. 85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1986

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Sardar Mohinder Singh alias Mohinder Singh Gandhi, New Dak Bungalow Road, Patna.

(Transferor)

(1) Janapriya Finance & Industrial Investment (India) Ltd., 147, Block B,
Lake Town, Calcutta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## CEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th August 1986

Ref. No. III-1357/Acq./86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inc., me-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to a, the 'said Act') have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 146 situated at Swami Vivekanand Road, Bhagalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering officer at Calentta on 12-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquision of the said properts may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2400 sq. ft. situated a Swami Vivekanand Road, Bhagalpur and morefully described in deed No. I-2140 dated 12-2-1986 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accressed property by the issue of this notice under subscriptive (1) of Section 269D of the sid Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1986

(1) Ramiec Singh Village & Post Beur, Phulwari Sharif, Patna.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kishan Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. Patna,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

'ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Patna-800 001, the 13th August 1986

DURGA PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Ref. No. III-1358/Acq/86-87.--Whereas, I,

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Not mentioned in 37 G form situated at Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULF

Land measuring (not mentioned in 37 G form) situated at Patna and morefully described in deed No. I 6083 dated 6-3-86 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Riber Pates

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2000 of the add Act, to the following persons, ...mely:--

Date: 13-8-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th August 1986

Ref. No. III-1359/Acq./86-87.-Whereas, I,

Ret. No. 111-1339/Acq./80-87.—Whereas, i, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Tauzi No. 5070 Khata No. 10 Plot No. 103 Thana No. 33

situated at Phulwari-Sharif, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 13-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occur truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers month feet
- 3) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Janki Singh Kerori Chak, Phulwari-Sharif, Patna.

(Transferor)

(2) Kishan Sahkari Griha Nirman Samiti Ltd., Baidyanath Mahto Marg, Purani Jakanpur, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring (not mentioned in 37 form) situated at Mouza Beur, Phulwari-Sharif Patna and morefully described in deed No. I-3944 dated 13-3-86 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta,

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 13-8-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Dist. Patna.

(1) Shri Ram Chandra Gupta,

## (Transferor)

(1) NOBA Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.,

Mohalla Mithapur P.O. Jakanpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th August 1986

Ref. No. III-1360/Acq./86-87.--Whereas, 1,

DURGA PRASAD, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Thana No. 35 situated Manza Phulwari Dist. Latna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 18-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income oor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4.06 acres situated at Mauza Phulwari Dist. Patna and morefully described in deed No. I-4265 dated 18-3-86 registered with the Registrar of Assurances at Cal-

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this battee under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Date: 13-8-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR

BORING CANAL ROAD PA I NA-800 001

Patna-800 001, the 13th August 1986

Ref. No. III-1361 'Acq./86-87.--Whereas, I, DURĞA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') bave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 '- and bearing No.
Mouza No. 3. Khata No. 29 Plot No. 6, 86 to 93 98 to 105 situattd at Mouza Baramuri Dist. Dhanbad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhanbad on 28-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

(1) Shri Ram Chandra Gope S/o Late Hari Ram Gope of Baramuri P.S. & Dist. Dhanbad.

(2) Baba Taraknath Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Jai Prakash Nagar at P.O. Dhanbad.

(Transferor)

(Transferce)

bjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land measuring 7.33 acress situated at Mouza Baramuri Dhanbad and morefully described in deed No. 4581 dated 28-4-1986 registered with the District Sub-Registrar, Dhanbad.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 13-8-1986

#### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BIHAR

#### BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1362/Acq./86-87.—Whereas, J,

DURGA PRASAD,

DURGA PRASAD, peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act') have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Thana 1186, Khata No. 24, R.S. Plot Nos. 5756, Plot 5757 situated a Pargana Dhalbhum P.S. Telco, Mouza Jojobera (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at lamshedpur on 4-7-1986 lamshedpur on 4-7-1986

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following morrous namely :-

(1) S/Shri 1. Jagan Majhi, 2. Chamru Majhi, Bir Singh Majhi Ss/o Late Dasmat Majhi
 Shri Dasmat Tudu S/o Late Balia Majhi
 Smt. Pani Majhian Wd/o late Balia Majhi of Rahargora, P.S. Govindpur, Dist Singhbhum.

(Transferoi)

(2) The Tata Iron & Steel Co., Jamshedpur, represented by its General Attorney & Director, Town Services Syed Anwar Hassan S/o Late B. Q. Hassan, of 2, A Road (West) Northern Fown, Bistupur Jamshedpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2,04 acres situated at Pargana-Dhalbhum P.S. Telco, Mouza Jojobera district Singhbhum, and more-fully described in deed No. 5146 dated 4-7-86 registered with the Sub-Registrar, Jamshedpur.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 14-8-1986

Sent :

#### FORM ITMS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## (1) Mr. Bhogovonta X, Bhobe 4 Mrs. Manikbhai B. Bhobe Vrindavan Apartments St. Iner Panjim Goa.

(Transferor)

(1) Kamat Real Estates F/1 Indira Apartments
Cactano Albaguerque Road, Panjim-Goa.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1986

R No. 62, DR-1155/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, -1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Revenue Office No. 1104, 1109, 1106 & 1111 situated at Pilerne Village No. 1104, 1109, 1106 & 1111 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bangalore on 7-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rablication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions use herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

#### (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 805/85-86 Dated 20-1-86] Property known as saunlem situated Pilerne village Taluka Border Distt. Ilhas District Goa Revenue office under No. 1104, 1109, 1106 & 111 File No. 737 of 1952,

> R. BHARDWAJ Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following savisons, namely :---

Date: 11-8-86.